त्रिकुटाय कुठपतीसगृहधूमरलाय समयहपीसेमधुसोपावै राजिलअहिकीविषमिटजावै ॥ अन्यच ॥
॥ चौपै ॥ यवसत्तूसर्षपफलपत्र अवरसर्ज्जरसमेलोतत्र राजवृक्षकेफूलमंगाय सूर्यावर्तजुफूलरलाय पुनपावैतिसअर्जुनफूल यहसभपीसेसमकरतूल इसकाधूपधुखावैयवहिं विषजंगमस्थावरनासेतवहिं इसीधूपकोवरजुधुखावे सर्पकीटतिसघरनहिआवै अवरजुविषधरजीवहैजेते धूपधुखावैनासैंतेते अ, वरजकृत्याकर्महैजोय सोतिसघरमोंजायनसोय मांसीचंदनसैंधापाय उत्पलअवरमुलठामिलाय गोपि त्ताअरुत्रिकुटाजान समसूक्ष्मपीसैहितमान यहअंजनजोनेत्रनपावै निद्राविषजनाशहोजावै ॥ अन्यच ॥ करंजुविल्वमूलत्रिकुटाय सुरमापत्रदुरजनीपाय अजामूत्रसोंपीसैतास अंजनपावैनिद्रा- नाश ॥ अन्यच ॥ मयूरपित्ताककोंटचुलाई यहपीसेसमतासपिवाई स्थावरंजहमविषहोइनाश दुःखमिटैसुखउपजैतास ॥ अन्यच सरीषजुनिंबकरंजत्वचाय कोशातिकफलताहिमिलाय पीसगू- त्रसोंलेपलगावै विषअहिकीजुनाशहोइजावै ॥ अन्यच ॥ वरचकरंजुशिलाजितआन त्रिकुटादो, नोरजनीठान मघांसरीषअवरसुरदार यहसमलेपैविषानिरवार अन्यच गोपित्ताकटुतंबीवीज यह समपीसलेपसोकीज होइसर्वविषहूंकोनाश दुखमिटैतनसुखपरकाश

॥ अथसर्पादिजंगमविषलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ सर्पनकीहैजातिअनेक तीनजातिकहोसहितविवेक भोगीसर्पएकवडीजात वातस्व- भावतासविख्यात मंडलीजातिसर्पजोहोय पित्तस्वभावजानहोसोय राजिलसर्पजातिजिहकही कफ स्वभावजानोतिससही

॥ अथभोगीसर्पदंशस्थानलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ श्यामवर्णहोइदंशस्थान वातविकारप्रगटतिसजान अथमंडलीसर्पदंशस्थानलक्षणम् पीवतर्णहोइदंशस्थान पित्तविकारप्रघटतिहमान ॥

॥ अथराजिलसर्पदंशस्थानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शोथहोतहैदंशस्थान चिपचपाटअत्सयप्रगटान पीतरंगदढशोथलखावत स्निग्धघ- णातिसरुधिरश्रवावत कफविकारसोंकरैप्रकाश तीनयातियोंलक्षणभास ॥

॥ अथजिन्होंसर्पोंकेदंशकीचिकित्सावर्जितहैसोकहितहै ॥

॥ जौपई ॥ अश्वत्थमूलदेवालयमांहि चौराहेवरमीलषपाहि अरुमसानभूमिमंझार संध्यासमेकि- योनिरधार मघाकृत्तकाभरणीजानो श्लेषाआर्द्रात्रिपूर्वामानो अवरधनिष्ठाभाषसुनाई इन्हमोंसर्पदंशदुः खदाई नवमीषष्ठीतिथिपहिचान कृष्णाचतुर्दशीलषोसुजान अवरपंचमीतिथिजोभाषी अहेनिषिद्ध- चतुर्थीआपी इन्होंतिथींमोंसर्पजुलरै ताकीनांहिचिकित्साकरै मस्तकनाडीमर्मस्थान हृदयसर्पदंशेल- हुस्थान सर्पदंशइन्हठौरनलहिये तासचिकित्सावर्जितकहिये दार्वीकरजोखडपास्याह विषधरमहाजा- नहोताह ऐसेसर्पजाहिकोंलरै ततकालसोप्राणनहरै महाअसाध्यसर्पसोजान अवरसाध्यचिन्हकरोंवषान

॥ अथअन्यप्रकारअसाध्यविषलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पित्तस्वभावहोतनरजोई अवरअजीरणसंयुतहोई आतपपीडितजोनरजानो वाशरीरजिसरुधिरनमानो वालकवृद्धक्षीणहैजोय भूषोश्रमघाउजिहहोय कुष्टीअरुपरमेहीजेऊ निर्वल- रोक्षदेहलषतेऊ इस्त्रीगर्भवतीहैजोई इन्हसभइनहिंदंशअतिहोई इन्हकीनाहिचिकित्साकरै दंशअ-

साध्यहितैंलषपरे शीतलजलसोंरोमनजागें तासचिकित्साभीलखत्यागें जिहक्षतकरभीरुधिरनश्रावै तासचिकित्सतजउठजावै जिसकोंचारदंतहीलागें ताकीवैद्यचिकित्सात्यागें दंशहोतउन्मत्तहोइजावै तासचिकिनांहिसुहावै होइस्वरहीनविवर्णलषावत अवरउपद्रवभीदरशावत तासचिकित्सानाहिनकरै जोइन्हलक्षणयुतलषपरै जाहिक्रूरग्रहदशालहीजै तासचिकित्सानाहीकीजै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ दंडलतादिकताडिनकरै ताकरचिन्हशरीरहीपरै मुखटेढाजिसकाजवजाने केसपतनजिसकेलखमाने ऐसेलक्षणजानेजवहिं वैद्यत्यागजावैतवतिसहि ॥ अन्यच ॥ पीडाहोवतजासकीनासा कंठभंग-जिसजानहुस्वासा कृष्णसरक्तशोथहोयमास याविधदंशस्थानप्रकाश हनुस्तंभहोवैजवाजिसको वैद्यत्या-गजावैतवतिसको घनवर्त्तिरक्तवहेमुखद्वार अधऊर्द्धमार्गचलेवहुधार ऐसेलक्षणजिसतनदेषे वैद्यत्याग-जावैतिसलेषे ॥

॥ अथसर्पविषचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ सरींषमूलवीजअरुफूल अरुतापत्रलेहुसमतूल गोमूत्रसंगसुपीसालिपावै विषजुसर्पना-शहोईजावै ॥ अन्यच ॥ मंजीठनिशाद्राक्ष्याजुमुलठ एलामांसीरेवंदकठ मधुसोंपीसिलेपैसोय पीवेपु-नाहिंनाशविषहोय ॥ अथामृतघृत ॥ चौपई ॥ अपामार्गसरीषकेवीज काचमाचीस्वेताद्रोपालीज गूत्रपीसघृतपायपकावै पावैमलैनाशविषथावै ॥ अथअजयघृत ॥ चौपई ॥ तगरमुलठीकु-ठमंगाय भद्रदारुविडंगमिलाय रेवंदगजकेसरजुप्रयंग नागपुष्पधरउत्पलसंग चंदनश्यामजुरजनी-दोय दोइकंडयारीसारवाहोय वालासितापुनसंगमिलाय अंशमतीसभहीसमभाय यहचूर्णघृतपाय. पकावै पावैमलैसर्पविषजावै इतिसर्पदंशचिकित्सा ॥

॥ अथसर्वकीटविषचिकित्सा ॥

चौपई तुलसीमूलमुलठसमपीवै नाशकीटहूंकीविषथीवै अन्यच चौलेरीअरुकंडयारीमूल घृतसोंलेपे लेसमतूल होइविषकीटनकीतवनाश निश्चैकीजेमनमोंतास अन्यच दशांगयोगजोपाछैकह्यो सर्वकी टविषहर्तालह्यो अन्यच अलावुलांगलीअवरपतसि अवरजालनीकल्कजुपीस कांजीसंगजुलेपनकीजै सर्वकीटकीवीषहरलीजै अन्यच क्षीरीवृक्षत्वचालेपावै नाशकीटकीविषहोइजावै अन्यच त्रिकुटापाठाकुठ. विडंग सेंधाक्ष्यारपतीसअरुहिंग यहसमपीसैलेपलगावै विषकीटकीनाशतवथावै ॥ अन्यच ॥ गजपीपलपाठावरचविडंग सैंधात्रिकुटापतीसजुहिंग यहदशांगऊेषधपीसावै लेपैसर्वकीटविषजावै

॥ अथलूताविषनिदानवरननं ॥

॥ चौपई ॥ विश्वामित्रऋषिराजहैजोय तापरकुत्रावेसिष्टऋषिहोय क्रोधकेश्रमतेंमस्तकतास उपाजितावेंदूस्वेदप्रकास विंदुपरैलूतातृणमाहिं नानाविधकीविषप्रगटाहिं षोडशभेदतासकेकहै भिन्न' भिन्नसभसोसुनलहै मंडलआदिअवरजोजान कष्टसाध्यसोकियेवषान सौवर्णकादिअष्टलपलीजै सोअ, साध्यसभजानपतीजै लूतानामइकठाजानो जीवविशेषतेवहुकरमानो सुश्रुतेमेंवहुकियोविस्तार सोहमनाहिजुकीनउचार ॥

॥ अथलूताविषसामान्यलक्षणं ॥

॥ चौचई ॥ लूतानामजीवइकअहैं तिन्हकीविषकेलक्षणकहैं जहांदंशलूताप्रगटावे सोथ होतअरुरुधिरश्रवावै रक्तश्यामरंगशोथलपाय अचलमृदूवहुस्रोदरशाय ज्वरअरुअतीसारहोयदा-

फुनसीअरुचटाकवहुताह रोगत्रिदोषजताकोजानो सुश्रुतकामतकह्योसुमानो यहसमस्तलूतों-केलक्षण हैंसामान्यसुजानाबिचक्षण ॥ इतिलूताविषलक्षणंसमाप्तम् ॥

॥ अथसामान्यलूताविषाचिकित्सा ॥

॥ चोपई ॥ दोनोरेजनीअवरमंजीठ गजकेसरपतंगलुनईठ यहसमशीतलजलपीसाय लेपैविषलू-ताकोजाय ॥ अन्यच ॥ कटभिअर्जुनत्वचामंगावे सरीपलसूडेत्वचारलावे अवरहूंक्षीरीवृक्षपछान इन्हसभहनकीत्वचासमान चूर्णक्वाथपीवैसुलिपाय लूताविषव्रणनाशकराय ॥ अन्यच ॥ चंदनप, अकाष्ठअरुकुठ उशीरपाटलासेलुइकठ निरगुंडीतगरसारवामिलाल यहसमकीजेक्वाथवनाय पीवैअरुलेपैपुनतास लूताकोविषहोवैनाश ॥ अन्यच ॥ करंजुअर्कदुग्धहयमार विषचित्राअप-रोटसुडार इन्हसमसिद्धकरैजोतेल मर्दनविषकरलूताठेल ॥ इतिलूताविषचिकित्सा ॥

॥ अथमूषकाविषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ चलेरक्तज्वरअरुचीदाह मंडलपांडुहोंहितनताह रोमहर्षपुनउपजैतास मूषिकवि. षयोंकोनप्रकाश दूखीविषतिसमूषिकजानो प्राणहरनसोआगेमांनो ॥

॥ अथप्राणहरमूसेकोविषकालक्षण ॥

॥ चोपई ॥ मूर्छाअंगशोथहोयजास वर्णविपर्ययजानोतास कलेदनमनअरज्वरप्रगटावे श्रवणमं दशिरगुरुताआवे लालारक्तछर्दकरेसोय अवरश्वासतिसपरगटहोय ऐसेलक्षणवर्त्तैयाहि रुजअसा ध्यतुमजानोताहि ॥

॥ अथमूषिकविषचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ लेसरीषमूलपीसावे मधुतंडुलजलसंगलिपावे मूखिकविषकोहोवैनाश असेकहीचिकि त्सावास ॥ अन्यच ॥ अखरोटमूलनोकेपीसावे वस्तमूत्रसोंलेपलगावे मूखिकविषकोहोवैनाश असे. कहीचिकित्सातास ॥ अन्यच ॥ वेरमूलतुम्मातिलमूल मधुघृतसितापीससमतूल यहऔषधकोंजो. जनपीवै मूषिकविषतवहूंहतथीवै ॥ अन्यच ॥ कुसुंभपुष्पगोदंतमंगाय स्वर्णक्षीरीदंतीसैंधापाय त्रिवी कपोतविष्टाअरुएला समयहपीसकरैइकमेला यहचूर्णवरूरैऊपरतास होवैमूखिककीविषनाश अन्यच चित्रामंजरीपिसैआन सदुग्धपियेमूषकविषहान ॥ अन्यच ॥ वदरीमूलतिलनकोमूल सदुग्धपकायपी; ससमतूल पायशक्करामधुघृतसंग पीवैहोइमूषिकविषभंग ॥ अन्यच ॥ विल्ववेरतिलगिरिकरणी-जो मूलइन्हन्हकेयहसमपीसो सोदुग्धपकायघृतमधुजुमिलाय पीवैमूपककोविषजाय इतिमूपकचिकित्सा

॥ अथलूताभेदसौवर्णादिकअष्टविधसामान्यलक्षणं ॥

चौपई सौवर्णादिकअष्टजोजान तिनकेविषकाकरोंवषान श्वेतकृष्णरक्तअरपीत फुनसीहोवतजानोमीत ज्वरअरशोथजुहिकाश्वास दाहअवरशिरग्रहह्योयतास सौवर्णादिकलक्षणकहे मंडलआदिकसोसुनलहे

॥ अथमंडलादिकअष्टविषसामान्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मंडलआदिअष्टजोकहे दूषीविषतिन्हजानसुलहे तिन्हकेलक्षणदेउंवताय सोस-मझोअपनेचितलाय दंशमध्यतेकृष्णपछानो जालकवृतअरश्यामसुमानो उर्द्धक्षतितिसदंशकीहोय अतशयपाकजुहोवतसोय क्लेदनमनअरज्वरप्रगटाय जीवदूखिविषसोइकहाय ॥

॥ अथदूखीविषलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कालांतरकरकोपजुधारै सोदूखीविषदंशउचारै अल्पविषजिन्हजीवनमाहीं दूखीविषसोजीवकहाहीं ॥

॥ अथवातादिभेदविषवरननं ॥

॥ चौपई ॥ मूषिकवृश्चिकजीवपछानो वातवृद्धविषइन्हकीजानो

॥ अथलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ वाजूस्तंभहृदमोहोयपीर आयामजुनाडीजानोधीर अंगभंगउद्वेष्टनजोय संधिपीतपुनतिसकोहोय अवरअस्थिमोपीडायास वातवृद्धविषचिन्हप्रकास ॥

॥ अथपित्तविषनामवरननं ॥

॥ चौपई ॥ सर्वकीटकीविषहेजेऊ वृद्धवातपित्तजानोतेऊ ॥ अथलक्षणं ॥ दंतपीडमुखकटुआयास हृदयदाहअरसंज्ञानास ऊर्द्धश्वासतनशोथजुहोय पित्तवृद्धविषजानोसोय ॥ उपाय ॥ ॥ चौपई ॥ सीतललेपजुसीतलस्नान सीतलऔषधतासप्रमान

॥ अथकफविषनामोपाय ॥

॥ चोपई ॥ कराहाअवरमक्षिकाजेती इन्हकीविषकफवृद्धहेतेती घृतकोलेपजुमर्दनतेल अवरवातहरऔषधमेल बृंहणविधिअरस्वेदकराय वातवृद्धविषकफनरहाय वमनाविलेपनस्वेदनजोय विषकफवृद्धमोंजानोसोय

॥ अथवृश्चिकविषलक्षणनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ दंशतहोतअग्निइवदाह दंशस्थानविषइस्थितताह पुनऊर्द्धकोंगमनकरेसो पीडाअधिकसुअधिकबढैसो ऊर्द्धगमनकीपीडाजाय इकदिनदंशस्थानरहाय असाध्यलक्षणं ॥ चौपई ॥ वृश्चिकहृदयजुघ्राणमंझार जिव्हाडसैअसाध्यविचार डसैवृश्चिकजोमांसगलावै सोभिअसाध्यनिदानबतावै ॥ इतिवृश्चिकविषलक्षणंसमाप्तम् ॥

॥ अथवृश्चिकविषचिकित्सा ॥

॥ अथधूप ॥ चौपई ॥ मयूरअवरकुक्कुटयहजान इन्हकेपूछकेपंक्षसमान सैंधातिलसमसाथमिलाय सहघृतपीसेधूपधुषाय होवेविषवृश्चिककीनाश पीडमिटेमनहोतहुलास ॥ अन्यच ॥ सघृतसैंधापीसजुपीवै लिपैनाशवृश्चिकविषथीवै ॥ धूप ॥ कलौंजीकेशीहरतालनिंबपत्र लवणअवरघृतकरीइकत्र अग्निधरेसोधूपधुषावै वृश्चिकपीडाविषमिटजावै ॥ अन्यच ॥ केवलमोरपंक्षघृतआन धूपदेयवृश्चिकविषहान ॥ अन्यच ॥ पलासबीजअर्कपयसंग लेपैहोयवृश्चिकविषभंग ॥ अन्यच ॥ मघसरीषफलसैंधाआन जातिपत्रहिंगुनागरठान गोवररससोंपीसेसोय गुटिकापावैलेपैजोय वृश्चिकविषकोहोवैनाश निश्चयकीजैमनमोंतास ॥ अन्यच ॥ सूर्यावर्तपत्रगंधलेवै विषवृश्चिककीनाशकरेवै ॥ अन्यच ॥ जीराकल्कघृतसैंधापाय मधुसंयुतातिसलेपलगाय वृश्चिकविषकोहोवतनाश वंगसेनमतकोनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ जयपालआनजलसंगजोपीस लेपकियेवृश्चिकाविषखीस ॥ अन्यच ॥ पुटकंडेरककेपत्र-

जोखावे वृश्चिककीविषतुरतनसावे ॥ अन्यच ॥ नवसादरअरुलेहरताल जलसोंलेपकरेततकाल वृश्चिकविषकोतुरतनसावे योगतरंगिणीमतजुवतावे ॥ अन्यच ॥ शिरीषबीजअरमघजुमिलाय अजा-क्षीरसोंलिपलगाय वृश्चिकाविषकाहोवेनास योगतरंगिणीमतपरकास कासमर्दकुशकासामूल मुखमोंच-रवणकरसमतूल पूकेकरणमाहिपुनआन बाहरडतगरसुंठीसमठान विजोगरससोंपीसेतास लेपेहो-इवृश्चिकविषनाश ॥ इतिवृश्चिकविषचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथविचूंकीविषकेदूरकरनेकामंत्र

॥ ॐआदित्यरथवेगेनविष्णुबाहूबलेनच ॥ सुवर्णपक्षपातेनभूम्यांगछमहाविष ॥ १ ॥ भोपक्षजोग-पदाज्ञा श्रीशिवोत्तमप्रभुपदाज्ञा भूम्मांगछमहाविष इसमंत्रसे ॥ २१ ॥ बारझाडाकरे तौविचूकीविषजाय

॥ अथमंडूककविषलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ एकदंशताकोजोहोय पीडाशोथकरतहैसोय पीतवरणताकोप्रगटान निद्राअवरछर्द उपजान इन्हमंडूकनकेमंझार कोऊइकहोवतविषधार

॥ अथमत्सविषलक्षण ॥

॥ चौपै ॥ पीडशोथदाहबहुहोय विषमत्साविषलक्षणसोय आगेइनकासुनोउपाय ग्रंथमतीनिश्चैमनभाय

॥ अथमीडिकमत्सविषचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सरीषबीजथोहरपयसंग लेपेमत्समींडकविषभंग ॥ अन्यच ॥ अंकोटपत्रको-धूपधुषावे तौभीविषदोनोंकीजावे ॥ अन्यच ॥ यवसत्तूकेशअवरकटुतेल धूपदेयविषदो-नोंठेल ॥ अन्यच ॥ केवलकटुकतैलमर्दनजो नाशकरैविषइन्हदुकीसो ॥ इतिमींडकमत्स-विषचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथसामान्यजलजंतविषलक्षणोपाय ॥

चौपई कंडुशोथपीडमूर्छाऊ अैसेलक्षणतिन्हकेगाऊ उपायचौपई छुहारेतैलभिगोइजलावे ताकीभस्मर्द शपरलावे विषजलजीवहोइहैनाश निश्चैकीजैमनमोंतास अन्यच कृष्णवेतकाथघृतसंग धोवैशृंगिमत्सविष भंगअन्यच मोरंपक्षघृतधूपधुषावे तौभीताकीविषमिटजावे अन्यच दंशाहिततक्षणमूत्रेजोय तौभिनाशविष जलचरहोय ॥ अन्यच ॥ अर्जुनकटभीसरीषजुआन लसूडाक्षीरीद्रुमपहिचान त्वचाइन्हनकीसमक रैक्राथ पियेलिपेजलचरविषनाश अरुविषकीटकयाजोकरे तौभीविषजलचरकीहरे ॥ इतिजलचर-विषचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथकृकलविषलक्षणम् ॥

श्यांमकृष्णजिसवरणजुहोय अथवानानावरणसुजोय ॥ मोहजुविष्टापतलीजान कृकलेविषयह-लक्षणमान

॥ अथसाधारणश्वानविषचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ गोपित्तालसनवरचत्रिकुटाय अरुलेपनकरश्वानाविषजाय ॥ अन्यच ॥ लेज-लवेतपत्रअरुमूल कुठमिलायकाथसमतूल शीलतकरजोपीवेतास श्वानकीविषकोहोवैनाश

॥ अथअलर्कनिदानं ॥

॥ चौपई वातपित्तकफदोषजुतीन तिनमोश्लेष्मवृद्धिलीन संज्ञावहजोनाडीकहे तिन्हमोप्राप्तदोषसुलहे तातेंसंज्ञाकरेजुमोहन सभधातुनकोकरेजुक्षोभन ॥ दोहा ॥ सभधातुनकेक्षोभतें विषअलर्कउपजात अपनेमनतेंनाकह्यो शुश्रुतकोमतगात

॥ अथहलकेहुयेश्वानादिककालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ मुखतेंलालाचलेअपार अंधवधिरतिसकोजुनिहार त्रस्तपुछमुखनिम्नतहोय चारोउोर-जुधावतसोय हनुस्तंभशिरदुखितसुजानो अलर्कश्वानकेलक्षणमानो

॥ हलकाएआश्वानादिकाटेउसकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ जिहश्रैसोश्वानदिककाटत रुधिरताहिकालानिगसावत ज्वरशरीरहृदयसिरपीड जकटवंदवहुतृषाशरीर खाजपीडरंगवटजाय क्लेदचुफेरजुभ्रमप्रगटाय शोथगांडतनउपजैदाह स्थान दंशनितश्रवतहेताह उपजैमंडलअवरस्फोट लालरंगअरपाककोषोट तौकाटनहलकेकोपछा नो भावप्रकाशमतइहतुममानो

॥ अथवावलाश्वानाजिसेकाटेउसकाअसाध्यलक्षण ॥

चौपई जोनरजलतैलादिककांच स्यारश्वानादिककूकैसांच चेष्टातासकीटेढीहोई अतिडरमरैहैनिश्चैसोई

॥ अथअलर्कविषचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ अलर्कनामहल्कयोकोजान गीदडादिवाहोवेस्वान सुनोचिकित्साभाषोंतास वंगसेनज्यों' करीप्रकाश ॥ अथउपाय ॥ सदेवपुरातनघृतकरेपान यहउपायतामोंहितमान ॥ अन्यच ॥ धतूरासरपं खकोमूल पसितंडुलजलसमतूल गुटकाकरसोछांहिसुकावै षावेविषअलर्कमिटजावै ॥ अन्यच , धत्तू!जटाचूर्णपयसंग पीवैहोइअलर्कविषभंग ॥ अन्यच ॥ अंकोलवांसमूलसमआन, समपीसिसदुग्धक रपान विषअलर्ककोहोवैनाश तासचित्साकरीप्रकाश ॥ अन्यच ॥ फलधत्तूरारुंवलमूल यहलेपीसिदो इसमतूल तंडुलजलसोंपीवैतास होयअलर्कविषतांतेनाश ॥ अन्यच ॥ दीजैदाहततघृतसंग तांते परमयतननहिचंग ॥ अन्यच ॥ मूषिकमेदामर्दनकरे तौभीइन्हसभकीविषहरे ॥ अथधूप ॥ चौपई ॥ विडंगभिलावैगुग्गुलुआन इक्षुसरजरसतामोंठान अर्जनसूर्यवृक्षकेफूल सरषपपत्रलेहुसमतूल सभमि, लायसमधूपधुषाय स्थावरजंगमविषनरहाय ॥ अथकाथ ॥ विल्वआढकीपाटलजवक्षार चित्राउत्पल, तामोडार शाल्मलिश्रीपरणीपुनआने इहकाथसंगधोवैविषहाने ॥ अन्यच ॥ नरमूत्तरकेसंगजुधोवे न खदंतनविषनाससुहोवे

॥ अथचौपादद्विपादनखदंतविषलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ दंशपकेसुश्रवैज्वरकरै इत्यादिकलक्षणसोधरै हलक्योकोक्षतनखअरुदंत ताहूकोसुनलेहुवृ तंत सोक्षतजोवीतेचिरकाल हलकवेगजवकरेकराल तवताकोक्षतश्रवतलहीजे ग्रंथनिदानकहीसुपतीजै

॥ अथनपदंतविषचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ सोमवल्कगोजिन्हाआन हंसपादकागेरीठांन दोइरजनीअस्वकर्णसमलीजे पीसलेपवि षदंतनखछीजे ॥ अन्यच ॥ सम्मीनिंवमूलकोकाथ नासेविषधोवैतिससाथ ॥ अन्यच ॥ मंजिष्ठाघनि

यांपद्मउशीर यहसमलेसुनपीसोवीर घृतमिलायसोलेपलगाय विषनखदंतनाशहोइजाय ॥ अन्यच ॥ दोनोरजनीगेरीआन लिपेदंतनषविषकीहान ॥ अन्यच ॥ गोजिव्हामधुसोंपीसलिपावे विषनख दंतदूरहोइजावे इतिनखदंतविषचिकित्सासमाप्तम्

॥अथकराहाविषलक्षणम्॥

चौपई कराहाजाहूपरफिरजावे देहविसर्पजुलालदिषावे दंशस्थानगलितहोयतास लक्षणअवरकरोपर, कास शोथशूलज्वरछर्दकरावत कराहाचिन्हविषअैसेगावत

॥ अथचिटिंगविषलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ लोमवहुतकालेहोइजांहि पीडावहुतहोततनमांहि अंगसमस्तआकडारहै अरुसभ, अंगशीतलतागहैं शीतलजलसिंचिततनमानै अैसेलक्षणतासवषाने

॥ अथकिरलिविषलक्षणोपाय॥

॥ चौपै ॥दाहशोथरुजसूचीवेध अैसेचिन्हलषेतिसखेद ॥ अथउपाय ॥

वीजकरंजूत्रिकुटाआने रजनीदोयसुहांजणाठाने वीजजजूलीकेजुमिलावे लेपेवातिसपानकरावे गृहगोधाकीविषमिटजाय शुश्रुतकामतदियोवताय

॥ अथशतपदीविषलक्षषणम् ॥

॥ चौपै ॥ दंसस्थानस्वेदप्रगटावे पीडादाहअवरउपजावै कानषजूराशतपदीजान लोकसभजिन करैवषान ॥ अथउपाय ॥ चौपै ॥ दपिकतैलकोलेपलगावे शतपदीकीविषतुरताहिजावे अन्यच' मनशिलगेरीरजनीदोय पीसजुलेपकरेनरसोय तातेशतपदीविषहोयनास योगतरंगिणीमतपरकास-

॥ अथमस्कविषलक्षणम् ॥

॥ चौपै कंडूपीडमंदषफडहोय मछरविषकेलक्षणसोय मस्कदंशजोपक्योलषावे सोउदंशअ' साध्यकहावे

॥ अथसपक्षमक्षकादिविषलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ तिम्हडीडेमूमांख्योंमाषी इत्यादिकजोमक्षकभाषी इन्हकीविषनिजनिजाहिंस्वभाउ प्रग टैआयकरैवहुताउ दंशस्थानजुहोवतस्याह फुनसीशोथजुमूर्छादाह अवेशीघ्रअरज्वरप्रगटावत मा- षीविषअैसेदरशावत गृहकीमाखीअतिमृदुजोय ताकेदंशनपीडाहोय इनमेंस्थविकाएकजुमाखी प्राणहरातुमजानोसाखी

॥ अथपिपीलिकामाक्षिकादंशविषचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ वरमीकृष्णगोमलेपावे मक्षिकादिविषहतहोइजावे गुग्गुलुधूपदेयजोतास तौभीविष- मक्षिकादिविनाश अन्यच सुंठकवूतरविष्टाआने विजोरैकारसातिसमोठाने सैंधाअरुहर्तालरलावे. भ्रमरदंशपरलेपलगावे लेपकियेविषभ्रमरकीजाय योगतरंगिणीमतजुवताय अन्यच दंशसरजरससा- 'थघुवावे अथवालेहेकोसेकदिवावे अरुकंटकसोंदंशनिकारै तौमक्षिकाकीपीडनिवारै अन्यच मरच. सुंठसैंधाअरुसोंचल मरुवारससोंपीसएकथल दंशऊपरैलेपैतास विषवरटीनाममक्षिकानाश अन्यच

मरचसुंठसेंधापुनलीजे नागवलारससंयुतकीजे दंशभमूडीलेपलगाय भमूडीविषकोतुरतनसाय सौं-फअवरसेंधाघृतपीस लेपेविषमक्षीहोइपीस अन्यच केसरतगरसुंठअरुमरच यहसमपसिलेपसोशरच मषिकादिविषपीडानाश तासचिकित्साकरीप्रकाश

॥ अथस्थावरजंगमविषसामान्याचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ द्राक्षमुलठीएलाल्याय मांसीहलदमंजीठरलाय अवरजुरेवंदसंयुतकीजे समयहचूर्ण-मधुयुतदीजे सर्वप्रकारकीविषहोयनास वंगसेनमतकियोप्रकाश अन्यच दंतीतूवीविशालालीजे ल-वणपंचतिसमाहिरलीजे त्रिकुटाहलदमंजीठमुलठी कर्कटशृंगीकरोइकठी यहसमचूर्णखावेजोय सर्वप्रकारविषमेटेसीय अन्यच वासानिंवपटोलरलाय काथकरेविधसौंजुवनाय तासकाथघृतसिद्ध-जुकीजे हरीतकीचूर्णसंजुतपीजे स्थावरजंगमविषमिटजाय ग्रंथकारमतदियोवताय अन्यच चौपै चंवेलीहलदीनाकुलीलीजे भिन्नभिन्नइन्हेकाथसुकीजे काथकाथमोघृतजुपकाय खावेअथवादेहमलाय सर्वप्रकारकीविषहोयनास वंगसेनमतकीनप्रकाश अन्यच विशालादंतीतूबीमिलाय अवरद्रवंतीता-सरलाय थोहरदुग्धजुपलपरिमान तासमोघृतजीकरेमिलान गोमूत्रपायघृतसिद्धजुकीजै मर्दनपानक-रसुनलीजे सर्वप्रकारविषऐसेजाय जैसेपवनजुधूडउडाय अन्यच गृहधूमकुलेरीमूलरलाय दुग्ध-पायघृतासिद्धकराय मर्दनपानकरेघृतसोय नाससर्वविषतातेंहोय अन्यच शिलाजितचंदनकुठतज-पत्र दालचीनीएलाकरोइकत्र श्वेतसर्षपातुलसीआनि पद्मकाष्ठगजकेसरठाने शतपुष्पाकर्कटशृंगीपा वे न्हीवेरजुलाजावंतिरलावे वंशलोचनअरपायाप्रियंगु लामज्जकपुनमेलजुहिंगु समसमचूर्णपीसवना-य वलअनुसारनिताप्रतिखाय सर्वप्रकारकोविषमिटजावे चंद्रोदयगदनामकहावें अन्यच अथमृ-त्युपाशापह घृतं ॥ चौपै ॥ हरडकुठवंशलोचनल्याय अर्कपुष्पअरकमरलाय शतावरीअरनलवेत्सम् ल महुराअरुगंधतृणसमतूल शृंगाटकपुनपायमंजीठ केसरकमलइंद्रयवईठ अवरयवाहांतासरलीजे समसमलेयहकल्ककरीजे कल्कपायघृतसिद्धकरावे दुग्धचतुर्गुणसाथपकावे खावेमर्देलेनसवार स्थावर-जंगमविषदोयटार कृत्रिमविषघृतयोगनसाय मृत्युपाशहरनामकहाय

॥ अथविषमुक्तशरीरलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ जातनतेंजविषहोवैनाश ताकेचिन्हकरोंपरकाश प्रसन्नदष्टिहोवतहैतास यथास्वभावहिंइ-स्थितभास अन्नकामनाजिसीप्रकार जैसेप्रथमहुतीमनधार तैसेतवैप्रगटहोइआवै ऐसेग्रंथनिदानवतावै समहीमूत्रजुविष्टालहिये प्रसन्नहृदयअरुवरणलयैये विषनिदानवरकीनवषान जैसेंभाष्योंग्रंथनिदान दोहा विषनिदानवरननाकियोजोहैदोयप्रकार स्थावरजंगमउभयहजानलहोमतिसार इतिविषनिदानंसमाप्तम्

॥ अथअसाध्यविषलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ जाकेतनविषप्रविसेआय चंद्रन्यासूर्यदशाय सूर्यचंद्रन्यायदशावे तासचिकित्सातज-उठजावे अरुजुदेहकंपतहैजास पुलकावलिउपजेपुनतास अरुनिजदांतनउोष्टचवावे तासचिकित्सानां-हिसुहावे अरुजिंहश्वासननासाद्वार ताकोंभीतजेवैद्यविचार सीतयुक्तजोवहुकरलावे सीतलतनतिसकों-दशावे हाथोंकरुमुखकोंजोदापित नेत्रशुक्लतावहुतिसपेषित दिनमोंसभअतिलालादिखाहें लीनप्रभानिस-मोंदर्शाहें हावेभोजनकीरुचिनास होवतयमपुरीतासानिवास ॥ अथअन्यविधिः ॥ चौपै ॥ विषसंयुक्तजे-

ऊजनहोय निद्रात्यागकरैसुनसोय दिननिद्राकोत्यागविशेष जाग्रतविषमोंहितकरलेश ॥ दोहा ॥ स्थावरजंगमजेऊविषकहीचिकित्सातास जैसेंभापीग्रंथमेतैसेंकरीप्रकाश इतिविषचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथसर्वविषरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यविषसर्वकेसुनियेपुरुषसुजान सुनसमुझोउरधारियेसोअबकरोंवषान ॥ अथपथ्यं ॥ ॥ चौपै ॥ मंत्रक्रयाअरवमनकहीजै रेचनजाग्रनयंत्रभनीजै धैरजरुधिरमोक्षइस्नान वुटणालेपनलंघनमान अग्निउष्णतैलपुनजानो घीउपुरातनषंडपछानो सठीकोद्रमकंगुणीलहिये इन्हसभकेचावलपथकहिये मुं' गयूषसंविलवृंताक दुग्धआमलेपथसुनवाक तीतरमोरहरनलवामास गोधामासपथ्यलहुतास चुक्र' चुलेरीदाडिमकहिये सैंधालवणमटरपुनलहिये विषहरऔषधिसंयुतयूष अन्नअविदाहीअराविनदूष जीवंतीमंडूकपरणिजो हरडेलसनकपिथ्यपथ्यसो गंढेहरिद्राचंदनगजकेसर पाश्चिमउत्तरपवनपथ्यधर मरचादिकतीक्षणजोवस्तु मुत्थरचूर्णस्वर्णप्रसस्तु दोहा पथ्यकहेविषसकलकेस्थावरजंगममान ताके- कहोंअपथ्यअवसुनहोपुरुषसुजान ॥ अथअपथ्यं ॥ दोहा ॥ मैथुनक्रोधअतिपवनजोभोजनविरुद्धजुषेद विषअपथ्यएतेलषोधूमधूपअरुस्वेद ॥ चौपई ॥ दिवास्वप्नमदरापुनजानो तिलकुलत्थअपथ्यपछानो उष्णकर्मकहेजोजेते विनाकीटविषजानोतेते दोहा विषप्रकारवर्ननकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिं चिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यवषान इतिविषरोगदोषपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम्

॥ अथविषरोगकर्मविपाकउपाय ॥

चौपै पूर्वजन्ममेमानुषजोई वैरभावविषदेतजुसोई अथवाजोसर्पादिकमारे तिसकोरुजविषहींविस्तारे तातेंपुरुषकरेजुउपाय अपामार्जनजपदानकराय जिसकोलूताविषप्रगटावे अपामार्जननरसोकरवावे अपामार्जनस्तोत्रसंग समूलकुशाकरेमार्जनचंग यहविधीकर्मविपाकदिखाई सोडालिखीजोग्रंथवताई

॥ अथविषरोगज्योतिष ॥

॥ चौपै ॥ भौमदशाजवकरैप्रवेश इतनेभोगेपुरुषकलेश विषव्याधिअरराजकोवंधन तीक्षणशस्त्रकरे, तिसकंदन नृपअग्नीअरचौरप्रकाश इनकरहोवतधनकोनाश अथवारिपुकोभयप्रगटात भौमदशाको, फलयहगात अन्यच भानुदशाजवप्रविशेआय एतेलक्षणयहप्रगटाय क्षतअरऔषधमार्गजोय इनक- रदुखकोभोगेसोय गिरितेंगिरनादंततेंकाटन विषहोयप्राप्तअवरदुखकानन बाहनचौरनेंद्रप्रकास इन- तेंहोवतधनकोनास ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ भानुभौमकीदशानिवारण जपपूजादानकरेजुविचारण गोधूममसूरअन्नकरदान कुसुंभेरंजितवस्त्रमहान गुडअरताम्रसुवर्णहेजोय अवरसवत्सागोसुनसोय मुक्तामाणकअवरप्रवाल यहदानकरेतवहोतनिहाल विधिवतदानकरेजुवनाय भानुभौमकीदशामिटाय अथवास्तोत्रमंत्रजपपाठ करेकरावेनहिवनेसाठ भानुभौमकीपीडाजोय इनतेंतासनिवारणहोय दोहा विषरुजसभवरननकियोकारणसहितउपाय जैसादेख्योग्रंथमैतैसादियोवताय

॥ अथसर्वविषहरमंत्रोपाय ॥

घूंटका निर्घूट निर्घूटका निरंकार निरंकारकानिरंजन निरंजनकामहांरुद्रमहांरुद्रका अन्नाधिपाल अन्नाधिपालके आदब्रह्मा आदब्रह्माके आखोंकाविषउगिकुंगितेरीभैन भनेजीगौरजांपार्वती तेरीमा तामेरेमंत्रसेंवाहरजाय अपनीभैनभनेजीकेसेजाजाय गुरुकीशक्तमेरीभक्त फुरोमंत्रा ईश्वरमहादेवकीवाचा

अन्यच धर मंत्रो धरे चरमंत्रो चरे धरत मंडल परविषा तेरी खेला चले सुरसुर हुंगी ईश्वर हजारी आख्या जाय सूर्यकी द्रोही पीछे मुडे गोरख नाथकीमुंदर चरख चुरख महाजनी पाइ पीछे मुडे तौमहेश्वर नांगाकी दुहाई सीताकेसतें लछमनके जतें रामके बाणे हनुमानके आणे उतर विषा गुरुके फुरमाने गुरुकी शक्त मेरीभक्त फुरमंत्र ईश्वरमहादेवकीवाचा अन्यच आगें रिएँ पीछे काली ईश्वर बैठे गडू ढाली गोरां बैठी दीवा बाली हौणें जाणेतौंणें जाणें इस विषेदा मंत्र कौण जाणे माई तोतला भराडी आइ माई तोतला भराडि आमदे मातामारी हक साडे त्रुठे संगुल लोहे त्रुटे हक वारें विषें त्रोडी कीती फक छोडविषा नहिके चक त्रोडां तेरेदहनें वख फुर मंत्र ईश्वर मंत्रा ईश्वर महा देवकीवाचा गुरुकीशक्त मेरी भक्त अन्यच सोधामहादेवदोभाई वीच समुंदरदेहरी छाई सहदेवामहादेव तेरा भाई कहांगया तलीपटन भेडांचारणगया गारडी महादेव लेणासदाय ससूपै नुंहें डुंबरकी भरी कटो- रा विषें पीताआयागारडी आप महादेव आमदे गारडीये मारीहक साडे त्रुटे संगुल लोहे त्रुटे ढक वारें विषें त्रोडे कीती फक छोड विषानहीकें चक त्रोडेतेरे दहने वख गुरुकी शक्तमेरीभक्तफुरमंत्र ईश्वर महादेवकीवाचा अन्यच इक विष झोलूं रते रूपेंदूजा विष झोलूं कालेरूपें इहविष काला कालविष कलूणीविष तोरणविष भोरणविष टहविष तेंटेरूविष छाडकूविष पंचपेरूविष खानानही खुलानानाही काने तुके लाना नही गारडी कंने सुनाना नहि गारडी कौन आया महादेव आया गारडी आपम- हादेव आमदे गारडीये मारी हक साडे त्रुटे संगुल लोहे त्रुटे इकवारे विषें त्रोडी कीती फक छोड विषानहींकेचख त्रोडूं तेरेदहनेवख गुरुकी शक्तमेरीभक्त फुरोमंत्र ईश्वरमहादेवतेरीवाचा अन्यच इकविष झोलूं रते रूपे दूजाविषझोलूं काले रूपे इह विषा ताभी खुलानाभी काले तुके लानाभी गारडी कंने सुनानाभी गारडी कौन आया महादेव आया गारडी आपमहादेव आमदे गारडीये मारी हक साडे त्रुटे संगुल लोहे त्रुटे ढक वारें विषं त्रोडी कीती फक छोड विषानहीं केचक त्रोडूं तेरे दहने वख गुरोंकी शक्त मेरीभक्तफुरोमंत्र ईश्वर महादेव तेरीवाचा अन्यच काठकठेरा त्रुटगया हाथकाडमरुछु टगया ससूपैनूहें डुंवर कीताभरी कटोरा विषे पीता सदो पुकारी तोतला माई पठे विष मेरोडे फंगरी थाल छड विषा सतमे पातालगुरूकी शक्तमेरी भक्त ईश्वर महादेवतेदिखाया ढोटी फिराया उतर नि गुरीयाविषागुरु ईश्वरमहादेव तेरीवाचाफुरोमंत्र अन्यच काल कंठयोगी आयानीलकंठ मौहराखाया दंदे खाया ढोटे फिराया उतर निगुरिया विषा गुरु ईश्वर महादेव गारडी समाल योगीआया जिनपढेया मंत्र सत्तमे पैताल गिडाया गुरूकी शक्त हमारी भक्त फुर मंत्र ईश्वर महादेव तेरी वाचा कालिये का लैसरिये कहां जांये मनी धारां जांदियां उत्थे जाई केकमादीयां वूटीयां खांदीयां कदेयां कालीयां का लूदीयां नीलीयां निलूधीयां तोरणीयां तें भोरणीयां ढीयां तेटोरीयां छाडकीयां तेंपच पीरेयां कियां करी पचांदेयां गारडी सदांदीयां कौन गारडी आप महादेव आया गारडी आप मदादेव आमदे गारडीये मारी हक साडे त्रुटे संगुल लोहे त्रुटे टक छोडविषानहिकें चक त्रोडूं तेरादहने वख गुरुकी शक्त मेरी भक्त फुरो मंत्रा ईश्वर महादेव तेरिवाचा अन्यच अटोरडी मटोरडी दूधभरी कटोरडो दुध गया डुली विषगयाफुली विषगया नालें नाल वजया डमरू वजया ताल विषगया मनिया धार लहोनुगरां जित नहो भटे सिंहाने दाना विषे कीलगे झाडे झमे उस विषें कीकौनथंमे खंडे मुठ कटारीयी आनी नि कल निगुरीया विषा अंगे अंगे रोमें रोमें तैसें कैसे छानी गुरूकी शक्त मेरी भक्तफुर मंत्रा इश्वर महादेवतेरीवाचा ॥ इतिस्थावरविषहरमंत्रः ॥

॥ अथअलर्कविषहरोमंत्रः ॥

कोराकुंभअमृतभरेआलेगुरोकेआगेधरेयागउरांभरे ईश्वरवाहाकुताकाटेविषझडजाइगुरू कीशक्तिमेरीभ क्तिफुरोमंत्रइश्वरमहादेवकीवाचा ॥ अथविषवंधनमंत्रः उँनमोभगवतेसुग्रीवायसकलविषोपद्रवसमना- यउग्रकालकूटविष वलनेत्रविषंवंधवंधहरहरभगवतेनीलकंठस्याज्ञास्वाहा वारत्रयमंत्रंजाप्यं ॥ १ देवा दिविषवेगमृन्मयोभवति अवश्यमेव ॥ इतिविषवंधनमंत्रः ॥ उँनमोहरहरअष्टविषंहरहर अमृतंस्नावयस्ना वय नासि अमृतंश्रावय २ रेविषनीलपर्वतंगछनास्तिविसुडंहाहा उद्धरे २ अनेनमंत्रेणमंत्रितेनोदके नमु खंताडयेत् निर्विषोभवति ॥ अन्यमंत्र ॥ उँहहाउठिरेउठिरेअनेनमंत्रेणमुखंशीतांभसिसं सिक्तंअंजलि कात्रयेणनिर्विषःसुखमाप्नुयात् ॥ अथलेपः जटाजूटवचाकुष्ठंसैंधवंमगधानिसा लेपंदंष्टव्रणेप्रोक्तंलेपनंवि षशांतये सुरसारजनीव्योषंजवानीपारिभद्रकं सर्पदंष्टव्रणेलेपंविषंहंतिसुदारुणं कुष्टमुस्तमजाजीचविडं गंमधुयष्टिकां गुंजामूलसीततोयेनलेपोमंडलिनांहितः १ राजिमंतविषास्वास्यग्रहधूमंवचाघनं सर्षपाच जवानीचपिचुमंदफलत्रयं लेपनंराजिमंतानांव्रणेतैलेनसंयुतं सटीकिराताकटुकत्रयेनेवचाविशालापिचु मंदकंच पथ्याजवानीरजनीद्वयंचदंष्ट्राव्रणेलेपमिदंप्रशस्तं स्थावरेजंगमेवापिविषजग्धंभिषग्वरः शीघ्रं छिंद्याद्यथाप्रोक्तंसनरःभववाक्भवेत् २ ॥ अथमंत्रः ॥ नमोभगवतेशिरशिशेषराय अमृतधाराधौतसकल निग्रहाय अमृतकुंभप्ररिपूरितअमृतंश्रावयश्रावयस्वाहा ॥ इतिश्रीआत्रेयभाषितेहारीतोत्तरे विषतंत्रमुपायाध्यायः ॥ उँनमःप्रचंडायपक्षिराजायविष्णुवाहनायविनतासुताय हेगरुडकाश्यपसुत २ वैनतेय २ तार्क्ष्य स्वर्णवज्र चंचुवज्र तुंडवज्रनखप्रहरणायअनंतवासुकितक्षककर्कोटकपद्म महापद्म शंखपालकुलिकजयविजय महानागकालउच्चारनीयमूषकविषप्रहरणाय हन २ धुन २ शीघ्रंकंप २ आवेशंठःठःह्रींश्रींगरुडायनमः मंत्रेणानेनमंत्रज्ञोजलंचुलुकमावकं सप्तवाराभिजप्तंतुपाययेद्धनचेतनं सर्पादिविषवेगेनसद्योनिर्विषताभवेत् त्रिवारमेनंपानीयंदातव्यंनपिवेद्यदि मुखमध्येतदासेकःकर्त्तव्यस्तज्ज लस्यहि अथवामस्तकेतस्यतर्जन्याताडयेद्बुधः त्रिवारंमंत्रपूर्वंतुनिर्विषोभवतिक्षणात् ॥

॥ अन्यप्रकारविषाधिकारकथनम् ॥

॥ विधविषनाशकविषदूरकर्नेदी ॥ चौपई ॥ विषनाशकजोविधीकहावे तरियाकनाममतफरसगावे जेकरविषखावेनरकोई मर्दनकरेगावघृतसोई फुनिघृतदूधगमंजलपावे पीवेवमनहोतविषजावे तात- कालविधऐसीहोई होएदेरआगेसुनसोई पसरजायविषकैसीजांनो पन्नामणीताहिछिनआंनो नीरधोय, पीवेनरकोई निश्चेविषनाशकहैसोई अथवाविछकलजीवमंगावे नीरधोएकरसोईखुलावे वाविछकल' कासततनिकसाय सेवनकरविषदूरहटाय

॥ विषदूरकरनीसर्पहलकवृश्चिकदी ॥

॥ चौपई ॥ संवंधजीवविषमारकजोई जांनवरांनमूनजीकहुसोई मारकलक्षणनऐसजांनो दंशस्थान- सोकृष्णपछांनो रंगविरंगशीघ्रप्रघटावे ढिलकत्तजख्मकांतिमुखजावे ॥ दोहा ॥ सर्पदंशविषसर्दहैमारक; सरदीहोय भेदसर्पकेनेकहैएकभेदसुनसोय ॥ चौपै ॥ सकंदरवादसाहजवहोई तवइकसर्पभेदसुनसोई वरमीबीचसर्पइकजांनो रहेतहांअतिकठिनपछांनो अचरजएकताहुमेहोई जोनरदेखेअंतकसोई दृष्टीकर- विषऐसीधावे जोदेखेनिश्चेमरजावे वादसाहसुनऐसीभाई गुणिजनसिगरेलिएवुलाई कहीजतनऐसाअवकी

जें सर्पमाररज्जत मुखदर्जि करसंलाहगुणिजनमनभाई ताछिनदर्पनालिश्रोमगाई जहांसर्पवरमीकेमाहीं सी
साजायधराउनताहीं दोहा सकलगुणीजनहर्षमनजाविधजतनवनाय वाहिरश्रायोसर्पजवश्रागेसीसाभाय
पडीन जरजवताहूपरश्रपनारूपपछांन मरयोश्रापनिजदृष्टिकरऐसोश्रचरजमांन चौंपई जेकरसर्पदं
शहोजावे दंशस्थानसोसीघ्रकटावे जेकरकाटसकेनाहिकोई पछमारतूंवीहितहोई श्रधिकरुधिरनि-
कसेविषजावे श्रथवाऊपरजोंकलगावे श्रथवाधाततपावेकोई देवेदाघसीघ्रसुखहोई वाडडूंइकचा
रवंधावे निश्चेविषसिगरीहटजावे दिवसतींनरक्षामनलाय भोजनतंडुलदूधखुलाय दिवसतींनानिंद्रान-
हिभावे दिनचौथेमुगीघृतखावे मांसरसाकुर्कटमनभाय दोमासेहिंगुनतक्षणखाय दूधगावघृतशीघ्र-
पिलावे निश्चेविषसिगरीहटजावे विषनाशकदूधग्रंथमतगावत दूधपांनपरविषनहिधावत तोलेसात-
लौंगमंगवावे गोघृतसंगताहिछिनखावे कसौंडीवीजसीघ्रमंगवाय तोलादूढसेरघृतखाय पिप्पला-
मूलनीररगडावे दंशस्थांनपरलेपचढावे वानिंवुरसपायघसाय श्रथवानरमूत्तरसंगलाय जोडपांच-
गिदेकतहोई सीघ्रलेपकरविषहरसोई पुटकंडावीजपीसकरल्यावे दंशस्थांनपरसीघ्रलगावे फूक-
मारकछुनासिकपाय विषमूरछाताहीछिनजाय श्रौरमंत्रनानाविधहोई करेतंत्रविषनासेसोई

॥ उपायविचुंका ॥

॥ चौपई ॥ वृश्चिककजदुमनामाकहिए श्रधिकभेदकछुश्रतनलहिए केतेजतनसाध्यपहचान-
केतेवृश्चकमारकमांन मारकछोटाभेदपछांनो श्रागेविधिवतलक्षणमांनो पुरुषएकवनभीतरगयो
तहांश्रचंभेदेषतभयो वनउपलाइकपाथीहोई निकसतधूंमताहुतेसोई देखदेखमनश्रचरजलावे
श्रग्नीविनाधूंमलखपावे लेकरलाठीश्रचरजपेख्यो वनउपलाउलटाकरदेख्यो नीचेलखवृश्चि
कइकसोई हरारंगश्रतिछोटाहोई वृश्चकतेजधूंमलखपावे देखदेखमनश्रचरजलावे करलाठजिवश्रागे,
कीनी माराडंगचूरकरदीनी देखतहींमनश्रचरजहोई कहेएकनादूसरकोई तहांजतनकरपाछेधायो नग्रवी.
चउनप्रघटसुनायो चलोसंगवृश्चकलखसोई निकसतधूंमतेजश्रतिहोई सभसुनलोकवेगउठधाए करला!
ठीधरशस्त्रशुभाए जायतहांलखलाठीलावे मारेडंगचूरहोजावे सभनरदेखश्रचंभेहोई कियोयतन,
तवमारयोसोई छोटिकिसमतेजश्रतिजांन्यो ऐसावृश्चकमारकमांन्यो वृश्चकसर्पयतनइकहोई रहेदूर.
संसानाहिकोई वृश्चकदंशखेदश्रतिजांनो करेयतनदुखदूरपछांनो मूलीपत्रसीघ्रमंगवावे नुगदाकरउ,
परवंधवावे वृश्चकपीडसीघ्रहरलीजें प्रथमपरीक्षाजाविधकीजें वृश्चकएकपकडकरल्यावे मूलीपत्र.
रसऊपरपावे देखतहीवृश्चकमरजाय क्योंनहिनुगदापीडहटाय मूलीपत्ररसहाथलगावे पकडेवृश्च
कदंशनलावे वृश्चकदंशसोजजवजांनो होवेखाजतापसंगमांनो जिव्हास्थूलकृष्णमुखहोई ताहियतनऐ
सासुनसोई पछमारकरतूंवीलावे रुधिरनिकालशीघ्रसुखपावे मूलीथोंमजाहिघरहोई वस्त्रांगगुलाहिंगु
सोई जोनरनिजघरमांहिरखावे निश्चविषधरजीवनसावे श्रौरमंत्रविधतंत्रश्रपार करेशीघ्रदुखवृश्चकटार
उपकल्याविषंहंति वृश्चकस्यप्रलेपतः कार्पासरससंपिष्टं शिरीषफलमुत्तमं-

॥ उपायहलकाएकुत्तेका ॥

चौपई हलकरोगविषनिश्चजांनो मारकहोतयतनवहुमांनो हलकसंगश्वांनजवहोई श्रागेलक्षणसुनिऐसोई
श्रधिकनीरलखश्रतिभयपावे श्रथवानीरसंगमरजावे श्रौरश्वांनलखभागतसोई हमलाकरउनऊपरहोई

मालकजोपालेमनभाय काटनहितताहूपरधाय कमलापनऐसाप्रघटावे विनमारिसुखकवहुंनपावे जवका छेतवविषप्रघटाय छेइमासलगअतिभयदाय छेइमासरक्षामनलावे कूपनीरहितउौरनभावे कदाचितनिजशिरधोवेनाही मिठेआईतैलनसेवेताही कस्तूरीप्रतिदिनताहिखुलावे पछमारकरतूंवीलावे ॥ दोहा ॥ जाविधरुधिरनिकालके ताहीछिनसुखहोय वासीरुधिरनिकालफुनिदिवसतीसरेसोय रहेयक्ष्मछेमासलगदूरकरेनहिकोय यतनलिखासोकीजिएयक्ष्मदूरनाहिहोय लूणथोमलेपीसिएऊपरलेपचढाय रहेयक्ष्मछेमासलगाविषव्याधीमिटजाय ॥ चौपई ॥ सिरकाहालमवीजमंगावे भलावा सज्जीसंगरलावे पीसलेपनरकरेजोकोई रहेयक्ष्मथिरदूरनहोई वरोजाहिंगूदोइमिलाय करेलेपथिरयक्ष्मरखाय एकतंत्रमतऐसाजांनो तवतकविषकाअसरनमांनो जवतकश्वांननीरविनहोई तवतकविषकाअसरनकोई श्वांनमारकरऐसाकीजें मृतकपात्रसुंदरइकलीजें श्वांनवीचधरयुक्तिवनाय करेवंदमुखदेहुदवाय जाप्रकारजललागेनाही लागेजलविषउपजतताही जवकाटेतवऐसाभावे गावदूधघृतशीघ्रमंगावे घतूरेकारससंगमिलाय कंदहोएवामिशरीपाय शीघ्रपांनकरविषनहिधावे इलकटूरनिश्चेसुखपावे वाघवघेरासिंहजोहोई काटेकठिनमानविषसोई ग्राहकलेपशीघ्रकरवावे सिरकालूंणतींनदिनलावे तौफुनिकिक्काछिलकाल्याय करेकाथधोवेविषजाय ऊपरमल्हमलेपचढावे करेयतनरक्षामनलावे ॥ दोहा ॥ यक्ष्मवांधकरराखिएमतनंगारहजाय चूहासुंहेयक्ष्मजवतवरोगीमरजाय ॥ चौपई ॥ दंतहोतविषचूहेमाही करेयतनहटजावेताही सर्षपतैलताहिमंगवावे पलासवीजघुतलेपचढावे अथवाकुठलेपचढवाय आखूविषनिश्चेहटजाय निंवपत्रहलदीमंगवावे नागरमोथाकुठलावे मर्चलूणताहीसंगपाय लेसमचूरनपीसवनाय मासेसातमधूयुतखावे आखुविषनिश्चेहटजावे कंनखजूराकाटेजवहीं वछुआइनखावेतवहीं भूंडआदिजवकाटेजाको थोंमपीसकरमर्दनताको वालसिंह केखावेकोई आगेलक्षणसुनिएसोई नाभीतलेपीडप्रगटाय खिचहिऐकाटदुखदाय छोटेछिद्रगुदाप्रघटावे श्यांमरुधिरअतिवाहिरआवे कदलीरसनिकालकरकोई धोवेगुदाशौचफुनिहोई अथवाझींगरमछील्यावे सावतगुडलपेटकरखावे कसौंडोजढसठीसंगपाय लेसमचूरनप्रतिदिनखाय ढुंवेकाफिफरामंगवावे वांध सूत्रसंगताहिखुलावे घडीएकविधपाछेहोई खेंचसुत्रकरवाहिरसोई सिंहवाललेवाहिरआवे जाविधयतनकरे सुखपावे मोंमतीनमासेंमंगवाय निगलेफुनिजुलावकरवाय सिंहवाललेवाहिरआवे जाप्रकारसुखनिश्चेपावे

॥ विधविषधरछोटेजीवदूरकरनेकी ॥

॥ चौपै ॥ विषधरजीवदूरविधहोई कुशतनजांनवरांनमूजीकहुसोई प्रथमसिंहदुखदायकभावे जाप्रकारमारेसुखपावे सिंहमारमारेकछुखावे कछुराखेफुनिप्रातहिआवे तहांजायविधकरेजोकोई कुचलेपीतरलावेसोई तौफुनिसिंहमांससोखावे पहरवादनिश्चेमरजावे हिंसकऔरजीवजोकोई जाप्रकारमारेसुखहोई मूसादूरकरनाविधजांनो कुशतनमूसांननामपछांनो संखिआघोलनीरमेराखे मूसामेरनीरजवचाखे चवेकीजढघोलरखावे करेपांनमूसामरजावे अथवामूसापकडेकोई काटेपुछकर्नफुनिदोई छोडेताहिगेहजवजावे देषतहींमूसेउठधावे पिसूंदूरकर्नविधहोई आगेयतनसुनोअवसोई पंछीकाफुनिरुधिरमंगावे पात्रवीचघरमाहिरखावे पिसुंसकलताहिपरआय मरेआपदुख निश्चेजाय अथवाजीराधुमधूंखावे पिसुंसीघ्रस्थानतजधावे इतिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाश भाषायां विषाऽधिकारकथननाम अष्टपंचासत्तमो ऽधिकारः ॥ ५८ ॥

॥ अथसंसारकरोगवर्ननं ॥

॥ दोहा ॥ श्रीरघुवरहनुमानकेचरणकमलउरधार चिकित्सारुजसंसारकीसुनहोकरोंउचार ॥ दोहा ॥ सहिनिदांनवर्णनकरोचिकित्सारुजसंसार कहोंकृपारघुवीरतेंयाहीतेंउद्धार ॥ चौपै ॥ हारिमायाकृतरुजसंसार तातेंकठिनलख्योउद्धार विनहरिसंतजीवजगजेते संसाररोगमेंरोगीतिते महा रोगदारुणसंसार जामोंजन्ममरणवहुवार अथनिदानं दोहा ॥ तासनिदानवषानहोंसोइअनेकप्रकार ताहूतेंसंक्षेपकरसुनहोकरोंउचार ॥ चौपै ॥ कर्मशुभाशुभतासनिदान कर्मअकर्मकरेपरमांन तिनहूं. कर्मनेकअनुसार ऊचनीचलखयोनिअपार सकामकर्मशुभस्वर्गसिधावै पापकर्मकरनर्कदिखावै देव-असुरनरातेर्यगदेह वहुवारधरैसंसृतरुजएह पथ्यधरैसोमुक्ताहोय करैकुपथसंसृतवहैसोय इकसंसार-रोगजुअसाध्य पुनकरैकुपथवहुउठैउपाध्य हरिभजनविनांनहिमिटसंसार यहनिजमनमोंनिश्चयधार-इतिनिदानम्

॥ अथअपथ्यनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ कह्योनिदानवनायकेजातेंभवप्रगटाय तासअपथ्यवषानहोंजातेंसोअधिकाय ॥ चौपै ॥ हरीनिवेदितविनजोषावै सोऊमहाअपथ्यकहावै भक्ष्याभक्ष्यविचारविनाऊं पावैसोभिअपथ्यलषाऊं दूसरकेविनादियेंजोषाय सोभिअपथ्यमहादुःखदाय कामक्रोधलोभहंकार अरुमोहादिअपथ्यनिहार विषयसुखनमोजोअनुराग सोभिअपथ्यजानउठभाग पुण्यत्यागपापवहुकरै शुभकर्मविनाइछामनधरै दंभसहितकछुपुण्यकमावै पुनानिजपुण्यस्वामुखतेंगावै महाअपथीताकोंजान कवीनभवरुजतेंकल्यान मानुष्यजन्मदुर्लभस्संसार वहुरणआवैवारंवार सुखनिमित्तवहुपापकमावै लोकअयशपरलोकनसावै मातुपितागुरुसेवनकरै वडयनमोंआदरनहिधरै विप्रनकोकरहैअपमान किसूनजानेआपसमान धन. ऐस्वर्यमदमातारहै अवरनकोंत्रिणसमजगलहै पापकर्मकरभोगैंभोग मदसोंलहैनयोगअयोग युवा-मदहिंवहुकामविकार गम्यागम्यतियनाहिविचार जिव्हारसवहुजीवनमारै अपनोमरणोनाहिविचारै-यमपुरकोजाकोंनाहिंत्रास महाअपथीजानोतास चौरीकरवहुधनलेआवै धनरहिजाययमपुरीसिधावै असअपथ्यकरभोगैंभोग वहुवधजावैसंसृतरोग इत्यादिअपथ्यजुकरतारहै रोगवधैदुखदारुणदहै व. डोअपथ्यकुसंगपछान जतेंकवूनहोईकल्यान ॥ दोहा ॥ रुजमोंजेऊअपत्थहेकरैंउपद्रवआय तज-अपथ्याजेपथरहैतिंहाढिगरोगनजाय इतिअपथ्यं

॥ अथउपद्रवनिरूपणं ॥

॥ चौपै रोगीजिऊकुपत्थीकहिये उपद्रवताहिउपजवहुलहिये अध्यातमआदितीनजोताप सोऊवि-ष्मज्वरफलनिजपाप परद्रोहछर्दत्रिष्णाअतिसार मूर्छामायामोहनिहार अहंममकहैजुवारंवार श्वा-सकासहिकासुविचार चिंताशोकसन्निपातपछान व्यर्थवकेप्रलापसोमान हरिसिमरणश्रद्धानहिंकीजै सोऊअरुचमंदाग्निभनीजै सीसानिवैनाहिंकाहूजास सोशिरपीडालपियेतास कविचेतनकाविजडअज्ञा-न सोऊसंग्रहणीपहिचान परइस्त्रीलंपटजोलहिये पथरीअर्शकृछ्रसोकहिये वहुइस्त्रीरमैतृप्तनहिंमानै-ताहूकोंपरमेहीजानै परऐश्वर्यदेषजोजरै सोविसूचिकादुखलषपरै दूसरदेषआपचितदहै उदरशूलताही कोलहै हरिजपपाठनाहिमुखजोय परनिंदकमुखरोगीसोय हरिगुणजन्मकर्मकीकथा सुनेनअ-

व्रणरोगसोयथा अरुपरनिंदासुनेदेकान करणकीटसोलषेमहान पापकरैपुनअैसेकहै जोनकरों जगनाकनरहै सोऊनासारोगपछान गलितनासकापीनसजान हरिहरसंतदर्शनाहिंकरैं नेत्ररुजी अंधालषपरे अरुपरतियपराछिद्रजुदेषै महाअंधसोसभकेलेषै परगुणकोअवगुणकरमाने निजअव-गुणकोंगुणपहिचाने सोऊगलितकुष्टपहिचान परतियरातिसितकुष्टप्रमान निरलज्याहिंसारतिजेऊ. वडहंकारसहितहैतेऊ आपहिंआपवडोकरमानै अवरनकोंत्रिणसमकरजानै दयाहीनसोमानासि-रोग अस्योरहैनहिसलाघायोग श्रद्धारहितकविदानजुकरै अतिथपूजानांहिअनुसरै अरुहारिगुरुपूजानाहिं-जास हस्तरुजीटूंडोलषतास जिहकुतघ्नताउरप्रगटान राजयाक्ष्मिसोरोगीजान हारिकीर्तिविनास्वरभं गीकाहिये कटुवोलैगुंगासोलहिये सभसोंझूठवकैदिनरेन झूठकहेविनउपजनचैन सत्यवचनको-नाहिनलेश सोजिव्हरुजीअपयशकरैदेश पादनकरहरितीर्थनजावे पापकर्मकोंनितउठधावै ताकों पंगुरुजीपहिचानो ईर्षाकंडूददरीमानो वहुयोनिभ्रमणअरुनर्कनिवास तौफुनिक्षुद्ररोगलषतास सुखी. दुखीवहजीवलषावैं सोवहुरोगग्रस्तकहावैं संसृतरुजकेवहुतविकार कहिलगवरनोंलहोंनपार याहीतें संक्षेपवषाने हरिसेवायुततिनरुजजाने ॥ दोहा भवरोगउपद्रवयहकहेअवरहुंनेकप्रकार यहनिश्चामनकीजि येहोंहिअपथअनुसार इतिउपद्रवं

॥ अथअसाध्यलक्षणं ॥

॥ दोहा ॥ भवरुजतीनप्रकारहैजानोवडीउपाध्य असाध्यकष्टकरसाध्यहैपुनजानोसुखसाध्य ॥ चौपई ॥ निशदिनपापकर्मजेकरैं हिंसाजीवनकीअनुसरैं नास्तिकवुद्धिकहाभगवान स्वर्गन-र्ककिनदेष्योजान परधनपरदारारतिजोय विश्वासघातिव्यसनीपुनसोय असेलोभमोहमोंरहै सतसं-गतस्वपनेनहिंगहैं सतसंगहुतेइहभांतडराहैं ज्योंकाकधनुषनिरषतउडजाहै हरिकेगुणजोकवूनगावैं' ज़ोगावैंतिहहास्यकरावैं अैसेचिन्हअसाध्यनिहार अवरहुंसुनोकरोंउच्चार वेस्यारतिवहुमदरापान अैस. नकोंअसाध्यलषमान परकार्यमोंविघ्नउपावैं उशेसपंज्योंस्वार्थनपावैं हरिगुरुविमुखअशुचअज्ञान विप्रद्रोहिगुरुद्रोहीजान स्नानदानविनसहितविकार नीचनसंगभ्रष्टआचार ॥ दोहा ॥ असाध्यचिन्ह' वरननकरैनांहितासउपचार कष्टसाध्यआगेकहौंसुनलीजेंचितधार ॥ इतिअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ अथकष्टसाध्यलक्षणानिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ वरणाश्रमधर्मनमोंदृढचित्त नित्यनैमित्यकर्मसोंहित्त व्रततपतीर्थअवरवहुदान विप्रभक्तसभ. केदेमान होइनिहकामकर्मशुभकर जीवदयापवित्रताधरैं इष्टापूर्तयज्ञवहुश्राद्ध व्रतकृच्छादिहरनभ, वव्याध वेदाध्ययनजुपरउपकार सुररिषिपित्रयजनआचार कोमलचित्तदयाउरधरैं हितकरिसत्यप्रिय, वचनउच्चरैं स्नानादिनित्यकर्मअनुसार भगवतासिमरनवारंवार शीतलस्वभावब्रह्मचर्यराषै सत्यकहैं, मुखझूठनभाषैं देनकहैंमुखतेकछुजोय सत्तप्रतिज्ञाराषैंसोय अतिथीपूजैंमनचितलाय हरिकोभजन' करैंसुखदाय इत्यादिकशुभकर्मकमाहैं हरिअर्पणकरफलनहिचाहैं कष्टसाध्ययहलक्षणजान वहुका, लहुतैंहोइसंसृतहान ॥ इतिकष्टसाध्यलक्षणम् ॥

॥ अथसुखसाध्यलक्षणानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ चिन्हकहौंसुखसाध्यकेमनमौंसमुझविचार श्रीरघुवरशरणोरहैसोसुखसाध्यनिहार ॥ चौपई ॥ हरिकीभक्तिमुख्यहैजिन्हको नित्यानित्यविचारजुतिन्हको सत्यव्रतप्रियमूखमभाषैं रागद्वेष विनमनशुचिराषैं परमेश्वरमौंसत्यप्रतीत लग्योरहैहरिवरणनचीत जलमृतकाकरतनशुचराषैं अहंता-ममतामनतैंनाषैं दशापरमहंसनकीगहैं मौनविनांहरिनामनकहैं ब्रह्मादिकसुखअरुत्रिणपर्यंत चेष्टाकाकवततजैंसुसंत अैसोतीव्रधरैंवैराग निशदिनब्रह्ममांहिलयलाग सकलजगतमौंब्रह्मपछानै आपदूसरे भेदनठानै शीतलउष्णसुखदुखसमजानत मानअपमाननांहिंमनआनत लाभहानसममनमौंधारैं श्वासश्वासप्रतिरांमउचारैं निशदिनहरिचरणनमौंग्यान जगतनलषैंलषैंभगवान मनकीवृत्तब्रह्मलयलीन जगतस्वप्नभ्रममिथ्याचीन विषयसुखनमौंतीव्रवैराग श्रीरघुवरचरणकमलअनुराग यहलक्षणसुखसा, ध्यवषानै संसृतरुजनाशनपहिचानै ॥ दोहा ॥ असलक्षणसुखसाध्यहैंजामौंकछुनविकार आगैंहीरुज, मुक्तहैकाहिनमात्रउपचार ॥ इतिसुखसाध्यलक्षणम् ॥ संसाररोगोपाय

॥ दोहा ॥ कहौंचिकित्सातासकीसुनलीजैचितधार जातैंसंसृतरोगतैंजीवहोतउद्धार ॥ चौपई ॥ वडदारुणसंसृतरुजजोय विनहरिभक्तिउपायनकोय नवधाप्रेमापराजुतीन शास्त्रनतैंलषलेयप्रवीन सदारैहमनब्रह्मविचार इतनोपरमजानउपचार तदपिचिकित्साकोपरकार भाषसुनावौंकराविस्तार वैद्यअवरऔषदसभगाऊं पथ्यगायविनरोगलषाऊं ॥ अथचिकित्साउदाहरणं ॥ चौपै ॥ ॥ वैद्यश्रीनारायणआप जासकृपामिटसंसृतताप औषदजानोहरिकोनाम अनूपानध्यानअ-भिराम हरिगुरुपूजनकोपरकार करैसनेमप्रेमउरधार सोपूजनऔषदवैद्यप्रतीत जानलहोअप-नेमनमीत हरिचरचासंतनकेसाथ श्रेष्टरोगहरतासोकाथ हरिकेजन्मकर्मगुणगावन सोचूर्णअ-मृतसमपावन संतटाहिलजोरहितविषाद सोअविलेहपरमजिहस्वाद गुरुकोमंत्रजपैनितजाप सोगुटकेमोदकहरताप हरिकीकथाश्रवणकोभ्यास औषधसेवनजानोतास दयानम्रताशीलस्वभाय रुज नाशनमर्दनसुखदाय दर्शनहरिहरिसंतनजोय रुजनाशनअंजनलषसोय परात्रियदेषैमातुसमान यहभीहित करअजनजान दयादृष्टिजोसभपरराषै यहभीश्रेष्ठअंजनश्रुतिभाषै हरिप्रसादतुलसीअरुफूल नसवारजान सोहरभवशूल गोपिचंदनहरिचंदनजेते रोगहरनलेपनजानोतेते हरिसंतविप्रगुरुचरणनधूर सोधूडाअ, घभवरुजदूर एकादशीआदिव्रतजेते लंघनइसरुजकेलषतेते धीर्यधर्मसत्यसंतोष वहलंघनरुजतैंक रैंमोष गंगाजलचरणामृतहरिजो पक्वतोयहरतारोगाहिंसो वरणाश्रमधर्मकर्मजोकहे सोऊसहायकरोगीलहे कामादिकजोदेहिविकार सोरुधमोक्षरुजहरसंसार विषयतजनरेचनसुउपाय रोगघटनलागेइं हभाय अवरहुंऔषधजातसुनीजै जाहूंतैंअसाध्यरुजच्छीजै जपनेमादियोगअष्टांग सोऊज्वरांकुशभ वरुजभंग सदाकरैसंतनकोसंग भवरुजहरनजानसोवंग सभकेहृदयलषैपरमेश्वर भवरुजहरनसोऊता मेस्वर परस्वारथहितदेयजुप्राण सोअभरकहरतालपछान ब्रह्मसत्यजगसकलअसार रोगहरनसोलोहासा र रूपचतुंभुजसर्वांनिहार सोऊरूपरसहरसंसार हरिसेवेउरधरएकांक संसाररोगहरयाहीमृगांक वेदांत श्रवणमननिश्चाभ्यास सोपारदहरभवरुजत्रास इन्हतैंऔषदएकजुगहै संसाररोगमूलसौंदहै ॥ दोहा ॥ भवरोगचिकित्सायहकहापिरमश्रेष्ठलषतास यातैंआगैंअवसुनोपथ्यकरोपरकाश इतिभवरोगीचकित्सा

॥ अथपथ्यानिरूपणम् ॥

॥ चौपै ॥ यज्ञानिवेदितहरिजलअन्न सोऊपथ्यश्रेष्ठकरमन्न अरुहरिदासनकोंभुगतावे अतिश्रेष्ठ पथ्यसोऊलषपावै निजइंद्रयजातेंप्रवलनहोंहि मिताहारशुचसात्वकजोंहि दशइंद्रीचितमनवुधप्राण य हवसकरणेपथ्यपछाण इतिपथ्यं

॥ अथआरोग्यतानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ औषदकहीसपथ्ययहहरनरोंगसंसार यहउरधरैकृपाप्रभूसोहोइराहितविकार ॥ चौपै ॥ हिरकोभकिवृद्धअनुरागी सोअरोग्नतातनमोंजागी श्रद्धाक्षुधाप्रवलहोइआई हरिभजनदेहचेष्ठासुसुहाई

मलिनवासनाकृशतागई देहपुष्ठताकीचंछई नित्यानित्यविवेकविचार सोमलप्रगटयोदेहमंझार तीर्था टनरोगांतस्नान ज्ञानउपदेसकरेंसोउदांन अरुशांतिसरोवरकरैंजुस्नान संसारमिट्योसुखसिंधुरूमान ब्रह्म जीवकोभेदामिटायो ब्रह्मानंदपरमपदपायो जगधरहरिदासनकोदास करैप्रार्थनाहरिगुरुपास संसृत रोगमोहनिरवारो श्रीरघुवरचरणनाचित्तधारो ॥ दोहा ॥ संसृतरोगनिवारणेकहयोजुज्ञानउपाय यहउ पायजवहीवनैवैद्यमिलैहरिआये इतिमहारोगसंसारचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथपुरुषखांडत्वनिदानवरननं ॥

॥ दोहा ॥ खांडनिदानवरननकरोंग्रंथनकेअनुसार जिन्हकरहोवतपुरुषकोंकरोंजुतासउचार पुरुष- भावजिसपुरुषकोहोवतनाहितनमाहि इस्त्रीकामनहरनकोहोतसमर्थनताहि नहिसुषहोवततासको- वालकउपजनजास पुत्रवानकोदेषकरउपजितलज्जातास कामहीननरजानकेकौतियाकरेनाविहार- अवरविवाहिकनारिजोत्यागेतासविचार पुरुषनपुंसकदेषकेहांसीकरेसभलोग तासचिकित्स- कहितहोदेखग्रंथशुभयोग प्रथमनिदानवषानकेपाछेलक्षणजास तापाछैसभयोगहितकरोंजुतास- प्रकास अथखांडत्वहेतुमाह ॥ चौपई ॥ वातपितकफरक्तजुचार दुष्टहोएकरैवीर्यविकार मन वातिकशोकादिकजोय अथवाऊोरजुक्षयतेंहोय वीर्यक्षयतेंभीतिसजानो पुरुषउपघातकरीपुनमानो अथवाइंद्रीरुजजिसहोई ब्रह्मचर्यवाधरिकोई इन्हकरपुरुषनपुंसकजानो मर्मछेदअरसहजपछानो अष्टादशतिसभेदविचार प्रथमसप्तसोकरोंउचार आसेक्यसुगंधिईर्षकजोय कुंभीकचतुर्थाजानोसोय एतेखांडकहेजोचार वीर्यदोषतेंदुष्टविचार एकांगममंछेदयहदोय अवरसहजइकजानोसोय सप्तभे- दयहकरेवषान आगेअवरहुंसुनोसुजान अतिव्यवायशीलनरजोय दोषदुष्टतिरुकेसभहोय शुक्रना- डिमोंधरेप्रवेश दुषितशुक्रकोकरैकलेश भिन्नभिन्नसभकरैसंचार ताहिकेलक्षणकरोंउचार

॥ अथवातजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातदुषितशुक्रजवजाने रक्तश्यामातिसवर्णपछाने सर्वअंगमरमसंधिमोंपीर वातजलक्ष- णजानोधीर

॥ अथवातजचिकित्सा ॥

चौपै वातदुष्टजिसवीरयहोय स्नेहादिकतवकरेजुसोय तीनवस्तिजोपाछेकही तवपीछेसेसभसुरदसही तीनवस्तिकेनामवखानो अनुवासननिरूहदुईजानो तीसरिउत्तरवस्तीकही सभलोकोंनेवूझीवही

॥ अथपित्तजक्लीवलक्षणम् ॥

चौपै पित्तदुष्टजववीर्यहोय रक्तनीलप्रभाजानोसोय दाहअवरउष्णादिकजेते सोसभदेहमोवर्ततेते रुधिरगंधतिसदेहतेंआवें पित्तदुष्टकेलक्षणगावें

॥ अथपित्तक्लीवचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पित्तदुष्टजिसवीरजहोय तवरेचनकरवावेसोय तीनवस्तिफुनिसोनरकरै पित्तजदोषवीर्यकोहरै

॥ अथकफजक्लीवलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कफकरदुष्टशुक्रजवजाने श्वेतरंगतिसकाजुपछाने पूतिगंधातिसदेहतेंआवे कंडूगुरुतातिसप्रवटावे

॥ अथकफजक्लीवाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कफकरदुष्टशुक्रजिसजान तिसवमनकरावैवैद्यमुजान तीनवस्तिसभकरैजुजोय रोगटरैसुषपावेसोय क्रियाविशेषकरेमतिमान सभग्रंथनमोकरीवखान वातादिकरुजकहेजुतीन तिन्हका, भेषजकह्योप्रवीन भिन्नभिन्नकरकियोवखान स्नेहादिकफुनिसभमोजान

॥ अथरक्तजक्लीवलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ रक्तदुष्टजवशुक्रहैजोय कुणपगंधातिसकोतवहोय अल्पशुक्रनाहींजानोंजिसका कुनपनामकह्योतवतिसका ॥

॥ अथरक्तजक्लीवचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ धातकीपुष्पखादिरसोजान दाडिमअर्जुनताहिमोंठान सभसमलेकरघीउपकावे-कुणपवीर्यंयुतनरसोखावे ॥

॥ कफवातजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ दूषितशुक्रजुकफअरवात ग्रंथिलनामकह्योविख्यात हिदोषवर्णपीडायुतजानो कफअरुवातकेलक्षणमानो ॥

॥ कफवातजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सटीसिद्धघृतकरेसुजान वापलाशकिक्षारसॅमान इसविधसिद्धकियाघृतखावे-ग्रंथिवीर्यंयुतनरसुषपावे ॥

॥ वातपित्तजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ वातपित्तकरदुष्टहैजोय क्षीनशुक्रतुमजानोसोय वातपित्तकावर्णहैजास वातपित्तकीपीडप्रकाश वातपित्तकीगंधजुआवै क्षीणशुक्रकेलक्षणगावे ॥

॥ अथवातापित्तजाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पूर्वदोषमेजोघृतकहे आगेमेकाहिणेजोरहे तिन्हसभकोदेवेमतिमान क्षीणवीर्यकोहोवेहान ॥

॥ अथकफपित्तजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ श्लेष्मपित्तकरदुष्टहैजोय शुक्रपूयसमजानोंसोय श्लेष्मपित्तकोपीडामानो श्लेष्मपित्तसमगंधपछानो पूयप्रक्षतिसनामकहायो योगतरंगिणीमतयहगायो ॥

॥ कफपित्तजचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ फालसेऊंरवटादिगणसिद्धाकियाघृतहोइ तिसघृतकोखावेसुमतिपूयप्रस्त्ययुतखोइ

॥ त्रिदोषजक्लीवलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ त्रिदोषदुष्टजवशुक्रपछानो मलमूत्रगंधतिसतैंजवजानो वर्णात्रिदोषत्रिदोषजपीरा नाममलाव्हयजानोधीरा ॥

॥ त्रिदोषजक्लीवचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ तीनदोषयुतवीरजजिस्को मलसमानगंधिहेतिस्को हिंगुउशीरसिद्धघृतजोई उसघृतकोपीवैनरसोई पुनिसभतीनोवस्तिकरावै ऊंौषधकरसवहींसुखपावै ॥

॥ अथमानसीक्लीवलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ शोकक्रोधअरुइस्त्रीद्वेष इनकस्मानसिक्लीवकोदेष मनउद्विग्नरहैनितजास मलिनकांततुमजानोतास

॥ मानसीक्लीवचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ दुष्टवचनअरुक्रोधतैंमनइछाकोनाश तिसनिदानविपरीतकरमनमोंहोंतहुलास दुष्टवचनटारेसभीमधुरवचनकेसाथ हावभावपुनियुक्तिसैंशुभहिसुनावैगाथ वंधुनाशधननाशतैंहोवतजोइकलीव ज्ञानलाभधनलाभतैंपुनिहोवतसंजीव नष्टकामउपजेतभीपुनिहोवतपुंभाव रमैनारिसोंवुद्धियुततवैपरमसुखपाव ॥ अन्यच ॥ दोहा ॥ ब्रह्मचर्यतैंक्लीवजोकहौंचिकित्सातास भ्रमनहजिानीता. संमोंमनमोंहोतहुलास ॥ दोहा ॥ वुटनातैलसुगंधयुतस्नानदूधघृतपान ब्रह्मवर्यसितसर्कराआसवकरैप्रधान ॥

॥ परमक्लीवलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ उष्णअमलअरलवणसुतीक्ष्ण अतिकरपुरुषकरेयहभक्षण सौम्यधातुसभक्षयहोईजात परमक्लीवतिसजानोख्यात

॥ परमक्लीवचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ जांगलमृगपंक्षिनकोमास यूषवस्त्रस्त्रक्सुंदरतास सुंदरसौधसुगंधजोधरे यथाजोगसभसेवनकरे मानसिक्लीवकिऊौषधजेती परमक्लीवमोजानोतेती ग्रंथवृद्धिभयतैंनवखानी तातैंसमझोवैद्यगयानी सोइऊौषधअरुविधिसभकरे परमक्लीवतातिसकोटरे फुनिनारीसंगरमैसुजान शास्त्रकह्योजानोमतिमान

॥ क्षयशुक्रक्लीवलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अतिव्यवायशीलनरजोय बाजीक्रियाकरेनहिकोय वीर्यक्षयतिसकासभजानो क्षयशुक्रक्लीवतिसकोजुपछानो

॥ क्षयशुक्रक्लीवचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वाजिकरनहेऊषधजेती सोसभकरेजोविधसेंतेती दुग्धांदामोदककरेवखान सोसमुझोअपनेमनस्यान

॥ आशेक्यक्लीवलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अल्पवीर्यपिताजिसहोय तिसतेंउत्पतपुरुषहेजोय आसेक्यक्लीवातिसकोतुमजानो ध्वजउछ्रयमेंसंशयमानो

॥ आशेक्यक्लीवाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्राशनशुक्रकरेनरजवहि ध्वयउछ्रायहोतजिसतवाहि अवरचिकित्सातिसनाहिजानो ग्रंथनकामतजाहिपछानो

॥ सौगंधिकक्लीवलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ दुर्गंधियोनितेंउत्पातियास सोगंधिकक्लीवनामनुमतास

॥ सौगंधिक्लीवचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ योनीशेफकोगंधजुलेवे तवकछुबलकोप्राप्तहोवे औषधिअवरतासनहिजानो ग्रंथनकोमतदेखवखानो

॥ कुंभीकक्लीवलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अज्ञानभावतेपुरुषजोहोइ इस्त्रीवतयहवर्तेसोइ मैथुनअपनगुदाकरावे कुंभीकनामतिसवैद्यसुगावे

॥कुंभीकक्लीवाचिकित्सा ॥

॥ चौपे ॥ जवनरगुदाअपनीकेमाही अवरपुरुषसंभोगकराही ध्वयउछ्रायहोततवतिसको अवरऔषधीकहिनाहेजिसको

॥ ईर्षकक्लीवलक्षणं ॥

॥ चौपे ॥ अवरपुरुषकादेषव्यवाय मैथुनकातिसउपजैचाय ईर्ष्यकनामतासकाजानो अवरदस्यतिसनामपछानो

॥ ईर्ष्यकचिकित्सा ॥

॥ चौपे ॥ अवरकामैथुनदेषेजवहि ध्वजउछ्रायहोतातिसतवहि अवरचिकित्सानाहिवखान सोस; मुझोअपनेमनस्यान

॥ अथएकांगक्लीवलक्षणं ॥

॥ चौपे ॥ यादूटूनाकरेजुनारी वीर्यबंधकरदिओजुडारी तिसनारीसंगमैथुनकरे अवरजुजायक्लीवताधरे एकांगक्लीवतिसनामकहायो योगतरंगिणीग्रंथवतायो

॥ एकांगक्लीवचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ जोनरीतिसपुरुषकोवीरजवांधैसोइ तिसनारीकेवीर्यकोछलकरिलीजैवोइ ऊँराहनीरासिरमें तिसभगराखेतास ताहिसमेतिसहोतहैकामदेवपरकास

॥ मर्मछेदक्लीवलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ शुक्रवक्षकहीनाडीजोय मर्मछेदतिसकाजवहोय अथवाशोधनपथरीकीजे क्लीवता तातेंपुरुषधरीजै करोचिकित्सानाहिप्रकाश असाध्यक्लीवतुमजानोतास

॥ महाखंडलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पूर्वपापतेंहोतहैंमहाखंडातिसनाम ग्रंथचिकित्सानाकहिनाहिजानोतिसधाम मातपिता. समयोगतेमहाखंडजोहोत तासचिकिनाकहिनाहिजानोतिसघोत ॥ दोहा ॥ मातपितासमयातुर्तेउत्छ' तिसकीजान सहजक्लीवसोजानियोमेंहनतासननमान

॥ असाध्यक्लीवनाम ॥

॥ चौपै ॥ महाखंडअरुसहजसुजान मलाम्हयमर्मछेदपुनमान असाध्यक्लीवचारसोकहे शास्त्रनकामतसोसुनलहे ॥ इतिखांडत्वनिधानम् ॥

॥ सामान्यक्लीवउपाय ॥

॥ अथपंचशायकं ॥ चौपई ॥ द्राक्षाआनेतुलाप्रमाण चारद्रोणतिसजलमोठान मंदअग्निमोंता- हिपकाय पादशेषलेवस्त्रछनाय तुलाप्रमाणगुडतिसमोपावे पुष्पधातकीप्रस्थमिलावे मृतकापातर- मोंनिसपाय भूमीगर्तमोतासदवाय श्रेष्टपाकहुआजवजाने वारुणीयंत्रमोतिसडाने सनैसनैतिसअर्कनिकारे वारुणियत्तरमोपुनधारे इसहीरीतसोलेदशवार यंत्रमध्यतिसअर्कनिकार चतुर्जातअरपायलवंग जाति फलअरकेसरसंग यथालाभयहवस्तूपावे काचपात्रमोतासधरावे यथाअग्निवलपीवेतास पथ्यखायपुनभा- तजुमास स्निग्धअन्नअरमधुरजुरूावे तबशतवर्षआयुपावे दशनारीसोंवर्तेसोय पंचशायक केगुणयहहोय ॥

॥ कामसुंदरकरमोदक ॥

॥ चौपई ॥ गुडूचीमेथीमुसलीआनो विदारिकंदशतावरीठानो त्रिसुगंधजुसेंधापायकचूर धात्री- फलअरभषडेपूर मोचरसतालमषाणापाय मघामुलठीआनरलाय जातीफलअरजातीपत्र कर्कटशृं- गी करोइकत्र गजकेसरअरुकदलीकंद कदंवजुकटफलअरुअसगंध सभसमभागजुचूर्णवनाय भाग' द्विगुणमृतअभ्रकपाय अंसचतुर्थजुसभतेंविजया सभसमपायजुशर्करासितया घृतमधुमेलजुपिंडवनावे टंकप्रमाणानिताप्रतिखावे रोगनपुंसकतामिटजाय योगतरंगिणीमतजुवताय ॥

॥ कामदेवचूर्ण ॥

॥ चौपई ॥ भषडेआनेपलपरमान क्रौंचवीजपलदोयसुजान पलइकनागवलाकोवीज अश्वगं धपलतीनसोलीज वासाअबरगुडूचीआनो चंदनरक्तमघापुनठानो गजकेसरधात्रीअवरलवंग त्रिसुगं. धआनकरपायसुचंग कर्षकर्षयहवस्तूतूल वीसकर्षलेशाल्मलीमूल कुशकाशजटालेकर्षजुसात चूर्ण.

पीसकरेसुनवात सभसमशर्करातामोपावै नित्यप्रभातयथावलखावे दुष्टशुक्रकोदेतसुधार वीर्जहानि-कोदेतजुटार मूत्रकृच्छ्रअरमूत्रजुघात मूत्रदोषहरेसुनवात शुक्रवृद्धिकरेअतितास शतनारीसोंरमेप्रकास वंध्यापुत्रजनेतिसखाय धन्वंतरियहचूर्णवताय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ उचटाचूरणकरैसुजान दुग्ध-साथनितकरेंजुपान यातेंउत्तमरोगनजानो अपनेमनमोंनिश्चयठानो ॥ अन्यच ॥ चौपई शतावरी-उचटाचूर्णकीजै तसोदकसंगताकोपीजै रोगनपुंसकतामिटजाय योगतरंगिनीमतजुवताय अन्यच ॥ चौपई ॥ वीजमर्कटीभषडेआन महीनपीसकरचूर्णठान श्वेतशर्करातामोपाय दुग्धसाथनितचू. र्णखाय दशवाररमेनरनारीसंग यहयोगनजानोतुमहिजुभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ निस्तुषमाषद्विद' लकोंआने घृतलिपायकरदुग्धमोठाने सिद्धकरेघृतशर्करापाय खावेनरवहुनारीरमाय ॥ अन्यच ॥ ॥ दोहा ॥ कंदविदारीपीसकेसुरसताहिकोपाय मधुघृतमेलचटायियेरोगनपुंसकजाय ॥ अथपूपका-॥ चौपई ॥ क्रौंचवीजलेकुडवप्रमाण चूर्णकरतिसलएसुजान अर्द्धप्रस्थतिसमुदगरलाय अर्द्धप्रस्थपुन-तिलजुमिलाय कुडवएकगोधूमजुपावे शालीतंडुलकुडवरलावे सवकाचूर्णकरेवनाय कुंडवएकघृ-ततिसमींपाय क्षीरसाथतिसगुंन्हसुलीजै घृतमोसुंदरपूपकाकीजै नित्ययथावलपूपकाखाय वृद्धपुरुष सोयुवाकहाय.

॥ अथरसालकर्णविधिः ॥

॥ चौपई ॥ अर्द्धाढकदधिसुंदरआन अम्लमधुरनहिहोईस्यान प्रस्थप्रमाणखंडतिसपावे पलजुपंचातिसक्षौद्ररलावे घृतजुपंचपलहींतुमजानो सुंठीटंकएकतुममानो एलाटंकएकपरिमान कर्षएकतिसमारिचजुठान कर्षलवंगएकतिसपावे शुक्लवस्त्रसोंतासछनावे करतलसोंपुनमंथनकरे मृतकपात्रमोंतासाहिंधरे कस्तूरीचंदनकारसडार अगुरधूपतिसदेयसुधार लेत्रिसुगंधजुअवरकपूर चूरणकरतिसमाहिजुपूर रसालासुंदरलेजुवनाई भक्षणाकरेजुमनचितलाई रचयोअपनेहितपरमेश्वर मन्मथदीपनकरैनरेस्वर कांताइवसुखकरोपियार याकेगुणयहकरेउचार

॥ अथवानरचिूरणम् ॥

॥ चौपई ॥ क्रौंचवीजशतावरीलीजैं भषडेतालमषाणादीजैं वलाअतिवलाजुमिलाय यहसभचूर्णलेजुवनाय दुग्धसाथानिशिचूर्णखावे वहुनारीनरसोइरमावे ॥ अथलेह ॥ चौपई ॥ स्वर्णमक्षीअरुगंधकआनो लोहचूर्णपुनपाराठानो हरडशिलाजितपायाविडंग लेहकरैमधुघृतकेसंग वीसदिनातकचाटेजोइ रहेनिरंतरजानोसोइ वातरोगतिसअस्सीनाशे वृद्धपुरुषकोयुवाप्रकासे रमेजोनारीवहुतिससंग यहऔषधतुमजानोचंग ॥

॥ अथसुगंधितैलं ॥

॥ चौपई ॥ मुष्ककपूरअगुरअरवोल नडीशाकलाक्षापुनतोल सटीधातुकीपुष्परलावे सप्तपर्ण. अरसरलमिलावे एलावालुकआनजुपाय अवरछलीरातासरलाय अवरलायचीकेसरमेल गोरोचनपु. नमांसीठेल दमनकमुथवरोजालीजै जातिफलकंकोलजुदीजै अजगंधाजुसुपारीपाय अवरमोडेयोंतासर. लाय रेवंदकुठउशीरलवंग जातिपुष्पअरुवालाचंग मृणालमर्कटीनखजोआने स्थौणाअरजलवत्री ठाने कर्कटशृंगीपद्मकपाय पालिकलाजावंतिरलाय गुलावपुष्पलेअवरमंजीठ यहवस्तूसभसमलेईठ-

आढकतैलइनकेजलसंग मंदअग्निसिद्धकरेअभंग ताहितैलकोंमर्दनकरे जराअवस्थापुनरुजहरे नारिनकोवहुहर्षवढावे द्युतिशुक्रयुतनरजुरहावे होवतखंडपुरुषवलवान वंध्यागर्भधरेजुसुजान कंडूश्वेदविचर्चिकाजोइ अरदुर्गंधखुर्कहरसोइ अश्विनीकुमारकियोजुवषान लोकनकेहितसोतुमजान

॥ अथअश्वगंधघृतं ॥

॥ चौपई ॥ अश्वगंधकाकल्कवनाय चतुर्गुणाअजाक्षीररलाय मंदअग्निसोंघृतजुपकावे सोघृतनित्यप्रतीनरखावेतातेंवलतिसहोतप्रकाश अतिप्रेमकरेनरनारीतास अथमहाअश्वगंधघृतं इकशतपलअसगंधकामूल शुभदिनशुभनक्षत्रमोतूल द्रोणप्रमाणजलपायपकावे अष्टभागरहेवस्त्रछनावे दोयशतपललेछागलमास शुद्धकरीयहपावेतास प्रस्थएकगोघृतहिमिलाय गोदुग्धचतुर्गुणतासरलाय काकोलीअरक्षीरकाकोली ऋषभजीवपुनसंगलेघोली ऋद्धवृद्धमहावेदजुमेद यहपावेपुनजानोभेद कौंचवीजएलाजुमुठल द्राक्षाजविनीमघांइकठ सूर्यपर्णीलेदोयामिलाय वलाविदारीकंदरलाय अवरशतावरीता, मोपावे कर्षकर्षसभवस्तुरलावे मंदअग्निसोंताहिपकाय वस्त्रछाणपुनपात्रधराय मधुशर्कराकुडवप्रमान तासमोपावेचतुरसुजान कर्षप्रमाणनिताप्रतिषावे यथेपसितभोजनपाछेपावे क्षतक्षीणशिशुवावृद्धजोहोय वाक्षीणेंद्रियमांसहेजोय वलपुष्टीहोवतशीघ्रहितास आयुवधेपुनतेजप्रकास जोखावेतिसवंध्यानारी पुत्रप्राप्तहोयतिसहिविचारी खालित्यपलितवलीजुनिवार वातव्याधिसभदेतजुटार हृदयवस्तीकेरोगहैजेते सोसभदूरकरेयहतेते जगहितजोअश्विनिकुमार महाअसगंधघृतकियोउचार ॥

॥ अथजीवंतीघृतं ॥

॥ चौपै ॥ जीवंतीअतिवलाजुलेय काकोलीद्वयजीवकदेय यहसमभागजुवस्तूपाय अष्टगुणातिसदुग्धमिलाय घृतवातैलजुसिद्धकरावे रोगनपुंसकतामिटजावे अनुवासनवस्तिक्रेरेतिससंग नस्यकर्मवापानसुचंग ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ मघाअवरलेकाकजुनासा घृतसिद्धकरेइनसंगजुखास दुग्धअष्टगुणपायपकावे पाननस्यतेंसुखउपजावे

॥ अथवानरिगुटका ॥

॥ चौपै ॥ कौंचवीजलेकुडवप्रमाण प्रस्थदुग्धमेंकरेपकान जवतकदुग्धजुगाढाहोय तवतकदुग्धमोंराखैसोय पाछेदुग्धसेंवारनिकार निस्तुषकरेजुताहिसुधार महीनपीसकरगुटिकाकरे पाछेतेंगोघृतमोधरे द्विगुणशर्कराचासउटावे तापाछैमधूमेलवनावे स्निग्धपात्रमोधरेवनाय पंचटंकनिताप्रतिखाय सुख, सोनारीसंगरमाय वाजीकरनयहदियोवताय वाजीकृतपरमौषधजान अवरजुताहिसमाननमान

॥ अथकाममर्दनोमोदकः ॥

॥ चौपै ॥ भषडेतालमपाणाआने असगंधशतावरीमुसलीठाने कौंचवीजमुलठीपाय नागवलाअतिवलारलाय समयहचूर्णकरेसुचंग दुग्धसिद्धकरेतिससंग सुंदरमावालेजुवनाय गोघृतमोतिसलेजुभुनाय मोदकमिसरीपायवनावे मोदकनित्ययथावलखावे वाजीकरणपरमतिसजान सभऔषधमोश्रेष्ठसमान

॥ अथमोदकविधिः ॥

॥ चौपै ॥ चूर्णअष्टगुणदुंधमेंपाय चूर्णसमतिसघृताहींमिलाय सभतेंदुगणीमिसरीपावे यहविधि-मोदकमेलवनावे ॥ अन्यच ॥ तालमषाणकौंचकेवीज अवरशर्करातामोदीज उष्णधारकेदुग्धसोंपाय-वृद्धपुरुषसोयुवाकहाय ॥ चौपै ॥ श्वेतपुनर्नवाकोलेमूल मर्कटीमूलसंगातिसतूल अवरजुद्राक्षासंगरलाय महींनपीसपगलेपलगाय तातेउपजेवीर्यमहान भोगकरेकलविंकसमान

॥ अथजीवंतीपंचकं ॥

॥ चौपै ॥ जीवंतीअतिवलाजोलेय मेदापुनकाकोलीदेय जीवकदेयजुसारिवादोय हरडत्रिवीपु-नमघांसमोय काकनासापुनपायकचूर स्वयंगुप्तातिसलेवेपूर सहचरसुंठीकर्कटशृंगी त्रिफलापृष्टपर्णीले; चंगी अर्जुनपिप्पलामूलरलाय पीससभीसमकल्कवनाय घृतवातैलमिलायपकावे अष्टगुणातिसदुग्ध-रलावे घृतवातैलसिद्धकरलीजे भोजनसंगरुजीकोदीजे शुक्रअग्निअरवलजुवधावे वातपित्तअरगुल्मन-सावे पानकरेवालेनसवार उर्द्धजत्रुगदसभहीटार

॥ मुलठीचूर्ण ॥

॥ चौपै ॥ मुलठीचूर्णकरेसुजान घृतक्षौद्रसाथलेकर्षसमान पाछेदुग्धपिएसुनगाथ भोगकरेदशनारि-केसाथ ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ अश्वत्थवृक्षकेफलजुमंगाय अश्वत्थवृक्षकेसुंगरलाय आम्रमूलकीत्व-चासुचंग सिद्धकरेपयतासकेसंग पानकरेनितशर्करापाय वृद्धपुरुषसोयुवाकहाय ॥ दोहा ॥ रोगनपुंस-कसोकह्योसभीभेदसंयुक्त तासचिकित्सासमुझकेकरीस्वल्पसभउक्त दोहा रसपाकरसायणजोसभीआगे करोंउचार बहुतचिकित्सातासमोसोसभलियोविचार ॥ दोहा ॥ पथ्यअपथ्यजोतासकेज्योतिषकास मुदाय अवरजुकर्मविपाकहींग्रंथमाहीसभगाय ॥ दोहा ॥ वाजीकृतजुविधानहैमैथुनकाजुविचार सोस भदेषोसमुझकेआगेकियाउचार

॥ अथइस्त्रीशुद्धार्तवलक्षणं ॥

चौपई दोषदुष्टरक्तहैजास उत्पतिसंततिहोतनतास शशारुधिरवतरंगसुजान अथवालाक्षारससमयान वस्त्रचिन्हनहिलागेजिस्का शुद्धरुधिरतुमजानोतिसका ऐसोरुधिरहोतजिसनारी धारणगर्भकरेसुविचारी

॥ अशुद्धार्तवलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ वातपितअरुश्लेष्मकरऋतुदुष्टजिसनारि पूतिगंधिफुनिपूयसममज्जासमऋतुसारि चौपइ इसविधलक्षणकहैनिदान तिसकीऔषधकरेसुजान ग्रंथमाहिसोदियोवताई सोसमुझोअपनेचितलाई

॥ अशुद्धार्तवचिकित्सा ॥

चौपै श्वेतअगरुकाकरैकुआथ अथवाचंदनरक्तकेसाथ उत्तरवस्तीकीविधिकरै दूषितऋतुमैशुद्धीधरै स्नेहादिकसभविधिजुकरावै कल्कपिचूपथ्यपानपिवावै इसप्रकारऋतुनिर्मलजान ग्रंथनमोसभकियोवषान

॥ शुद्धवीर्यलक्षणम् ॥

चौपई वलअरुवीर्यतेजप्रभाय आयुर्दीर्घजिसवृद्धिसमाय स्फटिकन्यायहोइवीर्यजास द्रावकअवरास्निग्ध प्रकाश मधुरमधूजिससुगंधीहोई शुद्धशुक्रतुमजानोसोई तैलक्षौद्रकीआभाजास शुद्धशुक्रतुमजानोतास ऐसोशुद्धशुक्रहोइजिसका उत्पतहोतपुत्रतवतिकास पूर्वकीवनामजोकहे वीर्जदोषतेजानसुलहे

॥ अथवाजीकरणविधिमाह ॥

॥ दोहा ॥ विधीजुवाजीकरणकीदेयौंतासवताय सोअपनेमनमानियोदैवोनाहिभुलाय षोडशव-र्षजुअंतरैसत्तरतैंउपरंत नारीसेवननाकरैयहजानोवर्तंत षोडशवर्षतैंऊपरैसत्तरवर्षपर्यंत पुरुषजुसेवेनारि कोविधिविधानसंयुक्त अतिव्यवायनरजोकैरैउपजैतावहुरोग शुष्करूक्षहोयकाशातिसपुनमूर्छाकायोग कृशताअवरजुपांडुताहोवततासशरीर क्षयीआदिजोरोगहैसोसभजानोधीर जोव्यवायनरनाकरेएतेरुज तिसजान मेदवृद्धिप्रमेहरुजशैथिलकोमलमान

॥ अथमैथुनविचार ॥

॥ चौपई ॥ जिसस्थानस्थितअग्नीहोय अथवानिकटजोब्राह्मणजोय नदीकूलदेवालयमाहि अवरचतुष्पथपरग्रहयाहि वनजोअवरभूमीश्मशान वर्जितएतेस्थानसुमान संक्रांतअमावसदिनमंझार मैथुनदिनकाकरैनिवार ग्रीष्मशरदजुज्वरयुतहोय व्रतसंध्याअरश्रमयुतजोय इनमोंमैथुनकरेजुनाहि-करेसुमूर्षनरजुकहाहि युवाअवस्थासंयुतजोय जरानव्यापतदेहमोसोय वलअरवर्णसंयुतनरजेऊ स्थि-रअपनाचितजानेतेऊ ताहिसमेनरकरेविहार वलकृतवाजीक्रियाविचार वलअरकामतैंसेवेनारी हिम-ऋतूमेयहविधीविचारी शिशिरऋतुमेकरेविचार दिनदिनमेनहिसेवेनार शरदवसंतऋतूजोकहि तीन-दिनामर्यादसुसहि ग्रीष्मअरवर्षाऋतमाहि पंद्रांदिनमर्यादधराहि हिमंतशिशिरऋतुकेजुमंझार यथाका-मनितसेवेनार शीतकालमोरात्रिमंझार ग्रीष्मऋतुदिनकरेविहार वसंतऋतूमेंदिनानिशिकरे वर्षाऋतू-यदवर्षापरे सरदकामयदकरैक्लेश दिनवारात्रीधरेप्रवेश संधिसमेअरपर्वकेमाहि नारीसेवनकरेजुनाहि अर्द्धरात्रदिनमध्यविचार गोसर्गकालनहिकरेविहार इनतैंभिन्नसमाजोविचारी सेवनकरेजुसुंदरनारी सुंदरदेशमनोहरजान अवरअंगनाकैजुगान गंधसुगंधमनोहरवायु ताहिदेशमेवधेजुआयु गुरुजन-कीयहांलज्जांहोय तहांविहारकरेनहिकोय लज्जाविषैजोकरैविहार ताहिकोउपजेवहुतविकार ग्लानि. अवरकंपतनधरे दुर्वलतामंदअग्नीकरे धातूइंद्रियवलक्षयहोई क्षयिवृद्धउपदंशहैजोई एतेरोगजुउपाजि त्नजान अवररोगदुर्जयजुमहान अकालमरणतिसनरकाजाने समयकालजोनाहिपछाने

॥ अथवर्जितइस्त्रीवरनणं ॥

॥ दोहरा ॥ मलिनअकामरजस्वलाअप्रियवृद्धाहोय वर्णवृद्धजोनारिहैव्याधीपीडतजोय ॥ हीनांगीअरुगर्भणीवैरीनारसुजान होवतयोनीरोगाजिसनारीत्यागनमान गुरुपत्नीशन्याशिनी-अपनेगोत्रकीनार इतनीनारजुत्यागिएअपगुणवहुतविचार ॥ चौपई ॥ जोसेवेजुरजस्वलानारी अपनाधर्मसुदेतविगारी आयुघटेहोयतेजकीहान गमनरजस्वलायहगुणमान गुरुपत्नीसंन्यासनीजान अवरस्वगोत्रानारीमान अवरजुवृद्धानारीजोय पर्वकालसमासंधीहोय इनमोंगमनकरेनरजोऊ जीवत-क्षयनुमजानोंसोऊ गमनकरेजुगर्भणीनार उदरपीडतिसनारिविचार गमनकरेजुव्याधितननारी वलक्ष-यहोनजुदेषविचारी हीनांगीअरुमलिनजुहोय अवरद्वेषनीनारहैजोय इनमोंगमनकरेजोजाहिं पर्वकाल-देवालयमांहिं शुक्रक्षीणतिसनरकाहोय अवरग्लानमनजानोसोय ॥ दोहा ॥ संधिकालअरुश्राद्धदि-नपुनसंक्रांतविचार अवरसूर्यपरकाशमोंनाहिसेवेनरनार आयुवृद्धतिसहोतहैदीजोग्रंथवताई सोअपनेम. नमानियोदेवोनाहिभुलाई नारीयोइरजस्वलादिनचौथातिसजांन सोसेवेजुनिसंगहीकछूनमानेहान

क्षुधितअवरक्षोभितजुहैतृषितालनिर्बलमान सोसेवितजवनारिकोस्थितशुक्रकोहान अवरजुदिनमध्यान्न- मेमैथुनकाकरेयोग वातकुनातिसहोतहैअवरपलीहारोग होवतमूर्छातासकोमृत्यूकरेसेचार ऐसामनमोंजा- नकेमैथुनकरेविचार अर्द्धरात्रअरुप्रातमेमैथुनकरहैजोय कुप्तहोततिसदोषहींवातपित्तसमदोय तिर्य्यगयो- नीयोकहीअवरअजोनीजान दुष्टयोनितुमजानियोमैथुनतिन्हेनमान मूढभावनरजोकरेरुजउपदंशप्रगटात सुषशुक्रक्षयहोतहैकोपकरततिसवात ॥ चौपई ॥ मूत्ररोधअरुधारेवीर्य उतानशायीकरेमैथुनधीर्य शुक्रअस्मरीतिसप्रगटात यहनिदानतुमजानोख्यात ॥ दोहा ॥ अपनाहितनरजानकेमैथुनकरेविचार जोविवायमोंनिष्टहैत्यागदियोमतिसार ॥ चौपई ॥ उपस्थितहोतशुक्रजिसनरको धारणकरेनहीतद- तिसको मोहभावतेधारेजोय एतेरोगप्रगटतिसहोय शूलकाशज्वरअवरजोरवास कृशतापांडूक्षयी- प्रकास अतिव्यवायकरेनरजोई आक्षेपादिकरुजातिसहोई अतिभोजनकरनरइकजान धीर्यरहितपुन- इकनरमान रोगयुकअंगजिसहोय तृषायुक्तपुनजानोसोय वालकअवरवृद्धनरजानो उग्रवेगयुतमरहि- पछानो यहनरग्रंथकहेसभतेते मैथुनत्यागकरेसभएते स्वस्थचित्तपुनसमाविचारी मैथुनपुरुषकरेशुभनारी शुभस्नानचंदनपुनलेपे कुसुमसुगंधिअंगमोरोपे वलकृतभोजनकरेविचार सुंदरवस्त्रअंगमोधार सुंदरभे- षअलंकृतहोय तांबूलपानमुखधारेसोय सुंदरसय्यालेजुवनाई सुषसंयुतितिसवैठेजाई अधिककामजं- बकरेकलेश नारीतनपरधरेप्रवेश युवाअवस्थागुणअरुरूप तुल्यशीलकुलजानोभूप अतीकामयु- तकरेजुवात भूषणवस्त्रपहिरकेगात ऐसीनारीनरहींसेवे वाजीकृतविधकरहींलेवे मनप्रसन्नअतिकाम- सुजान मनप्रसन्ननारीकामान घृतअरुक्षीरशर्कराजोय इनसंयुतकरेभोजनसोय मधुरस्निग्धजोभो- जनखावे वुटनातैलजुअंगमलावे उष्णशीतजलकरेसनान पुष्पगंधअरुभूषणमान सुंदरशय्यामु- खधरेवास तांतेहोवतकामप्रकाश यहविधसेवनकरेजुनार रोगकछूनहितासविचार ताहिसमेनरकरेजुभोग क्षीरशर्कराखायसंयोग भोगकरेपुनकरेस्नान क्षीरशर्कराकरेजुपान वाकलुभोजनसुंदरकरे मैथुनकी- लसमामनधरे शयनसमेकीसोभाजोई व्याधिनासविधऐसीहोई

॥ अथवीर्यस्तंभनं ॥

॥ चौपै ॥ श्रेष्ठअफीमलियोतुमसज्जन तिसमोंपाराकरोविमर्दन तिसमोंकनकवीजरसपावो फुनिमर्द नकारिविजयापावो सभवस्तूसमासितामिलाय घृतमधुसेंतिसवटीवनाय टंकप्रमाणवटीजवखावै दिवसरे- नमोंचैननपावे वीर्यस्तंभहुवानहिगिरे पुनिपुनिनारीपाछेफिरे अन्यच ॥ दोहा ॥ जातीफलमृतताम्र अरुफुनिकरहाटलवंग सुठकंकोलकेशरकणाहरिचंदनसभसंग अहीफेनमृतअभ्रवसभकेसमहीडार- सभीवस्तुएकत्रकरऔषधकरोसह्यार इसवटिकोभक्षणकरेनारिरमैजोकोइ इसऔषधपरभावतेंवीर्यपातन हिहोइ चौपै पोसतडोडेसुंठिआन षोडशभागक्राथकरठान गुडसंयुतनिशिपीवेजोइ तिसकावीर्यपातन हिहोइ जवषटिआईभक्षणकरे वीर्यविंदुतवतिसकापरे अन्यच दोहा पोसतडोडेएकपलसुंठीकर्पप्र माण दोपलसितामिलायकैचूर्णकरेमतिमान इसचूर्णभक्षणकरेरमैनारिसोंजोइ निश्चयवीरियथंभहुइ- सुखपावे नरसोइ अन्यच ॥ ॥ चौपै ॥ सूर्णकंदअरुअलसीमूल इनदोनोंकोकरसमतूल पानपत्र- सोंखावैजोइ निश्चयवीर्यथंभतिसहोइ ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपै ॥ सिंगरफचतुर्जाततिहिठान अरुलवंग सितचंदनआन जातीकेसरकृष्णामरच अकरकराअहिफेनसुचर्च कस्तूरीकरपूरामिलाय सभवस्तूस- मभागरलाय सभसमविजयामिसरीपावे वैरसमानगुटीजुबंधावे भोगपुरंदरगुटिकानाम योगतरंगनि

कियोवषान जोनरसेवनकरैजुइसका वलअरुमासवढावैतिसका चटकपक्षिसममैथुनकरै वीर्यस्तंभहुवानहिटरै ॥ दोहा इसऔषधपरभावतैंविकलेंद्रियनीहिहोइ वारवारमैथुनकरैचयननपावैसोइ ॥ अन्यच चौपै अहीफेनलेपलपरमान आढकदूधमोताहिपकान चतुर्जातजातिफललेय जलवत्रीजुलवंगहिदे, य त्रिकुटाअकरकराअजवान वकमकंकोलचंदनसोजान केसरकस्तूरीकरपूर इनअस्तूकाकरोजु तूर भिन्नभिन्नलेकर्षप्रमान कस्तूरीदोइमासेठान तिहिकपूरदुइमासेपावै अठपलखंडकीचासवनावै सभवस्तूकोचूरणकरे भिन्नभिन्नसभतिसमोधरे फुनिरलायमोदकवनवावै शुद्धपात्रमैताहिधरावै वहुवलकरमोदकयहजान वलअनुसारसेवैमतिमान देहपुष्टियहमोदककरै रतिमोप्रीतिवडोपुनिधरै पांडूश्वासकासक्षयजान शूलमेहअरुव्रणश्रमहान इनरोगोंकोंमोदकनासै मंदअग्निकोफुनिपरकासै अनंगमेखलामोदकनाम शिवजीकह्योपरमसुखधाम ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपै ॥ मुस्ककपूरसुहागापारद समसभलीजोमतीविशारद मुनिरसमधुसेंघर्षणकरे लिंगलेपइकपहरजुधरे लेपधोइफुनिमैथुनकरही शतअंगनासेकभीनटरही वीरजथांभेभलीप्रकार नागार्जुनयहकरयोविचार ॥ अन्यच ॥ सोरठा ॥ सितशरपुंखामूलविधिसेलीजैवैद्यवर कन्याकर्त्तितसूततिससोंवांधैकटीजुनर सुंदरि भोगैनारिवीर्यविंदुनहिगिरिसकै फुनितिसकरैतियागवीर्यगिरैततकालही ॥ अन्यच ॥ दोहा ॥ कृष्णधतूरकेवीजलैसमजातीफलतोद श्वेतकनेराकिमूलतुचअकरकराअजमोद वीर्यस्थंभतिसपुरुषकोनिश्चयहोइसुजान योगतरंगिणिवृद्धमोवृहताकियोव्याख्यान ॥ अन्यच ॥

शिवलिंगिकोवीजअरुपारदवृश्चिककंट तीनवस्तुएकत्रकरपुंगिफलमोंडंट तांवाचांदीस्वर्णत्रयइनमें लियोमढाय रतिमोराखेजीभपरतिसवीरजनहिजाय ॥ अन्यच चौपै कमलवीजमधुसाथपिसावै तिसकोलेपनाभिमोलावै लेपरहैयावतपरमान तावतवीर्यथंभहीजान लेपधोयफुनिमैथुनकरै तिसीकालतिसवीर्यपरै वीर्यकोराखसोमतिमान योगतरंगिनीकियोवषान ॥ अन्यच ॥ दोहा ॥ लाजावंतीकेमूलकोंगौकेदूधसोंपीस पादलेपजोनरकरे तिसवीरजनहिखीस अथवावकरीदूधसेंलेपकरैमतिमान वीरजत्यागैवहुतचिरग्रंथमोकियोवषान ॥ अन्यच ॥ कुसुंभवीजकेतैलकोपगलेपैजुसुजान वीजथंभतिसाचिररहैरतिमैहोयनहान ॥ अन्यच ॥ दोहा ॥ मीणकमज्जालेयकरपांदमैलेपकराय तिसवीरजाचिरथिररहैतातकालनाहिजाय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ श्वेतरंगकातालमखानो पुष्यनक्षत्रमोंतिसआनो रक्तसूत्रसेंवांधैकटिमै तिसकोवीर्यागिरैनहिझटिमै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ चिट्टातालमखाणालेहि वटवृक्षक्षीरसेपीसैत्तेहि करंजुवजिमध्यतिसकोधरे फुनितिसफलअपनेमुखकरे ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ लालरंगपुटकंडाहोई सोमवारअभिमंत्रीसोई प्रातसमैंमंगलमोपूटे कटिवांधेवीरजनहिछूटे ॥ अन्यच ॥ चौंपैं वनसूकरकोदाक्षिणदाढ सूत्रसंगतिसकटिमोठाढ फुनिनारीसोकरेजुभोग वीरजथंभकरैयहयोग ॥ दोहा कुकलेकीपुछआनकेअग्रभागतिसलेय प्रेतवस्त्रकीतंतुसंगवोष्टितकरेजुतेय छोटीअंगुलीपैरकीतासमोधारेजोय मैथुनकरेजोनारिसोंवीर्यथंभतिसहोय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ चटकपक्षिकेअंडमगाय माषनसंगतिसलेजुपिसाय महीनपीसपगलेपलगावे वीजथंभतिसकाहोइजावै जवलगभूमीपगनहिधरै तवलगवीर्यतासनहिगिरे इतिवीर्यस्थंभः ॥ अथभगसंकोचनम् ॥ दोहा ॥ मोचरसाअरुआमलेफटकाडिमहिआन सूक्ष्मपीसवटिकाकरैतिसकोभगमैठान भगसंकोचातिसहोयतवग्रंथकह्योमतजोय फुनिप, तिसोंनारिरमैवहुसुखदेवैसोय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ उत्पलऔरकमलजोलेही अजादूधसोंपीसैतेही सुं

दरातिसकीवटीवनावै तिसीवटीकोभगमैपावै नवप्रसूतजिसनारिकुंहोई पुनिकन्यासमजानोसोई अ-न्यच ॥ चौपै ॥ भांगलियेतिसपोटलिकरै तिसकोनारियोनिमेंधरै एकपहिरतिसकोपरमान कन्याकेसमतिसभगजान ॥ अन्यच ॥ दोहा ॥ जातीफलअहिफेनअरुदालहरिद्राआन तीनोंकेसमभंगलै; तिह्नडीखरखराठान तिसकीवटीवनायकरभगमैराखेजोय योगतरंगिनिमोकह्योभगसंकोचैसोइ ॥अन्य दोहा किक्करकीफालिलेयकेसूक्षमचूर्णकरेय दाडिमतुचपुनिचूर्णकरदोनोइकत्रकरेय आंडलरससेंभावनादे यघर्ममैजोम बाररतीपरमानतिसभगमैराखैसोय ॥ सोरठा ॥ दसप्रसूतजिसहोयएकपहरराखैइसे कन्यासमफुनिसोययोगतरंगिनिमोकह्यो ॥ अन्यच ॥ चौपई तिंभडीकोखरखरालेजोय उसकेजलसेंभगकोंधोय पहिलीऔषधिजोगुणकहे सोगुणसभइसमैफुनिलहे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मोचारसकोचूरणकरै तिसचूरणकोंभगमेंधरै स्वल्पकालतिसकोगुणजान भगसंकोचकह्योमतिमान ॥ अन्यच ॥ दोहा ॥ कटुतुंबीकेबीजलैसमहीलोघरठान सूक्षमचूर्णकरायकैभगलेपैतिसजान नवप्रसूतजोनारिहैकन्यासमक, रेतास योगतरंगिणीग्रंथमोऔषधकरीप्रकाश ॥ अन्यच ॥ दोहा ॥ तुंबीकेदललोध्रअरुदोनोकोसमलेय सूक्षमतिन्हकोंपीसकरभगमोलेपकरेय नवप्रसूतहुइनारिजोफुनिकन्यासमजान लेपनकेपरभावतेंग्रंथ-मोकियोवषान अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिफलाअरुधाईकेफूल जंबूतुचअवगिरीसमतूल पीसइन्हेंभगले-पैजोय फुनिकन्यासमतिसभगहोय ॥ अन्यच ॥ आमलेकीतुचकाकरंकाथ भगधोवेतिसकाथकेसाथ बृद्धनारियुवतीसमरते भगसंकोचजायनाहिंखते ॥ अन्यच ॥ दोहरा ॥ नागदमनिअसगंधअरुहलदी कुठसुआन सभवस्तूसमभागधरनीलोफरफुनिठान जलसोंपीसैसूक्ष्मकरलेपकरैभगमाहिं निश्चयभग-संकोचहुइइसमोसंसयनाहि ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ भद्देफलकारसनिकसाय तिलकौतलतसमोपाय तीसवारभगलेपुजुकरै विस्तृतभगसंकोचफुनिधरै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ देवदारुदोइहलदीलेय कमल-फूलकोकेसरदेय इन्हकोलेपकरैभगजोय परमसंकोचधरैफुनिसोय अन्यच ॥ चौपै ॥ रुंवलफलपलाश; फललेय दोनोंकोसमभागहिदेय सूक्षमचूर्णकरैतिसजोय तिलकोतेलमिलावैसोय फुनिमधुसेंतिस-मिश्रितकरै तिसकोलेपयोनिमोधरै गाढहोयजोनीतिसजान योगतरंगिनिकियोवखान ॥ अन्यच ॥ चौपई इंद्रगोपकोचूरणकरै तिसिचूर्णकोभगमैधरै हस्तिनिभगसंकुचयहजान निश्चयग्रंथकह्योपरमान अ-न्यच चीजवहोटीडडूटनांण इन्हतीनोकोसमकरआन सूक्षमचूर्णतिलतैलसुपाय तिसीतैलसेयोनिलिपाय भगसंकोचहोएतिससाथ भिन्नभिन्नफुनिकह्योजुगाथ ॥ इतिसंकोचनम् ॥

॥ अथलिंगवृद्धिकरणम् ॥

॥ दोहा ॥ लघुअरुसूक्षमालिंगतेनारीतृप्तिनपाय मनमोहर्षनहोइतिसस्थूलीकरणउपाय ॥ चौपई ॥ काहीमाटीअरुअसगंधः लोधरगजपिपलीसमसंधः इनवस्तूंसेंतेलपकाय उसितैलसेंलिंगलिपाय ॥ दोहरा ॥ लिंगस्तनफुनिकर्णभगचारोंकोवृधिजान इसीतैलकेलेपसेंग्रंथसुकियोवषान ॥ अन्यच ॥ दोहा सैंधालूणसिवालअरुकमलनिकेदलआन भल्लातकफलडारपुनिकंडयारीफलजान सभवस्तूसम भागलेसूक्ष्मचूर्णकराय महिषीकेनवनीतमोंसभहीदियोरलाय पुनिअसगंधामूलमैमाखनपावोसोइ सा तादिवसउसमैरहेतवऔषधिसिधहोइ पहिलेंमहिषिपुरीषकोलिंगउद्वर्तनजान आदरसेंफुनिलेपकरऔष धकोमतिमान ॥ चौपई ॥ खरअश्वहाथीलिंगसमान तिसनरकोलिंगलेपतेंजान जासमऔषधऔरनजानो योगतरंगिणीमताहिपछानो ॥ अन्यच ॥ दोहरा ॥ असगंधकोमूललैधतूरेरससेंपीस

माहिंधीकेनवनीतसोंफुनिहींमिलावोतीस फुनिधतूरफललेयकेतिसकेवीजनिकास तिसकेमध्यजुश्रोषधी-धरोसातादिनतास ॥ चौपई ॥ फुनिमहिषीकोगोवरलेय लिंगउद्दर्तनतिसोकरेय फुनिश्रौषधकोलेपनकरै निश्चयलिंगस्थूलताधरै भगदलनेकोहुइसमरत्थ योगतरंगिनिकह्योजुतत्थ फुनिनारीमोंरमैजुजोय हर्ष-वढावेप्रतिदिनसोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ क्षुद्रातगरपिप्पलीमर्च सैंधालूणताहिपुनिवर्च सितपुटकं-डायवतिलश्रान द्राक्षाश्वेतसर्षपाठाय अश्वगंधअरुमाषजुलेय सभीवस्तुकोंसमकरदेय सूक्षमचूर्णकरो मतिमान क्षौद्रमिलायलेपतिसजान स्तनभगकर्णलिंगहुइवृद्ध राजमार्तंडकह्योयहसिद्ध वृद्धालिंगसें-हर्षैनारि सुघडवैद्ययहकह्योविचारि अन्यच सवैया बलाअरुनागबलाफुनिकुठवचागजपिप्पलि-ताहिमोजांनो लेअसगंधकनेरपुनीसभवस्तुकोभागसमानहिंठानो लेसभवस्तुकोचूर्णकरेनवनीतमिला' यकेलिंगलिपानो सूक्षमलिंगमुहूरतएकमोंअश्वकेलिंगसमानवषानो ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ जातीरसम, नशिलकुठश्रान त्रिकुटाटंकणताहिमोठान सभीवस्तुसमभागजुलेय सूक्षमचूरणतासकरेय तिलकेतैल सुचूर्णमिलावे लेपाकियेलिंगवृद्धिसुहावे ॥ इतिवृद्धिकरणं ॥

॥ अथयोनिद्रावणं ॥

॥ दोहा ॥ जितनाचिरनरसेंप्रथमनारीद्रवनहिहोय तितनाचिरफलभोगकोनरपावेनहिंसोय इसै-हेतुमतिमाननरकामकलापरवीन यतनकरेवहुभांतिकेग्रंथनकोमतचीन ॥ चौपई ॥ मालतिसंभव-रसलैजोय भगलेपैवहुद्रवेजुसोय अथवामधुकपूरअरपारद भगमोधरैसवुद्धिविशारद मघामिरचशुं-ठीकोचूरण शाहितमिलायकरैभगपूरण प्रथमपुरुषसेंद्रवहोईसोई औषधिकोपरभावजुहोई ॥ दोहा तीनयोगइसमोंकहोभिन्नभिन्नकरजान ग्रंथवृद्धिकीभीतिसेंकियेोनवहुविख्यान अन्यच चौपई मुसककपूर खैरकथलेय शुक्तिमांसकेस्वरसमोदेय वटीवनावेचणकप्रमान एकवटीपुनिभगमैठान प्रथमपुरुषसें नारीद्रवे प्रीतिवढेसुषपावैतवे तवहिभोगफलतिसकोहोइ योगतरंगिणिमोकह्योजोइ ॥ अन्यच ॥ चौपई सेंधालूणसहितअरुफटिका इन्हसेंलिप्तलिंगहुइजिसका भोगसमैनारीतिसद्रवै संशयनहिइसमो कछुतवे ॥ अन्यच ॥ सोरठा ॥ शुद्धजुपारदलेयमालतिरससोंपीसानिस भगमोराखैतियशीघ्रनारीतिस' तेंद्रवे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ विंवाफलअरुमधुसिंधूर सभमिलायकरकेभगपूर पाहिलेपुरुषसुंनारीद्रवे हर्षवढेसुषपावैतवे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पारदटंकणमुष्ककककपूर इन्हतीनोकोसमकरतूर मधुमिलाय-लिंगलेपैजोय तियकोंरतिमोंद्रावैसोय इसहिवस्तूमोकुठामिलाय धतूरेरससेंलिंगलिपाय तिसकीमहि-माकहीअपार तियकोंद्रवितकरैवहुवार ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ टंकणलेयखरलमोधरे अगस्त्वपत्ररस-तिसमोपरे मधुघृतपायेसुमर्दितहोय लिंगलेपतियद्रावैसोय ॥ अन्यच ॥ दोहा ॥ चिंचणिफलअरु-जीर्णगुडव्योषचूर्णपुनिठान सभवस्तूसमभागलैमधुसोंकरैमिलान रात्रिनमैंलिंगलेपकरभोगकरैनरजोय प्रथमनारिद्रावितकरैआपद्रवैनहिसोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कालेमरचधतूरकेवीज पिपलिलोधरसम सभचीज सूक्षमचूर्णकरैमतिमान मधुमिलायलिंगलेपसुजान भोगसमैनाहिहरषैजोय तिसातियकोंहरषावै-सोय कामयुद्धमैकभीनहारे योगतरंगिनिग्रंथपुकारे अन्यच चौपई इंद्रवारुणीपत्रजुलेय तिन्हको-स्वरसखरलमोदेय पुनिपारदकोधरतिसमाहि रक्तकणेरकाष्ठसेताहि वारंवारविमर्दितकरे तिसकोलेप-लिंगमोधरे भोगसमैभगद्रावैसोय योगतरंगिणिकहियेसोय अन्यच पूर्वकहीवस्तुसोलेय टंकनभून-तिसीमोदेय पानपत्रपुनितिसमोडार योनिद्रावयहकह्योअपार ॥ इतियोनिद्रावनं ॥

॥ अथलिंगवृद्धयादीनांप्रयोजनमाह ॥

॥ सोरठा ॥ तिसकोविषयसमानजोनरजानैरमैतव सुषसंपदतिहिजानभिन्नभिषयमोशत्रुता चौपई मृदुअरुहृस्वलिंगजिसहोय शक्तीहीनद्रुतद्रवैजोसोय नारीकठिनरहैजिसमाहि नीचरताकिविचारिततता-हि नीचरतीउद्विग्नजुनार पुरुषसौंवैरकरेजुअपार भद्रकरनाटदेशयहवात तियनेपतिअपनोकियोघात महाराष्ट्रअरुकोशलदेश जिसतिसकोअधिकारविशेष द्राविडऔरदेशमोकही दुष्टनारिसोकीनीसही ॥ चौपई ॥ सारहीनयहजगतपछानो तिसकेवीचसारइसमानो हरिणनेत्रसमदृगजिसनार तिसकेसं-गसुखपरमअपार तुल्यापियाकेसंगजुभोग वह्लसौख्यसमवर्णयोयोग जिसकीजातिनजानैजोय नाना-भांततियाजिसहोय कामकलासेंजोनरहीन तिसनरकोपशुकेसमचीन तिसकीजातीचारप्रकार पद्मिनिचित्रिणिशंखनिनार हस्तिनिसहितचारसभमान अवक्रमसेंभिन्नलक्षणजान

॥ अथपद्मिनीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ प्रीतियुकलघुमृगसमनयना पूर्णचंद्रसममुखशुभवयना पीनऊचकुचप्रेमयहाजिसको मृदु-शिरीषसमतनफुनितिसको स्वल्पअहारकरेनितसोय कामकलामहिचातुरहोय विकसितकमलगंधजि सकाम लज्जावतिवहुमानकोधाम ॥ दोहा ॥ स्वर्णकमलसमकांतिजिससुरपूजनमोध्यान विकासितक-मलकेतुल्यमुखहंसशब्दतिसजान हंसवधूसमगमनजिससुंदरवेषसुधार मध्यतीनवलियुक्तजिसशुक्लवस्त्रमों प्यार सुंदरग्रीवसुकनासिकासभअंगसुंदरजान लक्षणपद्मिनिकेसभीग्रंथसुकियोवषान इतिपद्मनीलक्षणं ॥ ॥ चौपई कंठलगायअलिंगनकरे फुनिअंगनमोकरनखधरे गंडनितंवपृष्ठअरुपास उदरमों, नखदेकरपुनिहास अधरखंडेदांतोंसेनरवर चुंवललाटसभअंगनकरधर रोमहर्षतिसतियकोहोय प्रति-पदातिथिमोकह्योहिसोय कामसवुद्धहोयतिसनार योमतरंगिणिमोविस्तार दूजचतुर्थीपंचमीजान इ-न्हतिथिमोतिसमैथुनमान कामवोधइन्हमोतिसहोय स्वल्परीतिसेंवर्णयोसोय ग्रंथवृद्धिभयतेंनवखांनो यथावुद्धिसभहीपहछानो

॥ अथचित्रिणीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ सूक्ष्मअंगगजकेसमचले शिल्पगीतजानैसभभले चंचलनेत्रशरीरसमान नाहिवडोन-हिछोटोपछान स्वरमयूरकटिसूक्ष्मजोई पुष्टश्रोणिथलकुचाजिसहोई सूक्ष्मजंघाहोवततास मधुरगंधज-लकामप्रकास उोष्ठजासकेउन्नतवाहि वहुतप्रेमचितजानोताहि कामकोशतिसशुष्कहिजानो रोमस-हितफुनिताहिपछानो मध्यतेंकोमलअतिकरजोय वर्तुलाकारप्रफुल्लतहोय रतीसमेजलसंयुतजेऊ कामकोशविधजानोतेऊ अलकाश्यामभृंगवतजास शंखन्यायहोइग्रीवातास उपभोगमेप्रीतिअधिक-लखावे अल्परुचिरतीकामसुहावे अशक्तिवतितिसकोतुमजान चित्रणीलक्षणइसविधमान ॥ दोहा ॥ ग्रीवाप्रेमतेजासकीपकरेनरहिसुजान चुंवनअधरहितासकेकरैप्रेमअतिमान स्थाननितंवहिनखनकरलेखनकरेनरसोइ षष्टीतिथिमजाहिविधक्रीडाचित्रणीहोई ॥ चौपई ॥ अतीप्रेमकरकंठलगाय अंगुलीकरतिसनाभिलिखाय देषेउोष्ठजलसंयुतजास ग्रहणकरे-कुचयुग्माहितास ताहिसमेकरेभोगअपार वुद्धिमाननरजीतेवार अष्टमीतिथिकोविधजुवताई चित्रणीप्रेमकरेअधिकाई ॥ चौपई ॥ स्तनमध्यकरणपुनऊरूजानो मदनकोश

कक्षपृष्टपछानो अपनेहाथकरकांतहेजोय नारीकेनरमर्देसोय अंगुललीकरग्रीवापुनतास लिखनकरे-नरहोजुप्रकास मस्तकचुंवनकरहेजोय दशमीतिथिकीविधयहहोय ॥ चौपई ॥ गंडस्थलअरअधर-हिजास चुंवनतेंकरेप्रेमप्रकास कर्णअवरश्रोणीथलजोई नखप्रदानकरेइनमोसोई नेत्रपलककपोलस्थान संघर्षणकरेकुसलमहान द्वादशीकीयहविधजोवताइ चित्रणीकामनअतिहर्षाइ इतिचित्रणीचंद्रकलानिरूपणं

॥ अथशंखनीलक्षणम् ॥

॥ दोहरा ॥ शंखनीलक्षणकहितहूंअनंगनंगअनुसार यातेंतासकेजानियोभावाभावअपार चौपै दीर्घवाहुसिरकृशजिसजानो भारीदेहजुतासपछानो दीर्घपादयुगतासकेहोय स्थूलकटीपुनजानोसोय तनजोसूक्ष्महोवतजास कोपसहितपुनजानोतास क्षारविगंधजुगुह्यस्थान स्मरजलकरकछुसांद्रसुमान रोमसहितअरनिम्नहेजोय यहविधगुह्यस्थानकीहोय कुटिलदृष्टितिसकीतुमजानो सीघ्रगतीतिसगमनपछानो तप्तगात्ररहेनितजोई भोगसमेनखक्षतकरेसोंई कामातुरनितवहुतिसजानो संतोषकभीतिसनाहिपछानो भोजनवहुतनहीनितखाय नित्यरहिततिसपित्तसुभाय पुष्पमालअरवस्त्रजोलाल वहुकरेजिनकीनित्यसम्हाल दयाहीनतिसजानसुभाय निंदाचुगलीवहुतिसभाय घुरघुरकंठरूक्षस्वरजोइ शंखनीलक्षणजानोसोई पीतवर्णमनदुष्टसुजान शंखनीलक्षणकरेवखान ॥

॥ अथशंखनीचंद्रकलानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ तृतीयासप्तमीजानियोअवरचतुर्दशीजोई इनतिथिमोकरेशंखनीप्रेमअधिकसुनसोई ॥ चौपई ॥ भुजसोंदृढआलिंगनकरै तासअधरपरदंतसुधरै नखक्षतअतिभुजमूलकेमाहि करेयथेछितअतिशयताहि कुचतटमर्दनकरेजुदोई तृतीयातिथिकीयहविधहोई यहविधभोगकरेजुवि-चारी वसवर्तिहोततवशंखनीनारी ॥ दोहा ॥ वक्षकपोलगलकर्णहींअवरजुपदयुगजान नखदा-नकरेइनप्रीतियुत अवरकरेमुखपान मदनकोशअतिभोगतेंभग्नकरेनरजोइ सप्तमीतिथिमोयहविधिशं-खनीद्रावैसोई चुंवनअधरहितासके दृढयुतकरेसुजान रसधारेअतिवेगसों योनिमध्यमतिसमान लेखनकरेजुनखनकरसर्वशरीरहिजोई तिथिचतुर्दशीयाहिविधशंखनीवसतिसहोई लिखनकरेनखसाथ होशिरअरुअधरहिजास ग्रहणकरैकुचताहिकेकपोलहिचुंवततास इनतिथमोनरयाहिविधद्रवेशंखनी-नार मनोभवजागेतासकोसंशयनाहिविचार ॥ इतिशंखनीचंद्रकलानिरूपणम् ॥

॥ हस्तिनीलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ स्थूलशरीरहिजानियोपिंगलकेशपछान क्रूरचित्तवहुभोजनी लज्जारहितसुमान अंगु लीकुटलहेजासकी गौरवर्णहेजोय ऱ्हस्वचरनतिसजानियोग्रीवानिमनजुहोय हस्तीमदजलगंधहींरति-जलकतुमजान अतिशयमंदजुगामनीदुःसाध्यभोगमेमान गदगदवाणीतासकीस्थूलस्तनहेजास हस्तिनीलक्षणमानियोकहेजुग्रंथप्रकाश ॥ इतिहस्तिनीलक्षणम् ॥

॥ अथहस्तिनीचंद्रकलानिरूपणम् ॥

चोदई मदनकोशहितमर्दनकरे नाभिमूलपुनकरतिसधरे चुंवनअधरकरेपुनतास नखकरपार्श्वदेशलिखे-जास दोहरा हस्तिनीकेकुचहाथकर ढकेजुनरहिसुजान नवमीतिथिमेयाहिविधहस्तिनीद्रावसमान- ॥ चौपई ॥ चुंवनयतनकरेनरतास नखक्षतकक्षकरेजुप्रकास कामसदनमोक्रीडाधारे तिथिचतु

दर्शीविधहिंविचारे इसविधक्रीडाकरेजवकोइ हस्तिनीनारीवसतवहोइ ॥ चौपई ॥ नानाविधको-लिंगनकरे चुंवननानाविधमनधरे कक्षऊरुस्तनमंडलजास दयाहीननखक्षतकरेतास कामागारमो-सिस्तहेजोई धारणकरेजुनरविधसोई तातेंरतिजलत्यागेनार दर्शपूरणतिथविधहिविचार इसविधय-तनकरेजुसुजान हस्तिनीनारविसतुममान ॥ इतिहस्तिनीउपचार ॥

॥ अथपद्मिन्यादीनांसंतोषतिथयःकथ्यंते ॥

॥ दोहा ॥ चतुर्थीद्वितीयाप्रतिपदातिथीपंचमीजोय भोगकरेनरपद्मिनीअधिकप्रीतितिसहोय ॥ दोहा षष्टीअष्टमीद्वादशीदशमीएकपछान इनमोभोगेगेचित्रणीप्रीतिअधिकसमान ॥ दोहा ॥ तृतीयाकादशी-सप्तमीइनमोकरेविलास शंखनीकेमनहोतहेतांतेंवहुतहुलास ॥ दोहा ॥ नवमीअवरचतुर्दशीअमावश-पूर्णमाजोय इनमोभोगेहस्तिनीअधिकप्रीततिसहोय

॥ अथपद्मिन्यादीनांसाधारणचंद्रकलानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अधऊर्धभागकरनारिकेवसतकामवामंग शुक्लकृष्णपक्षजानियोतिथीनिजमकरसंग कृष्णपक्षअधजातहेशुक्लऊर्द्धगतिजात तिथींनेमतेंजानियोसोसभकरोजुख्यात ॥ चौपई ॥ प्रतिपदमेंतु-ममस्तकजानो द्वितीयामाहिंजुनेत्रपछानो तृतीयामेकरेअधरप्रवेश कपोलचतुर्थीजानोदेश पंचमि-तिथिमेकंठकेमाहिं षष्टीमेकक्षजानसुताहि सप्तमींमेतिसकुचमोजान उरथलमेतिसअष्टमिमान नव-मीमोकरेनाभीवास दशमीजानोश्रोणीतास एकादशीमेरहयोनीमाहीं जानुविषेरहेद्वादशीताही गुल्फ-त्रयोदशीमेतुमजानो पादचतुर्दशीताहिपछानो अमावसमोअंगुष्टहेजोय कामनिवासइनथलमोहोय विवराइनकादेऊवताई सोसमुझअपनेचितलाई मस्तकमोंअपनेनखधरे नेत्रकपोलकोंचुवनकरे अधरदंतकरखंडेजास कक्षकंठकरेनखक्षततास श्रोणीथलउरकुचजिसजोय दृढकरकरसोंमर्देसोय अवरनाभिपुनताहिपछान दृढकरमर्दनकरेसुजान कामकोशमेकरेचपेट तातेंउपजेवहुसुखमेट शनै-शनैनखक्षीजास मुष्टीकरकरेताडनतास जानुपदअंगुष्टहेजोई अवरगुल्फतुमजानोसोई इनमोघातनख-करेसुजान इसविधनारीवसतुममांन ॥ दोहा ॥ कृष्णपक्षकीप्रतिपदानारीमस्तककाम शुक्लपक्षकीप्रति-पदापदअंगुष्टहेधाम ॥ दोहा ॥ अधऊर्द्धगतीजोतासकीतातेंलियेविचार नहिसमुझोमनआपनेजोदेखे चक्रनिहार

कृष्णपक्ष			शुक्लपक्ष		
१	मस्तकमांग	मर्दन	१५	मांग	मर्दन
२	नेत्र	चुंवन	१४	अक्ष	चुंवन
३	अधर	खंडन	१३	अधर	खंडन
४	कपोल	चुंवन	१२	कपोल	चुंवन
५	कंठ	नखदान	११	कंठ	नखदान
६	कक्ष	नखदान	१०	कक्ष	नखदान
७	कुच	मर्दन	९	कुच	मर्दन
८	उर	मर्दन	८	उर	मर्दन
९	नाभी	मर्दन	७	नाभी	मर्दन
१०	श्रोणी	मर्दन	६	श्रोणी	मर्दन
११	योनि	चपेट	५	योनि	चपेट
१२	जानु	घातन	४	जानु	घातन
१३	गुल्फ	घातन	३	गुल्फ	घातन
१४	पद	घातन	२	पद	घातन
३०	अंगुष्ट	घातन	१	अंगुष्ट	घातन

॥ अथइस्त्रीचारभेदवर्णनम् ॥

॥ दोहा ॥ वालाएकजुकहितहेदूसरीतरुणीजान प्रौढातीसरीजानियोवृद्धाचौथीमान वालाषोडशवर्षकीतरुणीत्रिंशतहोय प्रौढावर्षपचासतकऊर्द्धजुवृद्धासोय कामकलामेंत्यागियेंवृद्धानारीजोय सुखनहिउपजेतासतेंप्राणहारितहेसोय चौपई नवीनसुरतमेवालाजोई अंधकारमोहर्षेसोई महाप्रकाशमोतरुणीनार हार्षितमनहीतासविचार अंधकारप्रकाशमोजान प्रौढाहर्षकरेजुमहान अंधकारप्रकासकेमाहि वृद्धाकामनहार्षिततािह ॥ चौपई ॥ पुष्पमालअरुपानसुपारी इनकरहर्षितवालान।री पहिरेभूषणअतिवहुजवही तरुणीकामनहर्षिततवही अतीप्रेमतेंभोगविलास प्रौढाकेमनहोतहुलास मुखतेंवातांवहुतसुनावे वृद्धाकेमनहर्षवढावे

॥ अथस्त्रीप्रकृतिलक्षणानि ॥

॥ दोहा ॥ कफप्रकृतिजोनारहैताकोश्रेष्टपछान मध्यमपित्तलाजानियोअधमवातलामान

॥ अथकफप्रकृतिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ सुंदरस्निग्धदंतनखजास लोचनकमलकेदलपरकास अतिउद्यमकरयुक्तसुभ।य प्रीतमसोंदृढयुताचितलाय शीतलकोमलतासशरीर मांसगुप्तातिसअस्थीधीर षोडशवर्षअवस्थाजैसे रहितशरीरजुताहिकोतैसे सूक्ष्मरंध्रतासकाजानो सुंदरकांतीताहिपछानो ऐसेलक्षणहोवतजास कफप्रकृतिसोनारीभास

॥ अथपित्तप्रकृतिलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ प्रकृतिपित्तजिसनारीहोय गौरवर्णतुमजानोसोय रक्तनेत्रनखरक्तपछानो क्षणप्रसन्नक्षणकुप्ताहिमानो पुष्टश्रोणीथलहोवतजास अवरपुष्टकुचजानोतास

॥ अथवातप्रकृतिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कठोरअंगहेवातलनार रूक्षकेशपुनतासविचार वहुचंचलवहुकरेजुवात भोजनवहुतनित्यसोखात कृशलोचनकृशअंगुलीजास धूसरश्यामवर्णपरकास सुरतिसमेत्रातिकाठिनहेजोइ चिरस्पर्शातिसयोनीहोई ऐसेलक्षणजासकेजानो वातलानारीताहिपछानो दोहा ॥ नारीवहुपरकारकीजानिसत्वअरदेश इनमोश्रेष्टपछानियोप्रकृतिभेदकोलेश

॥ अथनारीणांदेवसत्वादयउच्यंते ॥

चोपै नवजोसत्वकीनारीजानो विवराइनकाकहुंसोमानो देवसत्वतेंएकजुहोई गंधर्वसत्वतेंदूसरीजोई यक्षसत्वतेंतीसरीजानो नरहिंसत्वचतुर्थीमानो पिशाचसत्वकीपंचमीहोई नागसत्वतेंषष्ठीसोई काकसत्वतेंसप्तमीनार अष्टमीवानरसत्वनिहार गंधर्वसत्वतेंनवमीनारी लक्षणतिंइनलियोविचारी ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ मुखप्रसन्नजिमकमलप्रकास सोभितअंगजुसुंदरतास संतोषयुक्तरहेनितसोई सूचीकर्ममेचतुरजुहोई प्रियसंयुतनितकरेजुवात वहुधनसंयुतजानोख्यात नरनरीवहुजिसकेसंग एतेलक्षणजानअंग देवसत्वतेंनारीजान इनलक्षणतेंलियोपछान ॥ चौपई ॥ गीतवाद्यकीलीलाजोई रसिकभावतिसतेंजिसहोई अतीशांतहीजाससुभाय गंध्यमाल्यअतिप्रियजिसभाय सुंदरअंगजुकरेविलास निर्मलसुंदरवेशप्रकाश ऐसेलक्षणजासकेजानो गंधर्वसत्वतेंनारिपछानो चौपई लज्जाविनमृदुपुष्टशरीर पुष्टस्तनतिसजानोधीर चंपकगौरवर्णजिसजानो शेवासंयुतताहिपछानो वांछाभोगकरेनितजोई यक्षसत्वतेंजानोसोई चौपई अतिथीपूजनमेकरेभाव प्रीतियुक्तहेनित्यसुभाव निर्मलचित्तवृतितिसजाने नानाव्रतसोंषेदनमाने ऐसेलक्षणहोवतजास मनुष्यसत्वतेंजानप्रकाश चौपई ॥ निंदतदुष्टकर्मकरेजोई वहुभोजननितखावे सोई रुष्टदुष्टचितजानोतास नग्नगात्ररहेनितजास खहुरोकृष्णवर्णतिसजानो विकारयुक्ततिसमुखहिपछानो मलिनशरीररहेनितजोई पिशाचसत्वतेंजानोसोई चौपई व्याकुलभ्रांतचित्तरहेजास उभेश्वासवहुंजृभातास निद्रायुक्तरहेनितजोई नागसत्वतेंजानोसोई ॥ दोहा ॥ उद्वेगविफलजुकर्तहेनेत्रभ्रमावतसोई अतिक्षुधार्ततुमजानियोकाकसत्वतेंजोई ॥ चौपई ॥ अत्यंतचपलाजिसकोतुमजानो उद्भ्रांतनेत्रपुनताहिं पछानो दंतसोंदंतघसावेजोई वानरसत्वतेंजानोसोई ॥ चौपई ॥ स्वभावदुष्टतुमजिसकाजानो अप्रियवाक्यजुताहिकेमानो स्नानादिकमोनाहिकरेजुप्रीत राशभसत्वतेंजानोमीत ॥ इतिस्त्रीसत्वनिरूपणं.

॥ अथस्त्रीणांदेशधर्मकथनं ॥

॥ सवैया ॥ वेसविचित्रधरेअतिसुंदर उज्जलकर्ममेदक्षपछानो सुंदरमालधरेगलमोनखदंतजुरत्तहिनेत्रजुमानो स्थानजुहार्दिककामकेयुद्धको रूपमनोहरताहिकाजानो मध्यदेशकीउत्पतनारीकेलक्षणग्रंथहिदेषहमेजुवषानो ॥ चौपई ॥ उपभोगकलामोकरेजुप्रीत चिरसंभोगसंतोषकीरीत करघातनतेंमनतुष्टहिजास वनितामालवदेशप्रकाश नखदंतनकाजोअभिघात तांतेप्रीतीवहुजिसख्यात परिंभ-

नकीलालसाभावे बहुचुंबनतेंमनहर्षावे ऐसेलक्षणनारीजास भीलदेशकीउत्पतितास चौपई ॥ परिरं’ भणमेंचंचलजोई शीघ्रद्रवेदंतघाततेंसोई सुंदरकोमलजानशरीर रूपमनोहरमानजुधीर सुरतिसमेंअ-तिनृत्यतिजान लाटदेशातिसउत्पतिमान ॥ चौपई ॥ सुंदरकोमलजानशरीर दुराचाररतजानोधीर रती-समेंकीपीडामाने क्रीडामेंअतिचतुरपछाने लज्जाविनतिसकोतुमजानो अंगमनोहरतासकेमानो ऐसेलक्षणहोवतजास कर्णाटदेसकीउत्पतितास ॥ चौपई ॥ योनीअंत्रजिसकंडूहोय चिरकालद्रवे-भुजघाततेंसोय रतिप्रमोदमेंचतुरपछानो यहलक्षणजिसनारीकेजानो कोशलदेशकीउत्पतिमान योगतरंगिणिकरेंवषान ॥ चौपई ॥ मंदहासतेंमनोहरजोय अल्पवातकरविभ्रमहोय लज्जाविनतुमति-सकोजानो सुभावदुष्टतुमताहिपछानो विवायकलामेंचतुरहेजोई गाढप्रीतियुतजानोसोई ऐसेलक्षणहो-वतजास पाटलिदेशकिउत्पतितास नानावेषकरेंनिजजोइ तासहर्षतेंरसिकजुहोई एतेलक्षणजिसकेजानो महराष्ट्रदेशकीउत्पतिमानो ॥ सवैया ॥ कोमलपुष्पजुन्यायशरीराहिनुंवनलिंगनयुक्तहिजानो बहुतरभाव धरेनिताहिंअतिक्रूराहिंचित्तविरक्तपछानो अल्पहिवेगजोकामकेयुद्धमेनागररीतीजुताहिकीजानो चंचल-नेत्रजुतासकेहोतहीगौडवंगालेकोचिन्हपछानो ॥ चौपई ॥ विपरीतरतीकोइछाजास विनलज्जातु-मजानोतास नखदंतघाततेंहोतप्रसन्न अतिप्रीतीयुक्ततुमताहिकोमन्न कामदेवकीपीडामाने उत्कलदे-शकीउत्पतजाने ॥ सवैया ॥ प्रियवाक्यसदेवकरेंअतिसुंदरकोमलतासशरीरहिजानो कामकलो लमेंशीघ्रद्रवे अतिदक्षविलासमेंताहिकोमानो बहुप्रीतिकेसंयुतताहि लखोअरुनागररीतजुतासपछानो ऐसेहिलक्षणहोवतजासमो कामरुदेशकीउत्पतिमानो ॥ दोहरा ॥ जोनारीनिजदोषकोंराखेनित्यछ-पाय पराहिदोषकेप्रगटकोराखेचित्तलगाय दृढशरीरतिसजानियोवनसंभवसोनार यहलक्षणजिसहो-तहेकरेजुग्रंथउचार

॥ सवैया ॥ उपभोगमोप्रितीकरेनिताहिंअतिसुंदरलोचनताहिकेजानो लघुभोगविधीजुसंतोषधरे शुभवेषधरातुमताहिपछानो सभकाममेंचातुरीहोवतजाहिमोजाविधकीतुमनारिजुजानो गुर्जरदेशकीसं-भवहेसोई ग्रंथकहेतुमसत्यपछानो ॥ चौपई ॥ प्रचंडवेगयुतजाकोजानो कष्टसाध्यरतिमेंतिस-मानो कोपयुक्तरहेनितजोई चंचलनेत्रजुजानोसोई दुष्टचित्ततुमजिसकाजानो सिंधुदेशकीउत्पतमा-नो होवतलक्षणइसीप्रकार वाल्हीकदेशकीजानोनार चौपई नानाविधकेजोउपभोग रसिकभावति-सतेंजिसहोग कामकलामेंचतुरहिजानो कमलन्यायजिसनेत्रपछानो प्रियसंयुतजिसजानसुभाय कंद-र्प्पदर्प्पपरिदीपनभाय तासभावमेंचतुरहेजोई कोमलगतिजिसकीपुनहोई ऐसेलक्षणहोवतजास नदी-तीरकीउत्पतितास ॥ दोहरा ॥ कामकलामेंकुशलहैलज्जासंयुतजोय उपभोगप्रीतिहैजासकोअतिचंड-वेगतिसहोय मनोहरताकोजानियोजन्मनगरहेजास मद्धदेसकीनारसोकहेजुग्रंथप्रकास ॥ चौपई ॥ मंदमंदकरेंसुंदरवाणी लघुभोगसाध्यतुमताहिपछाणी चंचलभावरहेनितजाहि भयलज्जाजिसकोमन-नाही समानरूपतिसकाजुविचार द्राविडदेशकीउत्पतनार सौवीरदेशकीइसविधजानो मलयदेश-जेयहाविधमानो ॥ दोहा ॥ नखदंतनकेघाततेंकरतप्रीतजोनाही अतिमर्दनअतिभोगतें उपजितरो-

गजुताही सुभावदुष्टतिसजानियोश्रातिप्रचंडहेजोई कांबोजदेशकीनारिसोपांडुदेशकीसोई ॥ दोहा ॥ दुर्गंधजोश्रावैदेहतें लघुभोगतुष्टजिसजान चुंबनलिंगनभावतेंहीनतासकोमान यहलक्षणजिसनारिके. पर्वतदेशकीसोई गांधारदेश्यकीजानियोकास्मीरदेश्यकीहोई

॥ दोहा ॥ इत्यादिकजोधर्महेतिनकाकरेविचार हितश्रपनानरजानकेंसेवनकरेंजुनार काम‌कलामेचतुरजोवलसंयुतहेजोई सोरतीसमकेयोगकरमनसंतोषेसोई इसविधवर्तेजाहिनरनारिनकोव सलेत प्राणसहितमनमोहहैकरेश्रापनाहेत ॥

॥ इतिश्रीचिचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाश भाषायां स्त्रीणांदेशधर्म ऽधिकारकथननामए कोनषष्टितमोध्यायः ॥ ५९ ॥
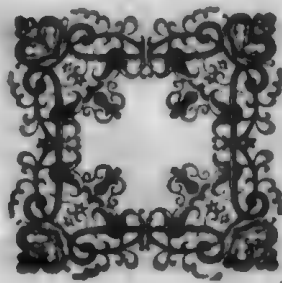
॥ अथवाजीकरणनिरूपणम् ॥

चौपई धात्रीफलकोचूर्णकीजै अरुरसधात्रीफलतंहदीजि शरकरमधुघृतमेलचटावै पाछैदुग्धपानकरवावै तातैंवृद्धयुवाहोइजाय वाजीकरणसुकह्योसुनाय अन्यच चौपई कंदविदारीपीसमंगावै घृतशरकराताहि मिलावै कर्षप्रमाणनिताप्रतिषावै पीछैतैतिसदुग्धपिवावै वृद्धपुरुषसोयुवाकहाय वंगसेनमतदियोवताय अन्यच फलअश्वत्थअवररसमूल चूर्णकीजेदोइसमतूल दुग्धपकावैषावैजोय पुरुषजुवृद्धयुवाहोइसोय अन्यच ॥ चौपई ॥ कवचवीजसमसितामिलाय सदुग्धपानकरयुवाकराय माषचूर्णइकपल-परमान मधुघृतमेलचटायसुजान पीछेदुग्धपानसोकरै वृद्धयुवाहोयवहुवलधरै तालमखाणाक्रौंचकेवीज अवरशर्करातामेदीज उष्णधारकेदुग्धसौंषाय वृद्धपुरुषसोयुवाकहाय अन्यच ॥ सवत्सावृद्धगायजोहोय ताकोदुग्धलीजियेसोय माषचूर्णसौंपीवैतास वहुइस्त्रीगृहहोवैंजास अन्यच ॥ दोहा ॥ कंदविदारी पीसकैरवरसताहिकोपाय मधुघृतमेलचटाईयेरोगनपुंसकजाय ॥ अथपूपालिका ॥ चौपै ॥ क्रौंचवी, जलैकुडवप्रमाण कुडवशर्षपालेजुसुजान कुडवएकतिसमुदगरलाय कुडवएकतिलतासमिलाय कु-डवएकगोधूमजुपावैं शालीतंडुलकुडवरलावे सवकाचूर्णकरेवनाय कुडवएकघृततामोपाय क्षीर साथतिसगुंन्हसुलीजैं घृतपकायसुपूपकाकीजैं नित्ययथावलपूपकाखाय वृद्धपुरुषसोतियारमाय अन्यच मुलठचूर्णकर्षइकआन मधुघृतसौंसोकरैमिलान चाटैदुग्धपुनपाछैपीवै वृद्धजुपुरुषयुवामोथीवै ॥ चौपई ॥ प्रस्थअसगंधप्रस्थघृतआन दोइआढिकदुग्धहिकरोपकान मंदअग्निसौंताहिपकावै पाछैंतैंयहचूर्णरलावै त्रिकुटाचतुरजातजुविडंग जातीपत्रविधारासंग वलाअतिवलाभषडेपाय लोह-वंगअभरकजुमिलाय यहसभहीइकपलपलपावै अर्धप्रस्थमधुशरकरामिलावै सनिग्धपात्रमोंधरैवनाय दोनोसमययथावलखाय उत्तमवाजीकरणपछान सभहीवातरोगकीहान आमवातविशेषकरजावै गर्भ-योनिदोषनरहावै वीर्यदोषकोहोवैनाश अवरनपुंसकताजुविनाश ॥

॥ अथअसगंधादिघृत ॥

॥ चौपई ॥ इकशतपलअसगंधकामूल शुभदिनशुभनक्षत्रमोतूल द्रोणप्रमाणजलपायपकावै अष्ट-भागरहेवछानावै दोयशतपललेछागलमास शुद्धकरीयहपावैतास प्रस्थएकगोघृताहीमिलाय दुग्धच-तुर्गुणतासरलाय काकोलीअरक्षीरकाकोली ऋषभजीवकसंगलेघोली ऋद्धवृद्धमहामेदजुमेद यह, पावैपुनजानोभेद क्रौंचवीजएलाजुमुलठ द्राक्षाजीवनीमिघाइकठ सूर्यपर्णीसोदोयामिलाय वलावि; दारीकंदरलाय अवरशतावरीतामोपावै कर्षकर्षसभवस्तुरलावै मंदअग्निसोताहिपकाय वस्त्रछाण-पुनपात्रधराय मधुशर्कराकुडवप्रमान तामोपावैचतुरसुजान कर्षप्रमाणनिताप्रतिखावै यथेछितभो जनपाछैपावै क्षतक्षीणशिशूवावृद्धजुहोय वाक्षीणेंद्रियमासहेजोय वलपुष्टीहोवतसीघ्रहितास आयु-वधेपुनतेजप्रकास जोखावेनित्यवंध्यानारी पुत्रप्राप्तहोयत्तिसहिविचारी खालित्यपलितवलीजुनिवार वातव्याधिसवदेतजुटार हृदयवस्तीकेरोगहेजेते सोसवदूरकरेयहतेते जगतहितजोअश्वनीकुमार महा-असगंधघृतकियोउचार ॥

॥ अथशतावरिघृत ॥

॥ चौपई ॥ प्रस्थशतावरिप्रस्थघृतपाय दशगुणदुग्धसुपायपकाय असगंधजुघृतकीऔषदजेऊ ते पलर्पासरलांवैतेऊ मंदअग्निसौंसिद्धकराय मधूशर्करासंगरलाय असघृतसिद्धयथावलषावै वहुत-

अंगनाकोंसुरमावे जिसकोलिंगपतितहोइजाय ठाढोहोयजुवलअधिकाय पुरुषनपुंसकजोयहषावे दोषनपुंसकतामिटजावे धातुक्षीणक्षयजाकीहोय ताकोहितकरघृतहैसोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ तालमपाणागोषुरुआन वानरीअवरशतावरिठान नागवलाअतिवलामिलाय यहसमइन्हसमासिता- रलाय जिसकेगृहशतहोंवेनार सदुग्धपीवैसोरात्रिमंझार ॥

॥ अथगोधूमादिघृत ॥

॥ चौपई ॥ इकशतपलगोधूमछडावे आढिकजलमोंपायपकावे पादशेषरहिमलकरछानै पुन- तामोंयहचूर्णठाने शूरणकंदगोधूमजुपावे अवरलक्षमणातासरलावे असगंधशतावरिमलठविदारी पर- जूरभिलावैवानरिडारी मरचमघांसुंठिइकभाय अर्धअर्धपलपीसामिलाय चारप्रस्थपयघृतप्रस्थजुएक मंदाग्निपकावैसहिताविवेक पुनपाछेंयहचूर्णरलाय जलवत्रीएलामघपाय धनियांगजकेसरकरपूर यथा- लाभयहपावैचूर सितामधुअष्टअष्टपलपावे इक्षुदंडसंगताहिरलावे सभरलायपलमात्रसुषाय अनूपा- नातिसकहोंसुनाय रसजुमांसतापाछेंपीजे वासमतीकोंभातसुदीजै लिंगसिथलनाहिंहोवैतास वीर्यवधै होइगुल्मविनास मूत्रकृच्छ्रवातरुजजावे यहघृतएतेरोगनसावे दसदिनउप्रंतदोदोपलषाय शतइस्त्रीकोंसो- उरमाय घृतअश्वनीकुमारनेभाष्यो लोकाहितारथलषयहआष्यो

॥ अथकूष्मांडगुड ॥

चौपै शतपलकूष्मांडनिरवीज प्रस्थघृताहिंभूनेलपलीज तालीसपत्रधनियांत्रिकुटाय दालचीनि- जीराएलापाय अर्धअर्धपलयहपरमान अवरवस्तुसभपलपलजान वचंचव्यगजपिप्पलपाय आद्रक शूरणकंदरलाय शृंगाटकसोदोयप्रकार पत्रपीसकरतिनकेडार गुडपलशतताहीमोंठान मंदअग्निसों- करेपकान अरुपलअष्टमपीरमिलावे वीर्यवधैजुयथावलपावे कफपित्तजरुजहोवेंनाश श्वासकास- ज्वरछर्दविनाश हिडकीअवरअरुचनाहिंरहे वंगसेनग्रंथयोंकहे ॥ पुरुषउपाय ॥ चौपै ॥ कोशात- कीचूर्णमधुसंग लेपनकरैपुरुषानिजलिंग पुनइस्त्रीसोंसंगसुकरै इस्त्रीवीर्यअवैसुखधरै

॥ अथलिंगस्थूलकरणउपाय ॥

॥ चौपै ॥ वज्रपाणिवरचअसगंध जलशूकचूर्णकोंजेसमवंध नवनीतसाथसोलिंगलिपावे गजलिंग समानलिंगहोइजावै

॥ अथनपुंसकताउपाय ॥

चौपै कछूमस्तकअरुताचरण तिलतैलपकायकचपात्रहिंधरण मधुशरकरामिलावैजास पुरुषलिंगपरले पैतास नपुंसकताताकीमिटजावै पुरुषार्थहोयवहुतथिरमावै अन्यच अजादुग्धकोलेहुमंगायगोषुरुचूर्णसा- थपकाय मधुरलायकरताकोंषावै मलैलिंगवालेपलगावै दोषनपुंसकतामिटजायअसउपायसोकह्योसुनाय

॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांवाजिकार्णोऽधिकारकथनंनामषष्टितमोऽध्यायः ६०

॥ अथरसायणाध्यायः ॥

॥ अथगुगुलरसायण ॥ चौपै ॥ त्रिफलाअसनपदरपुनआन गिलोयभांगरागोपुरुठान अरुपुनर्नवासं- गमिलावे आढिकडेढजुक्काथरहावे पुनलीजैगुगुलपलतीस क्काथमिलावैताकोंपीस पुनमंदाग्निजुताहि

पकावे पक्वसितामधुघृतसुरलावे नित्ययथावलताकोंषाय कांतिवुद्धिवलवहुअधिकाय नाशसर्वरोगनकों. लहे व्रयशतवर्षजीवतोरहे

॥ अथगंधककल्प ॥

॥ चौपै ॥ गंधकपीसपांचपललीजै षरलत्रिगुणभंगरारसदीजै सुकाविहरडचूर्णपलपावे मधुघृतप. लपलताहिरलावे दोइमासनितवलअनुसार पावैप्रातहिकालनिहार ताकोगुणअैसेलपपावे वृद्धजुपुरुष. जुवाहोइजावे ॥ अथपंचामृतरस ॥ चौपै ॥ जातीफलअरुजातीपत्र केसरअवरलवंगइकत्र चतुर- जाततिकुटामधनागर चित्रापिपलामूलतुल्यधर पुनलोहाअभरकतांवावंग पारासिक्कामारेउसंग काष्टादि- कऔषदजितोप्रमान तातैअर्द्धधातुयहठान पीसनागवल्लीरसपावे अरुमधुसेंगुटकावंधवावे दोइमासिगु- टकापरमान गोदुग्धसाथकीजिसोपान वधैवुद्धिवलसातोधात वीर्यवधैजुपुष्टहोइगात मंदअग्निकफरो- गनसावे वंध्याषायसुगर्भधरावे नपुंसकषायहोयपुरुषत्त वज्रसमानदेहहोइसत्त दिव्यदृष्टिपुनहोवैतास जराव्याधदुखकोहोइनाश वर्षएकलगषावेजोय रमैसुइस्त्रीइकशतसोय

॥ अथताम्रकरसायण ॥

॥ चौपै ॥ तामेश्वरजारिणगंधकपारा स्वर्णमषीसुनलेहोपियारा यहसमधत्तूरेरससंग षरलकरैजोता- हिअभंग पुनधत्तूररसतामोपावे मंदअग्निसोंताहिपकावे पक्वभयोलषलेवैजवे त्रिफलापिंडधरैसोतवे पुनसोपिंडघृतमाहिपकाय मधुघृतसोंपुनतिंहमद्य नालेरदुग्धसोंपीजेसोय नाशअनेकरोगकोहोय ॥ अथगंधकरसायण ॥ गंधकत्रिफलाअवरभिडंगि यहसमचूर्णकरइकसंगि वलअनुसारवर्षलौषावे जरामृत्युरहितहोइजावे ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ गंधकशुद्धअष्टपलआन दोईपलमृतलोहातंहठान कंन्यांवूटीकोरसपाय दिनइकीसलगधूपसुकाय वर्षप्रयंतयथावलषावे दिव्यदृष्टिताकोंप्रगटावे देहमध्य. आरोग्यतालहे चंद्रतारालगजीवतरहे दुग्धभातपथ्यसोषावे वाकेवलपयपानकरावे

॥ अथअभरकरसायण ॥

॥ चौपै ॥ अभरककृष्णआनढिगधरै भिन्नजुभिन्नपत्रतिसकरै दोइदिनजंभीरीरससंग षरलकरैजो. ताहिअभंग तीनदिनासंगकांजीजोय कीजेषरलजानहोसोय एकदिनात्रिफलारसपाय करैषरलजो. ताहिवनाय रससुहांजणेसोंइकादिना षरलकरैताकोंइकमना लजालूरससाथैदिनएक असगंधरससंइ- कदिनयहटेक पुनसंपुटमोंताहिधरावे गोवरअग्निधरायपकावे माषप्रमाणनिताप्रातिखाय अनूपानआगेल खपाय नालेरग्दुधकीजैअनुपान पियेसमस्तरोगमिटजान ॥ अन्यच ॥ केवलचूर्णमुलठीजोय मंडूकपर्णीरसपीवैसोय आयुर्वधैरोगसभनाश होवैकीजैनिश्चयतास अन्यच उंखपुष्पीकोचूर्णाआंन गुडू- चीरससोंपियेविहान अयुर्वधैरोगसभनाश इहप्रकारगुणलषियेतास ॥ अन्यच ॥ भंगरापत्रचूर्णधात्री- फल मिसरीअरुमिलायकृष्णातिल पीसरलायषायपुनतास जरामरणरहितसोभास ॥ अन्यच ॥ भंग. रारससमदुग्धामिलान मासप्रयंतापियेहितमान वकताहोयमूकलषलीजे वधिरहोएसोशब्दसुनीजे नपुंसक- पुत्रवांनादरशावे श्वेतकेशश्यांमलषपावे दंतहोंहिदृढताकेजांन देहतासहोइवज्रसमान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पलासक्षारमघसमयहलीजे गोघृतभुंनसुचूरनकीजे मधुघृतताहिरलायजुषावे श्वासकासक्षई

शोथमिटावे हिक्कागलग्रहअर्शविनाशै ग्रहणीपांडुविष्मज्वरनाशै पीनसगुल्मअश्वरभंगनिवारै एतेगुणयह निजमनधारै ॥ अथहरडकल्प ॥ चौपई ॥ सैंधासौंवर्षारितमाहि शरदऋतूसर्करसौंखांहीं हिमरितमौं षावैसंगनागर शिसरऋतूमघसौंभक्षणकर वसंतरितूमधुसंगसुषावै सहगुडग्रीष्मरोगनसावै

॥ अथत्रिफलारसायण ॥

॥ चौपई ॥ चूर्णएकंहरडकोठान मधुघृतसौंप्रात्तहिकरपान पुनभोजनादिजुवहेडाएक मधुघृतसौंषावैसविवेक पुनभोजनांतआमलेचार मधुघृतसौंसोकरैअहार जराव्याधनाहिंव्यापैतास इकशतवर्षआवलाजास ॥ अन्यच ॥ हरडआमलेअवरविडंग लोहचूर्णपुनपावोसंग यहसमचूर्णतैलमिलाय चाटैजरानव्यापैकाय ॥ अन्यच ॥ सेवैवरचमासप्रतिमास क्षीरतैलघृतसंगक्रमतास सुंदररूपहोईसुंदरवाणी वरचरसायणअसगुणजाणी ॥ अन्यच ॥ पुनर्नवापीसअर्धपलतास पीसदुग्धअर्धलगमास पुनपलपलत्रैमासप्रयंत वृद्धयुवाहोइलषोवृतंत ॥ अन्यच ॥ हस्तकर्णितालाकोमूल गिलोयशतावरिमुंडीतूल मधुघृतमेलचटावैसोय जरानाशकांतिवलहोय ॥ अन्यच ॥ लेअसगंधसुचूर्णकीजै ताकीविधिअैसैंलषलीजै दूधसाथपीवैइकमास घृतसौंपीवैदूसरमास तीसरमासतैलसोंपीजै जलसौंमासचतुर्थलषीजै पुष्टहोयवलवीर्यतास गुणअसंगधकियोपरकाश ॥ अन्यच लेअसगंधमघांअरुनागर निरंगुंडीअलसीचूर्णकर यहसमचूर्णदुग्धकेसंग साध्यअसाध्यवातहोइभंग ॥ अन्यच ॥ विधारापांचटांकजोलीजै मधुघृतसौंदिनसातोपीजै दुग्धभातपथ्यसोषाय किन्नरसमतिसगानसुहाय अन्यच हस्तकरणिचूर्णघृतसंग प्रातःकालसौंपियेअभंग वर्षसहस्रजीवतोरहै रमैसहस्रइस्त्रीवलगहै ॥ अन्यच ॥ गिलोयअपामार्गजुविडंग वरचशंखनीधरतिहसंग सुंठशतावरिहरडमिलाय यहसमचूर्णघृतसौंषाय सहस्रश्लोकानितपढैनवीन यहगुणताकोलहेप्रवीन ॥ अन्यच ॥ ब्राह्मीवरचहरडमघवासा मधुसौंसमनितचाटैतासा किन्नरसमवाणीहोइतास अैसोगुणतिसकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ रात्रीअंतचुलिकाजलजान अष्टप्रमाणपियेहितमान नित्यपियेयहनेमधरावै वातपित्तकफरोगनसावै अरुशतवर्षजीवतोरहै असजलकोगुणनिजउरगहै जोनासाकरकरहैपान दिव्यदृष्टितिसहोयमहान ॥ अन्यच ॥ त्रिफलाजलहिंभिगोयेरात तीनचुलीपीवेपरभात मुखसौंवानासाकरसोय पीवैजरानाशतिसहोय गरुडसमानदृष्टतिसथावे अर्शश्वासकासज्वरजावै त्रिषापांडुहिक्कामिटजाय कुष्टजुनेत्ररोगनरहाय भ्रममदशूलभगैअतीसार नशैअजीर्णरक्तपित्तअफार त्रिफलाजलकेयहगुणजान दुःखनशैंहोइतनकल्यान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ असगंधविधारादोइसमलीजै सूक्ष्मताकोचूर्णकीजै सनिग्धपात्रमौंताहिधरीजै वर्षप्रयंतदुग्धसौंपीजै सूर्यसमानतेजकोपाव जरानाशश्रममार्गनथावै ॥ अथलोहरसायण - चौपई लोहचूर्णलेपलपच्चीस पलपाराअभरकपलचालीस गंधकअठपलताम्रपलचार षटपलमनछलतामेंडार स्वर्णमषीपलचारलहीजै पट्पलशिलाजीतसंगदीजै त्रैत्रैपलत्रिफलात्रिकुटाय सभचूरणमधुघृतजुमिलाय सानिग्धपात्रमौंधरैवनाय प्रातहिंनित्ययथावलषाय सर्वरोगकोहोइहैनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ दोहा ॥ ध्यायरसायणकोकह्योवंगसेनअनुसार अदभुतइनकोफललह्योमनमौं लेहुविचार ॥ इतिरसायणध्यायसमाप्तम् ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांरसायणाऽधिकारकथनंनामएकषष्टितमोऽधिकारः ६१

॥ अथपाकाध्यायकथनम् ॥

॥ दोहा ॥ लेयसतावरमूसलीकवचवीजसुमिलाय तालमषानागोषरूऔरगंगेरणपाय चूरणकरकेरै एणकोपियेदूधसोजोय नरचूरणपरभावतेपुष्टवीर्यवलहोय सोरठा कंदविदारील्यायमासाक्रौंचकेवीज- पुन पयमधुघृतसोंषायनारीरमेकुलंगवत दोहा लेयसतावरसेरभरचारसेरघृतजान घृतसेंदसगुणदूधलेपो आकरेसुजान मधुअरसितामिलायकेपलभरखावेजोय पुष्टवीर्यवलकरणकोयासमऔरनकोय छप्पे- दालउडदकीअथवातालमषाणालीजै अथवालीजैकवचवजिसुउटंकणवीजे चूर्णकरघृतदूधसंगयह पीरपकावे सिताडारकेषायपुष्टवलवीर्यवढावे होयतुरंगसमशीघ्रतासुंदररूपअनंगसम सौवामासंगक रेक्रीडाकरतकुलिंगजिम अंडछागकोआनदूधमेसिद्धकरावे जवगलजावेउडदचूनकेसंगरलावे' उदरपूरकरषायपुष्टवलवीर्यवधावे जाविधयतनवनायदेहवलपुष्टीपावे तित्तरलवावटेरलेघृतसैंधेसोलेयतल वहुरमासभक्षनकरेवढेपुष्टअरवीर्यवल

॥ अथगोक्षुरुपाकःअडिलछंद ॥

सोलहिपलपरमाणगोषरूलेधरे आठसेरगोदूधडारषोयाकरे पाइसेरघृतमाहिभूनकरलीजिये एतेऔ. षदअवरताहिमेदीजिये सौंठमरचअरपीपरअजमोदाषैरले लौंगसारजातीफलअवरकपूरदे समुंदसो षदोजीरेहलदीआंवरे एलाअकरकरावहेडाल्यावरे अभरकअरअहिफेनजातपत्रीसही केसरफुनत्रिसुगंध करपडेदोयही षोयाकेसमऔषधसकलमिलायिये औषधषोयादोनोसमकरपायिये सभतेंआधीविजया भुनमिलायके सभकेसमलेपंडपाकवनवायके औषधअभरकसारमेलकतलीकरै नितप्रतिखा, वेजोनरवलअग्नीधरै मदनसदनकररहेजुताकेदेहमों प्रौढाअंगनजीतेमैथुननेहसों एक. रदनसमदेहवीर्यवंधेजसुन पायगोषरूदूधसंगगुणअधिकपुन ॥ इतिगोषरुपाकः

॥ अथअसगंधपाक ॥

चोपै आधसेरअसगंधमगाय दूधचतुर्गुणमाहिपचाय इनकोजवपोयाहोइजावै अर्द्धसेरघृतमाहिभुनावै त्रिकुटात्रिसुगंधपुहकरमूल जीराऔरअजमोदकचूर पीपलमूलजवायनआन हऊवेरजोसतावरजान औरगोषरुसौंफसुल्याय तवासीरअरसारमिलाय पलपलभरसभऔषधभाष पाउसेरलेतिलअरमाष डे' ढसेरलेषंडमगाय ताकोगाठापाकवनाय औषधअभरकसारमिलावै गोलीकरवलदेषपुलावै गुलम. अरशअरस्वासजुकास होयगदअवरप्रमेहविनाश गुदापृष्टकटिपीडासोज हरेवायगद, करैमनोज टूटेहाडवद्धकारोग मिटहैरोगनपुंसकसोग पावेअसगंधाकोपाक वढेकामकामनअनु राग ॥ इतिअसगंधपाकः ॥

॥ अथकौंचवीजपाकः ॥

छप्पै आधसेरलेकवचवीजचूरणकरावावे दुगधसेरदसमाहिताहिषोयावनवावे आधसेरघृतमाहिभुं नताकोधरवावो पुनजीराअजमोदकलौंजीपीपरल्यावो जातिफलजलवत्तरीअकरकराजुलंवगपुन- गजकेसरकंकोलत्रिकुटात्रिजातप्रियंगुसुन समुंदरसोपलेपयसापयसाभरसभलीजै डारसेरभरषंड पाकताकोकरदीजै यहद्वयपाककरेछवीसपलभरनितषावो मोहक्षीणतामूत्रकृछ्रअश्मरीनसावो रक्त- पित्तअरवायुगदगुलमशूलहैरक्षुधाकर हरेप्रसूतीवातफुनकरेकामषंडरवहर ॥ दोहा ॥ पाककौं- चत्ता[illegible]वीजकोकह्योअश्विनीकुमार पायवढेदगयोतनाकामअर्थसंचार ॥ इतिक्रौंचवीजपाकः ॥

॥ अथसुपारीपाकः ॥

॥ चौपै ॥ पाउेसेरसुपारील्याय कूटवस्त्रसोंछानकराय दूधआठहींसेररलावे मंदआंचषोयाकरवावे
गोघृतकुडवएकभरडार भुंनताहिमेंकरोकिसार पंडआठहींसेरमगावे सेरआंवलेकारसपावे-
सेरसतावररस्वरसमंगाय ताकोलेयकिमामवनाय जवकिमामगाढाहोइजाय वहिकिसारतामा-
हिमिलाय मोथाचंदनजीरेदोय त्रिकुटाउेरत्रिसुगंधजोहोय गिरीवेरकोधनियालोधर वंसलो-
चनअरलौंगसंगकर उेरालिंगाडेलेहुमिलाय जलवत्रीगजकेसरपाय अवरजायफलतासरलावे दोदो
कर्षसकलपोसावे यहभीपाकमाहिसभपाय ताकोलेकतलीवनवाय षावैपुंगीपाकपरभात करेअजी-
रणज्वरकोघात सकलवातप्रमेहनसाय अमलपित्तपित्तगदजाय नेत्रनाकमुखनासाद्वार लोहूनिकस-
तदेवेटार मंदाग्नीहरपुष्टत्रधाय तियकोनिश्चेगभंरषाय बूढोषायसुहोयजुवांन सुंदरअंगअनंगसमान
करेवीर्यवलधातवढाय पूगीपाकगुणकह्योनजाय ॥ इतिसुपारीपाकः ॥

॥ अथमूसलीपाकः ॥

॥ दोहा ॥ पाउेसेरलेमूसलीचूरणकूटवनाय आठसेरलेदूधमेंषोयाताहिकराय आठटकाभरघीउमें-
करकिसारानिरधार पंडसेरपंचपायकरतामैडारकिसार कौंचवीजतनमस्तकीअकरकराजुलवंग जा-
तीफलजलवत्तरीमालकंगुणीसंग तुंवरुकेसरगोषरूचवकसतावरजान पिसताअवरवदामफुनिनेउजे
गिरीवषान पलपलभरसभउेषधीगोंदपांचपलपाय त्रिकुटाउेरत्रिसुगंधपुनत्रयत्रयपलसमभाय स-
कलउेषधीमेलकरलीजैंपाकसुधार षायमूसलीपाकयहवातरोगसंधार हरेप्रमेहजुर्वासकोयाकोषावै रोज
रमारमेवलअधकहोसुंदररूपमनोज इतिमूशलीपाकः

॥ अथछुहारापाकः ॥

दुरमलाछंद चारसेरलेदूधछुहारेआधसेरतामैउेटावो आधसेरफिरगोघृतसोयहषोयासकलवनावो तज्ज
पातलौंगजलवत्रीजातीफलजलकेसरपावो कंदविदारीउेरजुषिरनीवलावंसलोचनालिआवो सारवंगशी
शाफुनअभ्रकजोडचोअरकंकोलकही टकाटकाभरलेसभऔषधकूटछानकरचूनसही पंडसेरभ
रलेहुपाककरतामेउेषधडारयही जवामिलेकिसारउेषधीनानानामछुहारापाकलही रक्तपित्तपुनवायरक्तगद
रोगमेहकोसकलहरे पितजकेसभरोगनिवारै जिमसूरजतमदूरकरे करमीठाभोजनषायपाककोव
ढेवीर्यवलपुष्टकरे यौवनमदमातीरूपसुहातीनारीसोमनमाहिधरे ॥ इतिछुहारापाकः ॥

॥ अथपेठापाक ॥

॥ छप्पै ॥ लेकरपेठापक्वछिल्लटुगडेकरवावै पांचसेरताकोंरसपावै ताछिनताहिपकावै मंदआ-
चदेताहिजवै तवपेठापाकवनावै सोरहटकाप्रमानघीउमेंताछिनताहिभुनावै पांचसेरमिश्रीदेतांमो
ताकोहोवेचासजव ताहिकिसारमिलावै तातेंमेलकरोउेषधजोअव त्रिकुठात्रिफलाचतुरजातताली-
ससतावर जीरापुनतालीसगंगेरनाचित्राअरुगजपीपर मेथीदंतीत्रिवीचवकअरपीपरमूरा कमलगां-
ठअरलौंगवंशलोचनजुकचूरा ताकोकूटैवस्त्रछांनवीजदाखमोथाअवर तालमखाणागोषरूअसगंध
कंकोलधर सेंधासित्वलछालमूसलीकंदमिलावैताही कंदविदारीअवरसिंघाडेइनमोपावैजाही जा
तीफलजलपत्रीकेशरजामैमानधरावै सोलांसोलामासउेषधसुंदरपाकवनावै पलभरअभ्रकत्रै

मंथनकरवहपाकमें टकाटकाभरगुटीवनावे खाययथावलप्रातमें अम्लपित्तमंदाग्निनिवारे पांडूप्रमेह-
नसावे रक्तपित्तअरुश्वासक्षयीहरनिश्चैवीर्यवधावे अस्सीवर्षकापुरुषखायाफिरनूतनतनातिसहोवै वढैकां-
तिवलअधिकदिखावेजराअवस्थाखोवे झुरडीअंगपडैनाहिंताके वढैकामअतिदेहमें पेठापाकखाय-
जवतवहीं नारीजीतेनेहमें इतिपेठापाकः ॥

॥ अथअमृतपाक ॥

॥ छप्पै ॥ आठसेरपरपक्कआंवकोरसनिकसावे षंडचतुर्गुणमेलषंडसमपानीपावे रसतेंआधोघी-
उआठहींअंशसोंठधर मरचसोंठतेंआधमरचतेंआधीपीपर सकलडारमृणपात्रलेहकडछीसोकारिये
मंदआंचअवलेहकरैयाहिउौषधतांमेधारिये मोथाधनियातेजपातत।लीसात्रिकुटतज जीरापीपरमूलदार-
चीनीपुनपत्रज सकलऔषधीमेलहोयफिरपाकशीतजव आधसेरफिरशहितडारकरसकलपिंडतव
आंवपाकयाकोकहैराषसोचीकनपात्रमै पलभरभोजनप्रथमहींषायपुष्टहोयगात्रमै हरैअरोचकस्वास,
कासश्लीहाअरपीनस क्षयीरोगपुनअमलपित्तपुनपित्तजायनस हरैकामलापांडुकुष्टकंडूपुनहींगद अर,
शअफारासीसशूलज्वरकवजहैरद षायनारमृतपुत्रणीदीरघआयुवलवीर्यंयुत मतियुतसुंदर
उपजेनिश्चैताहिसुत षायजुवूढीमारतरुणहोयसंततपावे वंध्यानारीषायपुत्रजनतनसुषपावे षायजुवृढापुरषत
रुणहोइजायताहिक्षण गजवलहोवेमरुतवेगगुणसुनोविचक्षण षायआंवकोपाकयहसकलदेहकेरोगहर
परमरागअनुरागयुतसौनारिसिंभोगकर ॥ इतिअमृतषाकः ॥

॥ अथसुंठीपाकः ॥

छंद तीनप्रस्थलेसुंउमिहीनपिसाइंये घृतकारितत्तसमानमाहिलेपाइंये षीरचतुरगुणआणकडाहेपावहो
विश्वाघृतसंयुक्तदूधविचतागहो अग्नीहेठलगायाकिद्दसमकोजिये पीछेतुरतउतारथालमहिलीजिये द
नसमकरिलैषंडपातलेपाईये पक्कहोयजवषंडषोआजुरलाइंये जातीफलजलपत्रोलवंगहेंत्रिफला जीरा
स्याहसपेदकणाजुघनेहला एलामोत्थादाषवंसलोचनासारही षर्जूरविदारीकंदसतावरीडारही अर्द्धअर्द्ध
पलउेाषवसभोमिलाइंये गरीआठपलआणषंडकरिपाईयै घनसारपषांणभेदमगजपुनचारहीं सौंठचि
रौंजीवीजआठअठभागही त्रिवीआठपलपीसमिलावैछाणके उष्णजुमाहिरलायतुरततुमजांनके आ
ठटंककरिभागलडुकामानहीं नारदप्रतिपरभातदेहुनितषाणही सुंदरकांतीतेजरूपवलवांनहो कठनपयो
धरताहिवदनससिभानहो फुनिहोवैछविअंगवधेअतिभावही अस्सीवायकेरोगइसहूसोंजावही कफजपि
त्तवहुमूत्रजायपरमेहहीं ज्वरनासाकेरोगरहेजहिदेहही महांसौभाग्यसुंठीयाहिब्रह्माकही नारदसुणिक
रिनेहसत्यमनमोगही इतिसुंठीपाकः

॥ अथपिप्पलीपाक ॥

छंद कणासेरपरिमाणक्षीरसेरदशपावहीं द्वादशपैसाघीउसुखोआवनावही किद्दीसमजवहोयथा
लमोदीजियो सेरतीनलेषंडचासफुनिकीजियो षोआमाहिरलायसुऔषधपाईये अकरकराकौंचवीजमू
सलील्याईये एलागोषरूतज्जलवंगतमालही जातीफलजलवत्रीभाडिंगीडालहीं धनिआंसुंठीषदिरजुअव
रकचूरही गजकेसरअजमोदमरतकोपूरही कमलडोडेहिंगरफलवंगफुनिमेलहो सारतांवेरषरठंकचार
हो कपडछाणकरायजुताहिरलाइये टंकदोयपरमाणकपूरामिलाइये गुटकापैसादोयंप्रभातेंषावहीं

क्षुधाकरवेलवृद्धिप्रमेहनसावही श्वासकासज्वरजीरणमूर्छाभ्रमदहे हिक्कापांडूछर्दअरुचितानांरहै धातु बृद्धिवहुपुष्टीहोतहैतासही पिप्पलीपाकतेंजायरोगसभनासही इतिपिप्पलीपाकः

॥ अथनालेरपाक ॥

॥ छंद ॥ प्रस्थदोयमंगवायनवीननरेलही गोकाघीउसोत्र्यांनरलावोसेरही प्रस्थएकलैमेलचिरौंजी वीजही सेरचारगोषीरमाहित्रयमेलही अग्निमंदत्र्प्रेटायकिट्टकरिलीजिये पांचसेरफुनिषंडपत्त करदीजिये जातिफलजुलवंगजलवत्रीआनिये जीरास्याहसपेदजुदाडिमठांनिए छडकचूरत्रप्रसगंध गोषरूत्र्यांनहो धनित्र्यांकौंचकेवीजगंगेरछिलठानहो तज्जसतावरिसौंफजुमेलतमालही त्रिकुटा नागरमोथविदरिकंदही त्रिफलाएलालहुसिंगाडेजानहो गजकेसरफुनिदेहुकरोजुसमानसो पांचपां चदेटंकपीसकरछानही उत्तजुमाहिरलायफुनीसभमानही कस्तूरीलैमेलसुगंधीपावहीं मोदक करपरभातसुसंध्यापावहीं पुष्टिहोयसभदेहरोगभगजातहै जायवीसपरमेहवायपुनिघातहैं वृद्धजुहोयेजुवांन वहुतगुणकारहे धातुवृद्धिफुनिहोयमहांबलधारहे नालेरपाकवरकह्योग्रंथमतमानके सेवन करदुखदूरसत्यउरजानके ॥ इतिनालेरपाकः

॥ अथलसुणपाक ॥

छंद लसुणचुलीमंगवायतक्रमेंपाईये मृतकपात्रमेंधारसुधूपसुकाईये सूकाप्रस्थप्रमाणलसुणतेंतोलही चारप्रस्थपयलेहुताहिमेंघोलही कुडवएकभरघीउमाहिफुनिदीजिये किट्टतुल्यजवहोयउता रसुलीजिये रहसणवरीगिलोयवासाकरचूरही विश्वावृद्धजुदारुताहुमेंपूरही चित्राफुनिअजमोदशुंठिप्पा त्र्प्राणहो पुनर्नवासभपलपलपीसोछाणहो कणाजुवायविडगटंकलेचारही सेरत्र्प्रढाईषंडपत्तकरधारही सर्वपीसकरछाणजुवीचरलाईये टंकदोयपरमाणसुगुटकाषाईये सभेअंगकीसंधिजुवायूतासही हृदेक टीउरस्थंभदोषसहनासही ॥ इतिलसुणपाकः ॥

॥ अथजलवत्रीपाक ॥

चौपई जावत्रीलेएकजुपाउ पांचसेरपीमरहिताउ घृतद्वादशसरसाहीतोल इहतीनोकठाक-रिघोल दांनादारषोत्र्याफुनिकरो उत्तारलेहथालीमेंधरो सितासौसिरसाहीलेहु पत्तवनायताहिमेंदेहु-तमालपत्रअकरकराजांन लाचीफुनिगजकेसरत्र्यांन मूशलीकौडउटंकणवीज मालकंगुणीफलवलां वीज अजमोदसौंफतेजवलहोय गोषरूअरुसतावरीसोय वंसलोचनमुलठीत्रिकुटाचूर कवावचीं-नीमोचरसपूर सूष्मपीसटंकदोदोलेय अभ्रकसारतोलाफुनिदेय कस्तूरीमासाकर्पूर उष्णजुमाहिदेयसभचूर टंकतीनगुटकाजुवंधाय प्रातसांझइककर्षहिपाय धातुवृद्धवलवंतउदारा मैथुनइछाहोइवारंवारा स्थंभनजामएकपारमान दृढहोएलिंगताहीतुमजांन ॥ इतिजलवत्रीपाकः ॥

॥ अथविजयापाक ॥

चौपई विजयारससौपलहिकढावे दुग्धपचासपलताहिरलावे मंदत्र्प्रग्निसोताहिपकाय सवषोत्र्प्रासीतल करवाय ॥ छंद ॥ खंडतीसपलतासंगमेलेचतुरजातफुनडारे लाचीदालचीनीतजपत्तरनागकेसराहिसवारे जाफलजलपत्रीफुनइटसिटनागार्जनीमंगावे कौंचवीजत्र्परुचारोधम्मणीत्रिकुटालवंगहिपावे लाचीदा णासभइहवस्तूत्र्प्रर्धत्र्प्रर्धपउलीजे पीसमहीनछानकरतिनकोवीचरलोयेकेकीजे जोमानसुनि... [illegible] अधमेले

नेमकरअर्धपलाहियहखावे धातुपुष्टकरवीरजवृद्धोप्रमेहस्वासमिटजावे संपूर्णअतिसारहरैइहकासरोगनाईं राषे प्र्ररोगइस्त्रीजोइवैघातुस्तंभशुभभावे इतिविजयापाकः

॥ अथएरंडपाकः ॥

॥ चोपइ ॥ एरंडवीजपक्कत्वचहीन प्रस्थमात्रसोंलेयप्रवीन अर्धद्रोणलेदुग्धपकाय मंदअग्निमावाकरषाय अधप्रस्थघृतमाभुंनलेय दोयप्रस्थखंडचाशकरेय ताइकठसंगउोषधपावे त्रिकुटाचतुरजातसामिलावे चित्रचवकअरुपिपलामूल विलकथसौंफकचुरसमतूल जवायणदोअसगंधसुल्याय कटुसौंफ हलदीर्जीरातिहपाय धमनीपाठाफालतेमंगावे पुहकरमूलभषडेसंगपावे बालाअमलतासलेयवर देवदारुसतावरसंगधर विधारासर्ववस्तुपरमान कर्षकर्षइहलेयसुजान महीनकूटछानवनावे मावे संगमेलकरखावे वातव्याधिआनाहकटिग्रह शूलसोथप्रदरउरूग्रह अफारागुल्मरोगहरस्वास आमवातहिडकीफुनकास हृदयरोगअर्दितआक्षेपक मन्यास्तंभगृध्रसीअपतानक हनुस्तंभएतेदुःखहरे पलप्रमाणजोप्रातहिचरे ॥ इतिएरंडपाकः ॥

॥ अथस्वेतवतीपाकः ॥

॥ चौपे ॥ स्वेतवतीपुष्पहजारमंगावे प्रस्थघृतहिमोंताहिभुनावे तज्जतमालपत्रअरुलाची नागकेसरपल पललेसाची षटपलसाउगीमर्दरपलएक मिसरीपचासपलचासकरसक अभ्रकसारकर्षपरमान खुराक-कर्षतिहजानसुजान अजीर्णज्वरक्षयकासपरिहरे मंदाग्निप्रमेहशिररोगाहिटरै अर्धरात्रदिनज्वरजोहोवै-प्रदरकुष्ठअर्शइहखोवे नेत्ररोगमुखरोगाविकार रक्तइत्यादिरोगसभटार ॥ इतस्वेतवतीपाकः

॥ अथगुलावपाकः ॥

॥ चोपई ॥ हजारपुष्पगुलावमंगवाय प्रस्थघृताहेमोताहिपकाय प्रस्थप्रमाणजु मिसरीसंग औरवस्तु-इहपायसुचाग तमालपत्रदालचीनीपाय नागकेसरसवपलपलल्याय प्रस्थएकमखीरपुनपावे इकठे-मेलकरपाकवनावे पलप्रमाणखायनितजोय वीर्यअधिककरतहैसोय मूत्रघातमूत्रकृछ्रविडारे शुक्र दोषपितरोगनिवारे ॥ इतिगुलावपुष्पपाकः ॥

॥ अथजीरापाकः ॥

॥ चोपई ॥ प्रस्थप्रमाणजीरामंगवावे दोआढकदुधमाहिपकावे खोयावनायअर्धघृतप्रस्थ मंदअग्नि-भुनवायप्रशस्थ खंडदोयप्रस्थतिहपाय चातुर्जातकमघांरलाय सुंठहरडजीरासितलेय वालादाडिम रसोंतमिलेय धनियांहलदीअरुवंसलोचन अर्धअर्धपलपायविचक्षन कूटछानसवकठेकरे पाकवना-यपात्रमोधरे अर्धपलहिजोनितप्रतिखावे स्त्रीकोप्रदररोगमिटजावे वातपित्तदुर्गंधमुखजाय प्रमेहमूत्रकृछ्र जीर्णमिटाय दाहपीनसहरपुष्टीकरे वलआरोग्यवीर्य्यवृद्धीधरे इतिजीरापाक ः ॥

॥ अथजवायनीपाकः ॥

॥ चोपई ॥ जवायणप्रस्थप्रमाणजोल्यावे आढकदूधमंदाग्निपकावे प्रस्थघृतहिमोंताहिभुनाय. गुडहिप्रस्थतामोऔटाय त्रिकुटाइलदीवायविडंग हरडहोवेरभषडेसंग खदिरजातिफललवंगहिपाय पलपलभरसवमानधराय कूटपीससभकठकराय प्रतिदिनसेवनेकदुखजाय पलप्रमाणषावेनितयाको सर्वभ्रातरोगहरताको मंदाग्नीतनदूरनिवारे दीपनअग्निकरेमनधारे इतिजवायनीपाक ः ॥

॥ अथखांड्यत्वरोगेपथ्यापथ्यकथनम् ॥

॥ चौपै ॥ शालीशठीतंडुलजानो गोधूममाषपुनपथ्यपछानो क्षीरशर्करागोघृतजोई वदामछुहारेपथ्यहैसोई वनमृगपक्षीकोरसमास द्राक्षगिरीपुनपिस्तातास मधुरस्निग्धजोवस्तूजेती सोसभपथ्यपछानोतेती वुटणामर्दनतैलफुलेल चंदनगंधसुगंधकामेल भूषणवस्त्रवागविहार गीतध्वानिपुनपथ्यविचार ॥ अथअपथ्य ॥ चौपै ॥ अम्लरूक्षविदाहीतीक्षण अपथ्यजानतुमइनकाभक्षण क्रोधशोकपुनचिंताजोई मलिनअंगपुनजानोसोई ऋतऋतकेआहारविहार उनतेंभिन्नअपथ्यविचार अवरवहुतनहिकरेवषान ग्रंथवृद्धिकाभयसुमहांन ॥ इतिअपथ्यं ॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यखांड्यत्वकेकीनातासउचार इनतेंभिन्नजुउोरहेसोसभलियोविचार

॥ अथखांडयत्वरोगकर्मविपाक ॥

॥ चौपै ॥ छेदेपुष्पकिसीकेकोई दूसरेजन्मनपुंसकहोई ताकेदोषनिवारणअर्थ इहउपायकरेजुसमर्थ अर्धनारीश्वरकेजुयाग तातेंदोषनिवृत्तिपाग नीलवृषदकोंपूजैसोई विधीजुतासवतावोंतोहि रजतजुलेवेपलपरमान मूरतशिववनवायमहान भागचतुर्थसुवर्णजुआने गौरीमूरततिसकीठाने विवाहविधीतिनकीकरवाय ऊपरवस्तरपीतउढाय आढकतीनजुतंडुलल्यावे ताऊपरदोयमूर्त्तीवेठावे गंधपुष्पनैवेद्यचढांय धूपदीपसभआनजगाय भूषणवस्त्रसुअंगसुधारै वेदघोषतापासउचारै जागररात्रीकरेनरपूजा वेदघोषविनअवरनदूजा पूजामेंयहमंत्रउचारे सोंहमालिखियेग्रंथमंझारे ऊँनमोर्धनारीश्वरायशूलपाणयेनमः नमः शिवायैशिवशिबवल्लभाये नवप्रस्यात्ममकर्मजातंखंडत्वदोषं प्रशमंकुरुष्वशिवप्रियेसर्वसुखप्रदासि इसविधपूजाकरेमहान यवतिलघृतयुतकरेस्नान श्रद्धायुतयहप्रतिमादोय बेदविप्रकोंदेवेसोय खंडभावमिटजावेतास पुरुषभावतिसहोतप्रकास ॥ इतिकर्मविपाकः

॥ अथखांडत्वरोगेज्योतिष ॥

॥ चौपै ॥ सप्तमघरकास्वामिजोय युक्तशुक्रकरजानोसोय तातेंपुरुषनपुंकजानो शुक्रदोषसभपीडामानो शुक्रकेदोषनिवार्णकार्ण जपपूजापाठकरेजुविचार्ण शुक्रमंत्रआवाहनकरावे उदुंबरसमिधावनवावे तातेंरोगनपुंसकजाय पारिजातमतादियोंवताय ॥ अन्यच ॥ जातकालंकारे. ॥

॥ दोहा ॥ षट्योगनपुंसकभावकेकीनेग्रंथउचार सोहमकहुंजुताहिकेलीजोतासविचार ॥

॥ दोहा ॥ जन्मकुंडलीकेविषैसूर्यचंदहेदोय परसपरदृष्टीताहिकोकरेनपुंसकसोय वापरसपरबुधशनीदेषेंदृष्टीजोय तातेंहोतक्लीवतायोगद्वितीयाहोय ॥ चौपई ॥ समघरगतबुधशनीजुजानो भूमीसुतकरदेषितमानो तातेंहोतक्लीवतारोग सोसमुझोतुमतसिरयोग विष्मराशिघरचंद्रमाजानो अथवाविष्मलग्नतुममानो भूमीसुततिसदेषितहोइ योगचतुर्थाजानोसोइ युग्मराशीघरशशिबुधजानो भूमीसुतकरदेषितमानो रोगनपुंसकतातेंहोय योगपंचमाजानोसोय पुरुषराशीपरशुक्राहिजानो पुरुषलग्नवोदेषपछानो पुरुषराशीघरचंद्रमाहोय यहषटयोगजानतुमसोय ॥ अथउपाय ॥ चौपई जिनजिनग्रहकादेषेयोग तिनतिनग्रहकाकरैप्रयोग सोसोविधसभलियोविचारी ग्रंथवृद्धिवनाहिउचारी

॥ इतिज्योतिषम् ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांपाकाध्यायकथनंत्रामद्विषष्टितमोऽध्यायः ६२

॥ अथरसाधकारनिरूपिणम् ॥

॥ अथसतिभंजीरसः ॥ चौपई ॥ शिंगरफसैंनिकसाजोपारा पंचटंकताकोलेप्पारा गंध कशुद्धतामिरवरल्याय सुंठमिरचपीपलदरसाय सुद्धसुहागापंजपंजटंक सिंगीमहुरालेदोटंक सबहि- पीसअतिप्रीतलगाय चित्रकरसकीत्रपुठचाय आद्रकरससातोपुठकहे पानरसहित्रेपुठसुलहे इकदोग. तीताहिप्रमाण गोलीबांधेचतुरसुजान बालकबूडाइस्त्रीहोई इकरत्तीदीजोतबसोई दोरत्तीजोहेबल- वांन मात्राकोजहनिश्चामान कफज्वरसीतहरैसबवात रोगहरैबुतिकराविख्यात इतिसीतभंजीरसः

॥ अथपंचवक्त्रनामरसः ॥

॥ सन्निपाते ॥ चौपई ॥ शिंगरफसैंनिकसाशुद्धपारा पंचटंकलेमेलैप्पारा गंधकशुद्ध सिंगीमहुरापाय शुद्धसुहागामघमिलाय कालीमिरचप्रमानविचार पंजपंजटंकलेहुसह्मार गंधक- पारांकजलीकीजै औषधऔरसुपीसघरीजै कजलीकरपाराफुनडार खरलवीचसबऔषधधार बीज धतूरेछैलजुलीजे चारघडीतिहखरलकरीजे रत्तीप्रमाणगोलीतिहकरे आद्रकरससोंरोगहिहरै सन्निपा, तज्वरहोवेनास ऊपरदधीभातहिततास ॥ २ ॥ इतिसन्निपातहरपंचवक्त्ररसः

॥ अथस्वछन्दभैरवरसः

॥ चौपई ॥ सिंगीमहुरागंधकपारा तीनोशुद्धलेहुसमप्पारा पांचोपांचटंक- सौलीजैं औरऔषधीतामोंदीजैं जैफलटंकदोइपरमांन दसोटंकमघसंगपछांन पारागंधककजलीक- रिए औषधमेलखलमैंधरिए आद्रकरससोंखलकराय एकदिवसनिश्चैमनलाय गोलीरत्तीएकप्रमांन. सेवनकरैसन्नकीहांन सीतज्वरविशूचिज्वरजाय विष्मज्वरमंदाग्निनसाय स्वछंदभैरवनामकहायो वैद्य रहस्यग्रंथमतभायो ॥ इतिस्वछंदभैवरवरसः ॥

॥ अथचिंतामणिरसः ॥

॥ चौपई ॥ शुद्धपारागंधकशुद्धल्याय अभ्रकतामिश्वरहिमिलाय मघसुंठमिरचहरडकीछाल बहेडे- छालआमलेनाल शुद्धजमालगोटाफुनपाय सबसमघरलमांहिधरवाय आर्द्रकरससोंखरलदोपहिर पाछेखरलकरधूपमोंधर रत्तीगोलीताहिप्रमाण आठोज्वरसोकरहैहान उदरशूलअजीर्णविनाशै आमवातहरज्योतिप्रकाशै ॥ ४ ॥ इतिचिंतामणिरसः ॥

॥ अथकालारीरसः ॥ वातसन्निपातेः ॥

॥ चौपई बारांमासेशुद्धपाराल्याय वीसमासेशुद्धगंधकपाय सिंगीमुहुराबारहिमासे कालीमिरच- तिहवीसजुमासे पीपलचालीमासेमान लवंगसोसोलांमासेजान वीजधतूरेत्रयोदशमासे शुद्धसुहगा- वीससोमासे जायफलअकरकराजहदोय वीसवीसमासेइहहोय प्रथमतुद्धिसोंयाविधिकरे पारागंध- ककजलीधरे सभऔषधमहीनकरपावे खरलपाइत्रैदिनरगडावे आद्रकरससोंइकादिनकीजे दूसरदिनाने वूरसदीजैं तीसरादिनकदलीरसपाय रत्तीगोलीताहिबंधाय वातसन्निपातज्वरजावे योगचिंतामणि जुगतबतावे इतिकालारिरसः ॥

॥ अथत्रिपुरभैरवरसःसन्निपाते ॥

चौपई सुंठचारपैसेभरमान कालिमिरचताहिसमआन शुद्धसुहागापैसेत्रैभर महुराशुद्धइकपैसाति हधर इन्हसबकोजुमहनिपिसाय निंबूरसत्रैदिनखरलकराय पांचदिवसफुनआदरकरससों तीनदिव सफुनपानहिरससों तिहपाछेफुनिगोलीकरे इकरत्तीपरमानसोधरे आद्रकरससोंगोलीखाय सन्निपात कोरोगनसाय इतित्रिपुरभैरवरसः

॥ अथसंज्ञाकररसः सन्निपाते ॥

चौपई सिंगीमहुराशुद्धकराय सैंधाकालीमिरचहिपाय रुद्राक्षकंडेआरीकाफलआन महुआसमुद्र फलसमठान पीसमहीनअर्कखारपुटदेय तीनपुटनकरयुक्तसुलेय एकवारयादोत्रैवार काननासि काऊरधार फूकदेयतौसंज्ञाहोय सन्निपातदूरकरसोय ॥ इतिसंज्ञाकररसः ॥

॥ अथमृतसंजीवनीगुटीरसः ॥ सन्निपाते ॥

चौपई शिंगरफकाशुद्धपारादोटंक शुद्धसुगंधकपावैत्रैटंक तामेश्वरचारटंकपरमान शुद्धसुहागादो टंकाहिजान सिंगीमहुराशुद्धइकटंक कालीमिरचमानचतुटंक पारागंधककजलीकरै फुनसबऔ षधखरलहिंधरै भ्रह्मीरससोइकपुटदेय आद्रकरसकोदोपुटलेय सौंठमिरचपीपलऔटाय तारसकी इकपुटदेचाय चित्रकरसकीइकपुटदेवै पाछेसमस्तमेलकरलेवै रत्तिगोलीमात्रामान आद्रकरससों खायसुजान सन्निपातमूर्छाकोहरै मृतकपुरुषकोजीवतकरै आमवातवायूकोशूल विषमज्वरसान्नि पातनिर्मूल मंदाग्निसवहंविनास रसमंजरीमैंकीनप्रकास ॥ इतिअमृतसंजीवनीगुटीरसः ॥

॥ अथब्रह्मास्त्ररसः ॥ सन्निपाते ॥

चौपई पाराभस्मत्रैटंकप्रमान गंधकशुद्धत्रैटंकमिलान दोनोसमासिंगीमहुरापाय तीनोसमकालीमि- चरलाय सभमिलायखरलमोलेवै सातोसातपुठसोदेवै कलिहारीकेवलकलरससात ज्वालामु खीकोरसपुटसात अद्रकरसमोखरलेजोय सतपुटदेवैहितकरसोय इकीपुटइहताहिवषान गोलीकी जैरत्तीप्रमान सन्निपातकोंगोलीहरै योगचिंतामणियाविधधरै ॥ इतिब्रह्मास्त्ररसः ॥

॥ अयज्वरांकुशरसः ॥ सर्वज्वरे ० ॥

॥ चौपई ॥ संखियामारूवेंगनपाय चौदावारजुअग्निपकाय फुनतिहपीससमदारूपावै पीपलाशीं गरफताहिमिलावै खरलकरराईदाणेप्रमान गोलीवांधेचतुरसुजान गोलेत्रैचतुपांचादिनदेय शीत ज्वरसवरोगहरेय ॥ इतिज्वरांकुशरसः ॥

॥ अथवसन्तमालतीरसः ॥ शीतज्वरे ० ॥

॥ चौपई ॥ सुवर्णवर्कमासापरमान तिहद्दिगुणोवूकामोतीजान भागचारमिरचतिहपावै त्रैभागसिं गरफताहिमिलावै गोमूत्रशुद्धखपरियाअठभाग सवइकठखरलमोपाग महिनपीसकरमाखनसंग पुनर सनिंबूखरलैचंग जवतकचीकनतानाहिमिटे तवतकखरलकरेनहिहटे रत्तीदोवाएकप्रमान गोलीकरै चतुरनरस्यान पीपलअवरसहतकेसंग खायजीर्णज्वरघातनिसंग धातुविकारगर्भाकारोग संग्रहणीमूत्र कृच्छ्रसंजोग श्वासकासप्रदरजोटरे अनूपानसंगरोगहिहरे ॥ इतिवसंतमालतीरसः ॥

॥ अथगंगाधररसअतीसारेः ॥

॥ चौपई ॥ नागरमोथामोचरसलोधर धावैफूलविल्वगिरिरूमधर इंद्रजवहफीमसोधेआपारा शुद्धगंधकलीजेसमसारा पारागंधकखरलमोठेल कजलीकरसबऔषधमेल करेत्रैखरलरत्तीपरमान छाछसंगसेवेमतिमान सिरघूमनसंग्रहणीअतिसार दूरहोयगंगाधरधार इतिगंगाधररसः

॥ संग्रहणीकपाटरसः ॥

चौपई शुद्धगंधकपाराशुद्धआन अभ्रकशिंगरफसारमिलान जाफलविल्वगिरीमोचारस सिंगीमहुरा शुद्धहोइअस षतीससुंठपीपलमंगवाय कालीमिरचधाईफुलपाय घृतमोभुंनहरडकीछाल कैंथअजमोदाचित्रकनाल अनारदानाइंद्रजवपाय धतूरेवीजगजपीपलल्याय हफींमसवनकोसमकरलेय पारागंधककजलिकरेय सवऔषधपीसखरलमोपाय एकपहरतकखरलकराय पोस्तरसाहिसंगगोलीकरिए मिर्च्चप्रमाणमानसोधरिए एकएकपंद्रादिनखाय सन्निपातसंग्रहणजाय अतीसारविसूचिकानाश वैद्यरहस्यमतीपरकाश ॥ इतिसंग्रहणीकपाटरसः

॥ अथबीजबोलवद्धरसः ववासीरे ॥

॥ चौपई ॥ सतगिलोयशुद्धपाराआन शुद्धगंधकवीजवोलपरमान मोचरसपांचोसमकरल्याय पारागंधककजलिकराय फुनइहऔषधमेलपिसावे साहितसोंत्रैमासेनितखावे इक्कीदिनमेखायप्रमान ववासीरअतिसारहोयहान प्रमेहप्रदरभगंदरजाय बीजबोलवद्धरसभाय ॥ इतिबीजबोलवद्धरसः ॥

॥ अथकुठाररसः ॥

॥ चौपई ॥ शुद्धपाराशुद्धगंधकलेय सारशुद्धसिंगीमहुरातेय दंथरचित्रकसुहागाआन विल्वगिरीजवखारपछान सवासवाटंकपरमान तामेश्वरसवात्रैटंकप्रमान कालीमिरचपीपलसुंठीपावे सवादोइदोटंकमिलावे सैंधानोनसवापांचटंकमान वत्तीटंकगोमूत्रहिआन थोहरदूधयाहिपरमान सवहिमिलावैचतुरसुजान कडाहीपायआंचपरधरै मंदअग्नसोंपाकसुकरै जवपिंडीतिहहोयप्रवीन दोमासेकीगोलीचीन गरमनीरसोंगोलीखाय असाध्यसान्निपातदुखजाय ववासीरसवप्रकारकीहरै योगतरंगिणीमतजहधरै इतिकुठाररसः

॥ अथलोहसाररसः ववासीरे ॥

॥ चौपई ॥ कांतलोहवज्रलोहवाआंनै ताकोशुद्धकरैविधठानै तैलतक्रगोमूत्रशोधकर कांजी, त्रिफलारसअग्नधर कुलत्थरसाअकदूधप्रमाण त्रैत्रैपुटदेचतुरसुजान पुनवुझायऔषधरसमाहि तसकरहिशोधनइहताहि रेतीसंगतिहचूरणकरै मारनविधसोआगेधरै पांचसेरअरुवारहितोले लोहचूर्न. खरलमोरोले त्रिफलारसचारसेरप्रमाण पहरएकतिहखरलकरान पात्रपायऊपरढकलेय ढाईमनगो. हेगजपुटदेय तीनपुटयाहीविधदीजै तौवांसारसचारसेरलीजै सोभीडारखरलकरवान ढाईमनग. जपुटपरमान दोपुटयाकीइहविधदेय पंचगजपुटइहरीतसुलेय फुनत्रिफलेरसदोसेरमंगाय शिंगरफसोलां' तोलेचाय दोनोमिलकरखरलकराय प्रथमचालपरगजपुटचाय इसीरीतसेदोपुटलेय आगेविधीडौ. रसुनेतेयु अनारपत्तरदोसेरप्रमान शिंगरफसोलातोलेजान गजपुटतीनयहरीतहिचाय दसपुटमाहिसि.

ढहोइजाय पीपलवासहतकेसंग एकरत्तीइहखायनिसंग प्रथमहिशिवजीमंत्रसुपडै तांपाछेभक्षणइहकरै ॥ मंत्रः ॥ ॐअमृतंभक्षयामिस्वाहा जोनरयाकोसेवनकरै तीनमासतकवलवहुधरै ववासीरहरपुष्ठ' वहुहोय वृद्धजुवावस्थाफुनजोय जोकोअनूपांनसंगखाय तैसेरोगदेहीनरहाय

॥ इतिलोहसाररसः ॥

॥ अथउन्मत्तरसः सान्निपातेः ॥

॥ चौपै ॥ पारापंचटंकपरमान गंधकताहिसमानहिजान दोनोकोकजलीकरवावै दोनोसमयह. औषधपावे सोंठमिरचअरुपीपलठेल पीसमहींनपांचोकरमेल धतूरेफलरसत्रैपुटदेय एकदिवसखरलकर लेय नासादेयसन्निपातनिवारै उनमत्तनामरसग्रंथउचारै ॥ इतिउन्मत्तरसः

॥ अथपर्पटीरसः ॥

॥ चौपै ॥ शुद्धपाराशुद्धगंधकल्याय दोनोसमकजलीकरवाय सोकजलीघृतसोंचुपडावै द्विगणा बीजावोलमिलावै रगडजुटिगडीताकोकरै सोंटिकडीलोहपात्रमोंधरै आंचदेयपतलीकरवाय केलेपत्र' परतिहढलवाय पपडीकरैताहिकोजानो पर्पटीरससोयाहिवखानो पंद्रादिनसोधनइहकरैं तीनरती- निताप्रतीचरै ववासीरसन्निपातनिवारै वैद्यविनोदमोयाहिउचारै इतिपर्पटीरसः

॥ अथक्रव्यादिरसः अजीर्णे

॥ चौपै ॥ शुद्धगंधकढाईटंकप्रमान डेढटंकापाराशुद्धज़ान सारपंचटंकआनधरीजै तामेंस्वरंपच टंककरलीजै गंधकपाराकजलीकरै दोनोतिहकजलीमोंधरै खूवमिलाईलोहप्रात्रपाय अग्नीदेयता- हिपिघलाय चतुरएरंडपत्तोंपरडारै खरलडारमहीनापिसारै पुनशत टकेरसनिंवूपचाइ शतटकेवि, जोरिरसपुनपाइ जवैपचैरसतौइहकरै इनऔषधरसतामोधरै पीपलपिपलामूलचव्यल्याय चित्रकसौं ठकाढाकरवाय पचासपुटताहूकीदेय जवसूकेतववजनकरेय ताहिसमानसुहागाभुंनडार कालालवन- अर्धतिहडार जोवजनसभ्रामिलायकरहोइ तोतीकालीमिरचातिहजोइ फुनचनेखारसोंसतपुटदेय सुं दरपात्रमोंताहिधरेय दोमासेइहरसकोखाय गोमठासैंधासोंमिलाय याकोपीयअजीरणहरेय जोअतिग रिष्टभोजनपरदेय तत्क्षणपाचनकरहैतेय औररोगयहनासकरेय गोलाअफारफियादिकरोग उदरकेरो गनिवारैसोग इतिक्रव्यादिरसः'

॥ अथज्वालानलरसः अजीरणे.

॥ चौपै ॥ जवखारसज्जीसुहागाआन शुद्धपाराशुद्धगंधकठान पीपलपीपलामूलचव्यवर चित्रि- कसौंठसववस्तूसमकर सवहिप्रमाणभुनभंगसुपाइ भंगअर्धजढसुहांजनल्याइ भंगकेरससोखरलसभ- करै एकदिवसरसातिसमेंधरै रससुहांजनेइकदिनघोट चित्रकरससौंदिनइकघोट धूपसौंकाइढाकधर चाइ ऊपरटाकूदेयवनाइ कपरोटीकरगजपुटदेय सतदिनआदरकरसखरलकरेय एकरतीवादोपरमान सहितामिलायसोकरहैपान ऊपरगुडकाक्राथसुपीय तत्कालसवअजीरणहरलीय अतीसारसंग्रहणीसु- मिटाय अरुचिवमनकफरोगनसाय क्षुधावढायपुष्टअतिकरै ज्वालानलरसनामसोधरै इतिज्वालानलरसः

॥ अथरामवाणरसःअजीरणे ॥

चौपै शुद्धपारापंचटंकपरमान गंधकशुद्धताहीसमजान सिंगीमहुराशुद्धसमलीजै कालीमिरचदस-टंकधरीजै जाफलदोयटंकातिहपाय पारागंधककजलीकराय पांचदिवसकोखरलसुकरै तिंतडीरसकामेल-सुधरै रत्तीप्रमाणगोलीतिहजान एकरतिनितकरैजुपान सातादिवसइहजानप्रमान इसविधखायचतुर-सोजान भूपवढैअजीरणभगजाय रामवाणरसकह्योवनाय ॥ इतिरामवाणरसः ॥ २१ ॥

॥ अथजीरणकंटकरसःअजीरणे ॥

॥ चौपई ॥ भूनासुहागादोटंकप्रमान पीपलदोयटंकभरआन सिंगीमहुरादोइठंकभर हिंग-कालीमिर्चदोदोटंकधर सवमहीनपीसकरलेय निंवूरससोंखरलकरेय दसादिनअंतरखर्लइहकरै मटर-प्रमाणगोलीतिहधरै एकदोगोलीनितप्रतिखाय ऊपरजलसीतलापिलवाय अजीरणविशूचिकाहोवे-नाश अजीरणरसइहाकियोप्रकाश ॥ इतिअजीरणकंटकरसः ॥ २५ ॥

॥ अथक्षुधासागररसःअजीरणे ॥

॥ चौपई ॥ सौंठमिरचकालीअरुपीपल त्रिफलापांचलौनलेनिश्चल भूनासुहागाजवखारहिआन सज्जीशुद्धपारासुमिलान शुद्धगंधकअरुसिंगीमहुरा इनसवसमलेचतुरनरधीरा पारागंधककजलीक-राय फुनऔषधसवपाइरलाय आदरकरसकीसतपुटदेय रत्तीवजनगोलीसुकरेय लवंगक्काथसंगगोली-खाय अजीरणरोगतत्क्षणामिटजाय क्षुधावधायअग्नतिहकरै क्षुधासागररसकोयोधरै ॥ इतिक्षुधासागररसः

॥ अथअमृतहरीतकीरसःक्षुधाकर ॥

॥चौपई ॥ वडीहरीडइकशहितमंगाय गोकेदधीसंगऔटाय गिटकानिकालइवछकरलीजै सुंठमि-रचंकालीजुधरीजै पीपलचव्यचित्रकदालचीनी पांचनोंनजवखारहिंगभुनी सज्जीदोनोजीरेमंगवा-य त्रिवीअजमोदसमानसवल्याय पीसमहीननिंवूरससाथ दसपुटदेयचतुरनरगाथ सभसमानतिह-चोकामिलावे भिन्नकाढकरधूपसुकावै एकहरडप्रतिदिनजोखाय अजीरणमंदाग्नीनरहाय उदररोगगो-लाअरुशूल संग्रहणीवद्धकोष्टनिरमूल अफाराआमवातसुनिवारै क्षुधावधायस्वछमनधारै अमृतहरीत-कीरसहेनाम वैद्यविनोदजाहिकोधाम ॥ इतिअमृतहरीतकीरसः ॥

॥ अथअग्निकुमाररसःविशूचिकादि ॥

! चौपई ॥ भुनासुहागाल्यायपंचटंक पारागंधकपंचपंचटंक शुद्धसिंगीमहुरपंचल्याय पीलीकौ-डीराखमंगाय सज्जीपीपलसोंठप्रमान कालीमिरचदोदोटंकजान पारागंधककजलीकरै इहदा-रूसभवीचसुधरै रसजंभीरीखरलकराय आठदिवसमोंताकोचाय रत्तीप्रमाणगोलीफुनकरै तिहगो-लीविशूचिकाहरै ॥ इतिअग्निकुमाररसः ॥

॥ अथपुनर्नवादिमंडूररसः ॥

॥ पांडुरोगे ॥ चौपई ॥ मंडूरहिगोमूतरकेसंग एकटंकगुडताकेसंग तिहपकायजोचतुरसुजान खायपांडुरोगहतमान इटसिटजढत्रिविचित्रकआन सौंठमिरचपीपलफुनठान वायविडंगदालहल्द-मंगाय कुठहलदीत्रिफलाचव्यपाय दंतिइंद्रजवपिपलामूल कटुकीनागरमोथातूल ककडसिंगीखु

रासांनीअजवान कायफलदोदोटंकपरमान महीनपीससोछानकराय हनाताहिमंडूरमिलाय अष्टगुणा गोमूत्रपकावै टंकप्रमाणगोलीवंधवावे एकएकगोलीदधिसाथ पंद्रादिनजोखायप्रभात पांडुरोगका मलानिवारे हलीमकस्वासकासफुनटारै राजरोगज्वरसोथमिटाय शूलफियाअफरानरहाय बवासी रसंग्रहणीनिवारै कृमिअरुवातरक्तकोटारै कोढइत्यादिरोगहोयनास पुनर्नवादिमंडूररसतास ॥ इतिपुनर्नवादिमंडूररसः ॥

॥ अथराजमृगांकरसःराजरोगे ॥

॥ चौपई ॥ मारापारात्रिभागमंगावैं सुवर्णभस्मइकभागधरावै मनाशिलएकभागसोडार गं-धकशुद्धइकभागविचार चारोभरकौडीमंझार अधिकहोएतौअधिकविचार फुनवकरीदूधसु-हागाल्यावे कौडीऔंकोमुखवंदकरावै सोकोडीकुंजेमोधरै मुखकुजेकावंदसुकरै गजपुटआंच-देयशुभकार शीतलहोयतोवाहरडार चाररत्तीप्रमानानितखावै एकमासतकनेमकरावै वर्धमान. पीपलसंगकहिये सवातीनपीपलसोलहिये अथवामधूमाखनसोंखावै इक्कीदिनतकपथ्यधरावै राजरोगअवश्यमिटजाय राजमृगांकरसकह्योवनाय ॥ इतिराजमृगांकरसः ॥

॥ अथकुमुदेश्वररसःराजरोगेः ॥

॥ चौपई ॥ शुद्धपारापंचटंकप्रमान शोधीगंधकताहिसमान अभ्रकशुद्धपंचटंकधरीजै सिंगरफ-दोयटंकसोलीजै मनसिलदोयटंकफुनजान पारागंधककजलीमांन फुनइहऔषधलेयमिलाय खरलवीचसभहीकोपाय सवसेआधासारमिलावै सतावरिरससोंखरलकरावै चौदापुटहिताहिकोदेय फुनरत्तीदोनितप्रतिलेय मिश्रीसाथप्रातउठखाय राजरोगकफवातपितजाय कुमुदेश्वररसकह्योवनाई वैद्यरहस्यमोयहाविधिगाई ॥ इतिकुमुदेश्वररसः ॥

॥ अथकपरदिकेश्वररसः ॥

॥ ॥ चौपई पारागंधकसमकजलीकीजैं पीलीकौडीमोंभरलीजैं भूनसुहागाकौडीमुखजोडे कुज्जेमोंधरगजपुटछोडे सीतलहोयतवलेहुनिकार रतीप्रमाणसेवदुखटार राजरोगश्वासकासाविडारें संग्रहणीज्वरअतिसारानिवारे कपरदिकेश्वररसयांकोनाम रुद्रदत्तमोकियोसुनाम ॥ इतिकपरदिकेश्व-ररसः

॥ शुद्धसिलाजीतरसःराजरोगे ॥

॥ दोहा ॥ शुद्धसिलाजितआनकेसेवनकीजैतास राजरोगमिटजातहैकह्योग्रंथमतजास ॥ इति-शुद्धसिलाजीतरसः ॥

॥ अथपंचामृतरसःराजरोगे ॥

॥ चौपई मृगांकरूपरसफुनतामेश्वर पाराभस्मअभ्रकसमइहधर तौपुटदेइनऔषधसंग देयप्र-थमपुटवायविडंग नागरमोथकांफलएक अरनिर्गुंडीजानविवेक दशमूलीचित्रकहल्दीठान सुंठमि-रचकालीपरमान नौपुटएहप्रमानसुदीजै अर्धरत्तीगोलीतिसकीजै एकगोलीनितप्रातजोखाय राजरो-गखांसीमिटजाय फियागोलाइत्यादिकहरे पंचामृतरसयाविधधरे सारसंग्रहमोकियोवपान निश्चैक-रकेमनमोआन ॥ इतिपंचामृतरसः ॥

॥ अथसमूहरसःकासरोगे ॥

॥ चौपई ॥ पाराएकटंकमंगवाय शोधीगंधकदोटंकपाय पीपलतीनटंकपरमान हरडछाल-चारटंकाहिजान चारोंटंकवहेडोछिलके ककडसिंगीपंचटंकले महीनपीसकरसवहींजोय वंबूलछालकाथपुटदोय टकेप्रमाणगोलीतिहकरै गोलीखायफुनकाथसुचरै सुंठकाथसोंकासनरहे समूहरसग्रंथसुनामसोकहे ॥ इतिसमूहरसः ॥

॥ अथआनंदेश्वरभैरवरसः ॥

॥ स्वासिक्षयरोगे ॥ चौपई ॥ शुद्धपाराशुद्धगंधकल्याय शिंगरफशुद्धसिंगीमहुरापाय सोंठमिरच' कालीअरुपीपल भुन्नसुहागासमसभहीमल पारागंधककजलीकरै पाछेसभहीऔषधधरे भंगरेरससोंखरलकरीजै एकदिवसताहींसंगभीजै तीनदिवसखरलपरमान विजोरेरसकरताहिमिलान अर्धरत्तीमात्रातिहजानै दसदिनखायखांसीहतमानै क्षयीसंग्रहणीअरुसन्निपात मृगीआदिरोगसवघात आनंदभैरवरसइहकह्यो ग्रंथमतांतसर्वसोलह्यो ॥ इतिआनंदभैरवरसः ॥

॥ अथस्वासकुठाररसःस्वासरोगे ॥

॥ चौपई ॥ पारागंधकशुद्धमंगाय सिंगीमहुराशुद्धफुनपाय भुंनासुहागामनसिलल्याय कालीमिरचसुंठपीपलपाय ढाईढाईटंकसमधरै पारागंधककजलीकरै जहसवऔषधदेयमिलाय आद्रकरससोंइकपुटचाय रतीखायस्वासहतजाय स्वासकुठाररसकह्योवनाय ॥ इतिस्वासकुठाररसः ॥

॥ अथसूर्यावर्तरसःस्वासरोगे ॥

॥ चौपई ॥ पारागंधकअर्धभागधर समइनतामेइवरसंगकर तीनोंकारकंदरसखरले तांवेसंपुट-माहिसुधरलै वालूजंत्रइकदिवसमंझार अग्नदेयशुद्धकरैअपार एकरत्तीजोनित्तहीखाय स्वासरोगकोदेगहटाय ॥ इतिसूर्यावर्त्तरसः

॥ अथमहोदधिरसःस्वासववासीरे ॥

॥ चौपई ॥ पारागंधकशुद्धकराय शुद्धसारतजपत्रधराय कालीमिरचसोंठफुनलीजै नागकेसरनागरमोथादीजै वायविडंगसम्हालूल्याय कवीलापीपलमूलरलाय पारागंधककजलीकरै सवऔषधपीसताहिमोधरै जलपीपलरससोंत्रैपुटदेय चणेप्रमांणगोलीकरलेय नित्यखायरोगीहिजोय स्वासकासनासतिसहोय ववासीरसंग्रहणीहरै भगंदरहृदयरोगसवटरै पसलीशूलसंग्रहणीजाय उदररोगप्रमेहनरहाय महोदधिरससभरोगहिहरै सर्वसंग्रहमोयोंउच्चरै ॥ इतिमहोदधिरसः ॥

॥ अथअमृतार्णवरसः स्वासे ॥

॥ चौपई ॥ पारागंधकशुद्धकरावे सारसुहागानालरलावे रासनाविडंगत्रिफलाआन देवदारु कालीमिरचसुजान सुंठपिपलीगिलोयमंगावे कमलगठेशुद्धमहुरापावे पारागंधककजलीकरै फिर, सभसमऔषधतिहधरै पीसमहीनताहिजुरलावे सहितसंगतिसवटीवनावे गोलीरत्तीकोजुवंधाय' स्वासरोगसर्वमिटजाय अमृतार्णवरसजहिवषानो वैयरहस्यमोइहविधजानो ॥ इतिअमृतार्णवरसः ॥

॥ अथमेघडम्बररसःस्वासहिडकीरोगे॥

॥ चौपई ॥ पारागंधकसमदोल्याय कजलीकरेखरलमोपाय चौलेरीकेरसंखरलसुकरै पांचादिवसतकमर्दनधरै वज्रमूसीमोताहिधरीजै वालूयंत्रइकदिनमोदीजै याहिरत्तीदोपानसंगषाय हिडकीस्वासरोगनरहाय मेघडंवररसयाकोकहै रुद्रदत्तग्रंथमोत्र्प्रहै ॥ इतिमेघडम्बररसः ॥

॥ अथअग्निकुमाररसःअरुचीमंदाग्निरोगे ॥

चौपई जवखारसज्जिसुहागाआन पांचोनोनइहसमकरठान कालीमिरचपीपलीमंगावे भीमसैनीकपूर त्रिफलातिहपावे लवंगचव्यचित्रकसारधरीजै अनारदानाआद्रकातिंतडीलीजै इकइकवस्तुवरावरल्याय महीनपीसकरखरलमोपाय अजवाइनक्राथतीनपुटदीजै निंबूरसपुटपांचकहीजे अमलवेतरसत्रैपुटदेय चणेप्रमाणगोलीसुकरेय नित्यखायेतोअरुचीविनाशै मंदाग्निगुल्मप्रमेहसवनाशै खांसीकफरोगोंकानाश अनूपानमनहोतप्रकाश अग्निकुमाररसयाकोनाम ग्रंथसारमोयाहिसुवाम ॥ इतिअग्निकुमाररसः

॥ अथचंद्रकलारसःदाहअम्लपित्ते ॥

॥ चौपई ॥ पारागंधकशुद्धमंगाय तामेश्वरअभ्रकसमतिहपाय तोलातोलासवहिधरीजै गंधकपाराकजलिकराजे फुनडारैदोनोंसमभाय नागरमोथरसखरलकराय इकपुटताहिकीसोदीजै मीठेअनाररसइकपुटलीजै वडअंकुरएकोपुटचाय चंदनरसकोइकपुटलाय सहदेवीरस्कीइकपुटदीजै दापरसहिकीसातोलीजै फिरछायामोताहिसुकाय चणेप्रमाणगोलीजुवनाय नितइकगोलीपानकरैजो दाहाअम्लपित्तहरैसो मूत्रकृच्छ्रप्रदरप्रमेहानिवारै इनसवरोगनतुर्तविडारै चंद्रकलारसनामइहकह्यो ग्रंथसुमुच्चयमाहिइहलह्यो ॥ इतिचंद्रकलारसः ॥

॥ अथआमवातारिरसः आमवातरोगे ॥

॥ चोपई पारागंधकशुद्धद्वयल्याय सौंठकौडत्रिफलातिहपाय अमलतासससमभागमंगावे हरडछालसवात्रिगुणपावे पारागंधककजलीकरै औरउौषधीपीसमुधरै खूवामिलायगोलीतिहचाय माषप्रमाणताहिदरसाय सौंठअेरंडजढक्राथसुकरै तासंगखायआमवातकोहरै आमवातरसकह्योवनाहि एतेवर्जकहेइसमाहि दहीदूधमछीनहिखाय गुडअरुमांसमापनहिभाय भावप्रकाशमतकह्योवनाय निश्चैकरकैमनमोल्याय ॥ इतिआमवातरिरसः ॥

॥ अथवातेश्वररसः सर्ववातरोगे ॥

॥ चौपई ॥ शुद्धगंधकपांचटंकमंगावै तामेश्वरतिहसमकरपावै पाराढाईटंकप्रमान सारदोयटंकतामोठान चारोमेलकजलीकरलीजै एरंडपातपरडालसुदीजै पीसखरलमोइहसंगपाय पीपलपिपलामूलचव्यरलाय चित्रकसुंठकाढाकरवाय तिहकाढेकीसोलांपुटचाय वहेडेरसकीवीसपुटदेवै गिलोयरसकोसोदसपुटलेवै फुनोवजनसमऊौषधमान भुंनसुहागाताहिमिलान अर्धसुहागेविडलौनतिहडाले कालीमिरचतिहसमफुनघाले मिरचसमानइहचारोपाय सौंठपीपलीत्रिफलाभाय लवंगपीससवइकरंगकरै इकमापप्रमाणपानसंगचरै सर्वरोगमात्रहरलेय क्षुधाकरैआमवातहरेय कशनरपुष्टअंतसुकरै चाररत्तीजोपानइहकरै कंठपूर्णअन्नपाचनकरै यहगुणरसकेमनमोधरै वातेश्वररसकह्योवनाय सारसंग्रहमोलिखियोचाय॥ इतिवातेश्वररसः ॥

॥ अथतालीकेश्वररसःवातरक्तरोगे ॥

॥ चौपई हरतालशुद्धपत्रमंगवाय इटसिटरससोंखरलकराय दोयदिवसतिहखरलकरीजै गाढाकरटिकीतिहकीजै टिकाधूपधरसघनकराय इटसिटखारठीकरमोपाय टिकीतांकेभीतरधरे चुल्हेचाढ़आंचतिहकरे पांचादिवसदिनरातमंझार मधुरीआंचकरताहिनिवार शीतलस्वांगहोवैगोजवै काढलेयहरतालकोतवै वजनवरोवरस्वेतहोइजाय रतीतांमोलेयचुकाय गुडूच्यादिकाथसंगजोखावै वातरक्तनिर्मूलकरावै अष्टादसकुष्टफिरंगकोवाय विसर्पपामाविस्फोटनसाय लूनखटाईवर्जइसमाहि कटुवारसधूपअग्नीनाहि इनवातोंसेदेहवचावै सैंधालूंनमीठारसखावै तालकेश्वररसकह्योवनाहिभावप्रकाशमोजुगतिहैयाहि ॥ इतितालीकेश्वररसः ॥

॥ अथशूलगजकेसरीरसः शूलरोगे ॥

॥ चौपई ॥ शुद्धगंधकइकवजनमंगाय ताहिअर्द्धशुद्धपारापाय तिहसमशुद्धताम्रजुहोय के८कवेधपत्रहैजोय तीनोमेलखरलकरवाय एकादिवसफुनगोलाचाय हांडीलूंणसंगसोभरे गोलांमध्यताहुमेंधरे तीनदिवसअग्नितिहदेय स्वांगशीतचूर्णकरलेय नागरवेलपत्रकेसंग एकरतीभरखायानिसंग तत्क्षणशूलरोगहोयनाश इहविधकहीसमुच्चयप्रकाश ॥ इतिशूलगजकेसरीरसः ॥

॥ अथगंधकरसः शूलवातरोगे ॥

॥ चौपई ॥ त्रिफलाएकटकाभरलीजै पंचटंकगंधकशुद्धदीजै सारसोढाईटंकप्रमान तीनोमेलसुखरलकरान ढाईटंकसमसाहितमिलाय घृतढाईटंकतामोपाय तीनइकवत्रैमासजुखाय शूलवातदेहीनरहाय औरविकारफोडासवहरै गंधकसाररसइहगुणकरे ॥ इतिगंधकरसः ॥

॥ अथान्यशूलगजकेसरीरसः शूलरोगे ॥

॥ चौपई ॥ कौडीखारशुद्धसिंगीमहुरा सैंधानौनसौंठपीपलथोरा कालीमिरचछेयसमल्याय महीनपीसकरछानकराय नागरवेलरससोंरतीप्रमाण गोलीवांधैचतुरसुजात गोलीखायइकशूलविडारै शूलगजकेसरीरसहिउचारे ॥ इतिशूलगजकेसरीरसः ॥

॥ अथअग्निमुखरसः वातशूलरोगे

॥ चौपई ॥ शुद्धपाराशुद्धगंधकल्याय अभ्रकतामेश्वरहिमंगाय अमलवेतशुद्धसिंगीमहुरा सवसमपीसकरेतिहजोरा आदरकरससोंगोलीकरै रतीतीनप्रमाणसोधरै जलसोंगोलीखायसुकोय वातरोगहरहैसुनसोय ॥ इतिअग्निमुखरसः ॥

॥ अथशंखवटीरसः शूलरोगे ॥

॥ चौपई ॥ वडाशंखलेअग्नतपाय निंवूरसमोताहिवुझाय इकीसवारइहरीतकरीजै तप्तनिंवूरससीतलकीजै चूर्णकरैतिहइम्लीखार एकटकाभरताहिविचार टकाटकाभरकचविडलौन छेछेमासेभरऔषधतीन सुंठमिरचमघकठीकरै भुनीहींगइकटकासुधरै सिंगीमहुराशुद्धप्रमान पांचटंकटकापाराठान गंधकशुद्धइकटकासुलोजे सवकोमहीनपीसकरदीजै पारागंधककजलीकरै सवमिलायइकरंगसकरे गोलीवांधेवेरप्रमान लवंगकाढेसंगचतुरसुजान तत्क्षणशूलहरैसुखहोय शंखवटीरसजानोसोय ॥ इतिशंखवटीरसः ॥

॥ अथशूलदावानलरसः शूलअजीर्णरोगे ॥

॥ चोपई ॥ शुद्धपाराइकटकाधरीजे शुद्धगंधकइकटकालहीजे सिंगीमहुराइकटकामंगाय कालीमिरचपीपलफुनपाय ककडासिंगीटकाटकाजान भुंनीहिंगदोटकेप्रमान पांचोलूनअठटकेसुपावे इम्लीखारअठटकेमिलावे जंवीरीरसजुवुझायाशंख भस्मताहिअठटकेनिसंग पारागंधककज-लीकरे तिसमोसवऔषधफुनधरे निंवूरससोंखरलकराय एकटंकभरगुटीवनाय जलसोंगोलीखाय-जुकोई शूलअजीरणमिटहैसोई उदररोगमंदाग्निविनाश शूलदावानलरसाहिप्रकास इतिशूलदावानलरसः

॥ अथनाराचरसःउदावर्तरोगेः ॥

॥ चोपई ॥ शुद्धजमालगोटामंगवाय पारागंधकशुद्धातिहपाय भुनासुहागासोंठजुपीपल मिरच-सभहिसमानकरनिश्चल पारागंधककजलीकरे फुनसवउौषधतामोधरे पहरखरलकरताहिघुटाय रती-चारामिश्रीसंगखाय उदावर्तअफराहविनासे उदररोगगोलाहरभासे नाराचरसइहकह्योवनाय वैद्यरे हस्यमोप्रगटचिताय ॥ इतिनाराचरसः ॥

॥ अथविद्याधररसःशूलगोलारोगे ॥

॥ चोपई ॥ मनसिलअरहरतालमंगाय रूपामखीतामोपाय गंधकआमलेसारजुलीजे तामेश्वर-तिसमाहीरलीजे पारेसमसवऔषधजाने सोसवपीसमहीनकरछाने पारागंधककजलीकरे उौषधस-वलेतामोधरे पीपलक्वाथरसोदिनएक खरलकरेचातुरवुद्धशेष थोहरदुग्धएकदिनखरले एकटंक-प्रमाणतिहधरले सहितअथवागोमूतरमास खावैगोलाशूलविनास ॥ इतिविद्याधररसः ॥

॥ अथगुल्मकुठाररसःगोलारोगे ॥

॥ चोपई ॥ पारागंधकशुद्धमंगाय भुनासुहागात्रिफलापाय सोंठमिरचकालीअरुपीपल शुद्धहर-तालतामेश्वरनिश्चल सिंगीमहुराशुद्धमंगाय जमालगोटाशुद्धतिहपाय सवउौषधसमलेयप्रमान गंधं-कपाराकजलीकरान पीसामिलायसवउौषधतिसे भांगरेरसकीत्रैपुटाजिसे तीनदिवसखरलसोकरे रती-प्रमाणगोलीतिहधरे आद्रकरससोंगोलीखाय गोलारोगउदरतेजाय ॥ इतिगुल्मकुठाररसः ॥

॥ अथवंगेस्वररसःफीयारोगे ॥

॥ चोपई ॥ पाराशुद्धइकभागधरीजे वंगभस्मइकभागसुलीजे शोधीगंधकचारसुभाग तामेश्वर-भागचारधरआग आकदुग्धदोदिनमंझार खरलकरेपुनगोलाकार पूर्वविधीसोंगजपुटदेय सीतलहोय-सुताकोलेय घृतकेसंगरतीदोइखावे गोलाफियाउदरतेंजावे ॥ इतिवंगेश्वररसः ॥

॥ अथतक्रसंधानरसःफियारोगे ॥

॥ चोपई ॥ सांभरलूनहलदीअरुराई तीनोटकाटकाभरल्याई सउोटकाभरमठापाय वासनमाहि-पंचदिवसटिकाय प्रांचटकेभरादिनादिनपीय फीयारोगदेहीनरहीय ॥ इतितक्रसंधानरसः ॥

॥ अथकूष्मांडरसःमूत्रकृछ्ररोगे ॥

॥ चौपई ॥ पेठेरससोंमिश्रीमिलाय पीवैमूत्रकृछ्रनस्हाय ॥ इतिकूष्मांडरसः ॥

॥ अथलघुकेशरीरसः मूत्रकृछ्ररोगे ॥

॥ चौपई ॥ पाराशुद्धइकभागसुलीजे शुद्धगंधकचारभागधरीजे दोनोकजलीकरैसुधार कौडीभीतरताहीडार भुनसुहागाकौडीमुखलावे सोकौडीकुज्जेमेंपावे गजपुठमोफूकैतिहपाय सीतलहोयसुवाहरचाय तिहकौडीपीसैपरधान रत्तीतांकोलेयसुजान इकदानेमिरचामिलाय घृतसंगखायमूत्रकृछ्रजाय ॥ इतिलघुकेसरीरसः ॥

॥ अथमेघनादरसः ॥ प्रमेहरोगे ॥

॥ चौपई ॥ गंधकपारासुद्धसुलीजे शोधीसोनामखीधरीजे सौंठमिरचपीपलत्रिफलाय सिलाजीतहलदीसुमिलाय गिरीबेरअरुकैथलहीजे सबसमानऔषधकरलीजे पारागंधककजलीकरे महीनपीससवऔषधधरे खूबमिलायखरलसोपाय भांगरेरसइकीपुटभाय सवाटंकभरप्रतिदिनखाय प्रमेहरोगकोंदेतहटाय ॥ इतिमेघनादरसः ॥

॥ अथहरीशंकररसः ॥ प्रमेहरोगे ॥

॥ चौपई पाराअभ्रकसमदोयल्याय आंवलेरससोंखरलकराय सातदिवसखरलकरीजे रत्तीखायप्रमेहहरीजे ॥ इतिहरीशंकररसः ॥

॥अथप्रमेहकुठाररसः॥ प्रमेहरोगे ॥

॥ चौपई ॥ कपूरभीमसैनीमंगवाय भडंगीजाफलफुनातिहपाय अलाचीगोखुरूमोचरसलोधर पाराअभ्रकवंगसारवर इहवस्तूसमसभहीलीजे खछकरैफुनपायधरीजे दोरत्तीनित्यसहतसोंखायप्रमेहमात्रसभलेयहटाय ॥ इतिप्रमेहकुठाररसः ॥

॥ अथतालकरसः ॥ प्रमेहरोगे ॥

॥ चौपई ॥ मारितपारासोइमंगाय वंगेश्वरअरुसारामिलाय अभ्रकसवाहिबराबरकरै सहितसंगखरलमोधरै एकदिवससोखरलकराय मासाएकसाहितसंगखाय अत्यंतमूत्रप्रमेहनिवारे रसहिसारइहविधजुविचारे ॥ इतितालकरसः ॥

॥ अथवडवानलरसः ॥ मेदरोगे ॥

॥ चौपई ॥ पारातामेश्वरहिमंगावे वीजावोलसारसमल्यावे महीनपीसभांगरेरससाथ त्रैदिनखरलकरैसुनगाथ सहितसंगदोरत्तीखाय मेदरोगसवदूरहटाय ॥ इतिवडवानलरसः ॥

॥ अथउदराररिसः ॥ जलोदररोगे ॥

॥ चौपई ॥ नीलाथोथागंधकपीपल हरडछालसमल्यायताहिवल पीसेखरलकरैदिनपांच थोहरदूधपायकरसांच मासाप्रतिदिनगर्मजलचाय जलोदररोगउदरतेंजाय भत्तअरुमिश्रीशर्बताजिसहि शर्वतपीययाहिपथतिसहि ॥ इतिउदराररिसः ॥

॥ अथउदयभास्कररसः ॥ उदररोगे ॥

चौपई सौंठकालीमिरचअरुपीपर पांचोलूंनसुहागासज्जीधर समइनजमालगोटाशुद्धपाय दंतीरसकीत्रैपुटचाय विजौरेरसकीत्रिपुटदेय छायामोतिहशुष्ककरेय आधारत्तीताकोखाय उदररोगसवहींसुहटाय गुल्मअफाराशूलविडारे ववासीरइहरोगनिवारे नेत्रअंजनकरैविचार सर्पविषहिकोहरतअपार ॥ इति०

॥ अथरूपराजरसः भगंदररोगे ॥

॥ चौपै ॥ पाराएकभागमंगवाय तांवेकीमलचौगुणपाय दोनोकागलहरीरसठान पांचदिवसति हखरलकरान पाछेतांवेसंपुटपावै रेतदेगकेमध्यधरावै चारोऔरेतहिसोभरे लकडीअग्नताहिसोवरै आठपहरआंचतिहदेय शीतलहोयतदकाढसुलेय कुज्जेमाहिफुनताहिधरीजे घृतसहितसोंपूरणकीजे मुखतिहवंदकरोमृतकासों भूमीधरफूकैधमनीसों चक्रखायखूबपकजाय वाहिरकाढलयेतिसचाय त्रेरत्ती जोसहतमिलाय चाटैरोगभगंदरजाय ऊपरत्रिफलाकाढापीवै पथ्यसोंरहैरोगहतधीवै इतिरूपराजरसः

॥ अथरविसुंदररसः भगंदररोगे

॥ चौपई ॥ एकभागपारामंगवाय गंधकदोनोभागमिलाय खरलमाहितिहकजलीकरै कारकंद रसखरलमुधरै फुनगोलाकरसंपुटमाहि तांवेकेसोधरैमनचाहि देगमध्यसोसंपुटधरै चारोऊररराख सोभरै हेठअग्नइकदिवसतिहदेय खागशीतहोयवारकढेय जंभीरीरसकीसतपुटदेय रत्तीएकजुन्नज नथरेय एकरातिनितघृतमोपाय चाटैभगंदररोगनसाय मुसलीलहसनपाछेभावे रहैपथ्यमीठानाहिखा वै दिनसोक्नमैथुननहिकरे बासीभोजननाहीसुधरे ॥ इतिरविसुंदररसः

॥ अथगलतकुष्टारिरसः कुष्टरोगे.

॥ चौपै शुद्धपाराशुद्धगंधकल्याय तमेस्वरसारगूगलसमपाय चित्रकाशिलाजीतकुचलाय वचअ अकसभसमहिमंगाय कणगचवीजपारेथोंचौगुण पारागंधककजलीकरजन फिरकजलीसभऔषधडार एकजीवकरसवहीमंझार सहितघृतसंगदोटंकजुखाय चावलदूधपथ्यतिहभाय गलितकुष्टइहहरसोज न सौम्यरूपंसुदरअतिमान इस्त्रीसंगवर्जइहजान गलतकुष्टारिरसयाकोमान इतिगलतकुष्टारिरसः

॥ अथफिरंगगजकेसरीरसः ॥

फिरंगवायुरोगे ॥ चौंपै ॥ कालाजीराकुठजुगल्याय दोयदोपटंकभरवजनकराय त्रैगुणइनसोंगुडाहि- मिलावै कुटपंद्रागोलीसुकरावै उठप्रभातइकगोलीखाय संध्यासमैगोलीइकभाय फिरंगवायुयाहीतेंजाय कनकरोटीघृतसोंचुपडाय पथ्यखायतोरोगनसाय फिरंगगजकेसरीरसकेभाय इतिफिरंगगजकेसरीरसः

॥ अथमृगांकरसः खांसीस्वासरोगे

चोपई सुवर्णपत्रषतलाकरवायगरमतेलमेंदेयवुझाय कांजीमट्ठेत्रिफलेरसमाहि गोमूत्रकुलत्थकाथसुवुझोहि दोदोवारतप्तकरलेय इकइकरसवुझायलेतेष दूनापारासोनेसेंलेवै वीचरषराइखरलकरेवै पाछेताहिगोली वनवाय दोनोसमगंधकतिहपाय ऊपरहेठगंधकसोकरै संपुटमाहिमध्यगोलीधरै कपरमाटीसंपुटाहिकराय गजपुटताहिदेयमतचाय इसीरीतसेंत्रैपुटदेय मृगांकशुद्धहोतफुनलेय पुनः कंचनपत्रलेयमंगवाय खटाई माहिखरलसुकराय पारासमपायकरलीजै कचनाररससोंएकपुटदीजे अग्निछालरसत्रैपुटचाय कलिहारीज डरसइकपुटभाय चोथाहिसातिहमोतीडालै खरलकरैफुनताम्रडालै शुद्धगंधकसभसमानातिहडाल गोला करैसंपुटसोंवाल गजपुटमोफूकेइकवार स्वांगसीतहोयफेरनिकार तिहखानेकीरीतइहकही रत्तीताहिसहि तसोंलही षाइटंकसाहितपरमान खायसुखांसीस्वासमिटान क्षइअरुचिआदिदुःखहरैऋतुप्रमाणकायास्वछ करै पुष्टशरीरपथ्यसोंरहै खटाईआदिसववर्जतकहै मृगांकरसाइहाकेयोवपान भावप्रकाशमतीयोंजान

॥ इतिमृगांकरसः ॥

॥ अथरूपरसः ॥

॥ चौपई ॥ तीनभागचांदीवनाय एकभागहरतालसुहाय जुगखटाईखरलसुकरै गोलाकरसंपु, टमोधरै गजपुटदेयताहिकोभाय चौदहिपुटइहरीतहिचाय सुंदरनिपटहोयहैजवै रत्तीखाइगुणवहु- करेतवै पुनः अथवाचांदीवरकनमाहि ऊपरहेठरूपामखीसमचाहि संपुटधरैगजपुटतिहदेय सुंदर- रूपरसताहिवरेय एकमासलगरत्तीखाई गुणअपारकरहैसुनभाई ॥ इतिरूपरसः ॥

॥ अथतांवेश्वररसः ॥

॥ चोपई ॥ तांवेपत्रशुद्धकरलेय तप्तअग्नतेलमझेमोदेय त्रिफलेरससतवारवुझावे संपुटमोसोंपत्रधर- वावे रूपामखोहेठऊपरधरै गजपुटदेयतांमेश्वरवरै चंगावनेसुरतीखाय मारुप्रमाणस्वासखांसीजाय डौरअत्यंतगुणाकारकजांन तामेश्वरकीइहविधमांन ॥ इतितावेश्वररसः ॥

॥ अथनागेश्वररसः ॥

॥ चौपई ॥ शीसेकोगलायइहकरै तैलमठेगोमूत्रमोधरै त्रिफलेरसअकदूधवुझाय सातवारइह- रीतसुचाय कडछेपायचुल्हेपरधरै नीचेप्रज्वलतअग्नीकरै पीपलचूरणताऊपरडाल अमलीचूरण- ताकेनाल चौथाभागसभचूरणचाय थोडाथोडाऊपरपाय लोहदंडसोंरगडतरहे एकादिनाहिमोयहविधकहे जंबीरकरससोंदसपुटदेय जंवीरीरसकीदसपुटलेय नागरवेलपत्ररसचाहि ताकीदसपुटदेवैताहि मनसि- लसींसेसमकरलेय कांजीसोंफुनदसपुटदेय टिकीवांधसंपुटमाहिधरै गजपुटप्रमानयाहिविधकरै सटपुटसोंनागेश्वरवनै रतीखायअत्यतंगुणजन शतरोगाहिकोंदियहटाय ग्रंथकारकोयहमतभाय पुनः शीशाशोधकडछेमोधरै नीचेअग्नप्रज्वलितहिकरै इकदिनकेवडेघाटसंगघोटे भस्मलालहोयनीचेलोटे मात्राएकरत्तीपरमान इक्कीदिनमोवहुगुणजान ॥ इतिनागेश्वररसः ॥

॥ अथवंगेश्वररसः ॥

चौपै कलीगलायजुगतेलवुझाय मठेअरुगोमूत्रमोचाय कांजीत्रिफलेरससतवार तप्तकरतयाहीमोडार अ कदूधीहसतवारवुझाव फुणकडछाचूलेधरवावे पीपलछालअरुअमलीछाल कलीथीचौथाहेसानालमहीन पीसातिसडारतरहेलोहदंडसंघसतागहे दोयपहरआंचपरधार छालपाइरगडातिसडारभस्मवंगजवहायप्रवीन वंगसमानहरताललेचीन खट्टारसदोनोखरलाय गजपुटदेयताहिहितचाय इसीरीतसोंदसपुटदेवे तववंगे श्वरसिद्धमनेवेमात्रारत्तिताहिप्रमान औरविधीभीजानसुजान वंगवरोवरपारालेवै दोनोसमइकठकरेवे पत्र करैइकउपलालेय कसेलचूर्णहेठऊपरदेय रांगेकपडाभीतरवरै आसपासउपलेतिहकरै विनवायूजिहजागा होय फूकदेयफूलेसोजोय अत्यंतगुणकारकातिहजान वंगेश्वरविधिकीनवषान ॥ इतिवंगेश्वररसः ॥

॥ अथसारविधिः ॥

॥ चौपई ॥ गजवेलिलोहचूरणकरवाय गर्मकरेतेलकांजीवुझाय मठेगोमूत्रसतवार तप्तकरतवु- झावैतिहसार केलेरसमेंखरलसुकरै गजपुटदेयताहिकोधरै कारकंदकीत्रैपुटचाय आकदूधकीसत्तपु टलाय थोहरदूधफुनसातपुटदेय त्रिफलेरसकीसतपुटलेय डेडापत्ररससतपुटदेवै इसीरीतसेभस्मकरेवै सोभस्माहिपत्थरपरधरै पीसेजोजलऊपरतरै गुणअपारतिहजानप्रवीन अथवाऔरहिविधसोंचीन गज वेलचूरणनिंवूरसमाहि नौसादरइकीपुटदेताहि गजपुटमेतिहफूकतारहे पीससारमुदितहितकहे गुण वहुकरैसुजानप्रमान रत्तीखायसवरोगहिहांन ॥ इतिसारविधिः ॥ इतिश्रीचिकित्सा संग्रहे श्रीरणवीर प्रकाशभाषायां रसाऽधिकारकथनंनामत्रिषष्टितमोऽधिकारः ६३

उंश्रीगुरुवेनमः अथअर्कप्रकाशलिख्यते दोहा ईश्वरगुरूसरस्वतीगणपतिपूरणआस नमस्कारकर
जोरकैवर्णोंअर्कप्रकास अर्कहरडकोगुणइहीसूलमूत्रकृछ्टार कामलारोगजोदेहमोअवरअनाहविडार
चोपई अर्कवहेडेतृषासुटारै छर्दकासहरश्लेष्मानिवारै आमलेअर्कत्रिदोषाहिटरता रक्तपित्तप्रमेहकों
हरता सुंठीअर्कआमवातनिवारै कवजीस्वासकफशूलविडारै आर्द्रकअर्कज्वरदाहविनासै रुचिभो
जनअतिअन्नप्रकासै सूलअर्शज्वरखांसीजेहोइ अर्कमघांआमवातश्वासखोइ पिपलामूलअर्कालिफ
विकार वातकफोदरगोलनिवार चवकअर्करुचिकरैअपार अरशसुनिश्चयरोगनिवार गजपीपलअ
र्कइहगुणकरता वातश्लेष्मअग्निमंदकोंहरता चित्राअर्कउदराग्निवधावे स्वांसीअरुसंग्रहनिमिटावै
कृमवहुरोगजुदेहीहोय सोजशरीरविकारसवखोय अरकजवाइनपाचनकर्ता सूलरोगअरुचीकोहर
ता आग्निप्रज्वलितवीर्य्यसुकावे देहीअतिकररुचीवधावै वल्लजवाइनवातकफटारै वमनहरैमलमूतर
सवारै खुरासानजवानकोअर्क कवजीकरमलपेटमोदर्क पाचनअन्नपचावैवहुता कायाअतीखुमा
रीकरता जीराअर्ककवजीवहुधरै इस्त्रीकागर्भाशयशुद्धकरै कालाजीरानत्रेहितमान गुल्मछर्दअति
सारकोहान चिट्टाजीराज्वरवहुहरता पाचनअग्नीरेचनकरता धनियांअर्कदाहात्रिषानिवारै वमनश्वा-
सत्रिदोषहिटारै मिठेसोयेअर्कहितकारक वातविकारज्वरहिनिवारक श्लेष्मवणशूलजोहोइ नेत्ररो-
गनिवारैसोइ कौडीसौफकोअर्कवखानो अग्निमदकोशत्रुजुमानो इस्त्रीजोनिकीपीडाहरता कृमाविका
रसवपेटकेटर्ता लालमर्चमिरगीकुनिवारै अपस्मारअरुत्रिदोषाहिटारै वनमेथराअर्करोगसुहर्ता हय
गजकेसवदोषकोटरता मेथरेअरकश्लेष्मज्वरहिनिवार कफविकारसवछातीटार वातज्वरजोदेहीहोइ
आमविकारनिवारैसोइ हाल्योहिडकीरोगनसावै रक्तवातहतपुष्टकरावै वचांदिसावरीअर्ककोइहगुण
फिरंगरोगशूलहरतमन हिंगअर्कपाचिनरुचिकरै कृमाविकारपेटकोहरै शूलरोगकोकरैविनाश उद
ररोगहतकरैप्रकाश अर्कवचंवन्हीवहुकर्ता वमनविकारग्लानकोंधर्ता मलकवजाअफारकोहान
शूलरोगसवहरताजान पारसीवचाअर्ककोइहगुन देहिकोवलकरैजुतताछिन भूतउन्मादकोप्रचालित
करै अतिविशेषकफखंगाहिहरै कुलंजनअर्ककोइहगुणजान सुरकोशुद्धकरितसोजान स्थूलग्रंथीव
चइहगुणधरै हृदयकंठमुखशुद्धसुकरै हऊवेरकोअर्कजवहोवे कठिनमोहमनअतिसवखोवै विख
खायेकोंवैद्यसंजीवन प्लीहविकारहरैजोततछिन गोलहऊवेरअर्कजोजानो वातमवेसीशूलहृतमा
नो संग्रहनोकोरोगमिटाय गुल्मविकारसवदेहसोंजाय बायविडंगअर्कजीयधारै वलगमरोगकृमिदो
षनिवारै वातविकारजोउदरमोहोइ मलमूत्रवंधनिवारैसोइ मूलअरककृमरोगहिहरै देहभारीअतिह
लकाकरै स्वासालिफसवउदरमिटाय मूत्रकृछ्रकोदूरनसाय अरकवंसलोचनज्वरनाशन
त्रिखारोगक्षयीखंगनिवारन समुद्रफेनअर्कशीतलअरुलेखन कफकोहनेमलमूत्र
चलावन जीवकअर्कवहुवीर्यवधावे सीतलहैवलकफप्रगटावै अर्कमैनफलवमनसुकरै
ज्वरचौथाजीरणताहरै वूटीऋषभहितमहागुणवंति अर्ककाहलीपितरक्तदलंती वातदोषक्षयईरोग-
विडारै एतेगुणदेहीनहिधारै महामेधाशुभवूटीकाअर्क वीर्य्यवधावनमोहितकरक इस्त्रीतनकोंदुग-
धवधावै कफाविकारदेहीसुकरावै मेदावूटीअर्कअतिशीतल पित्तरक्तदेहीनाशनवल ऋद्धीवूटी-
वलवहुतकरंती रक्तपित्तत्रिदोषहंती काकोलीकाअर्कसुखकारण वीर्यवधायवलदेहमोधारण स-
देस्वभावपित्तरोगहरंता शोखतरोगज्वरदाहदलंता वृद्धीवूटीकेअर्ककोइहगुण इस्त्रीपियेगर्भरहेत-

तछिन खंगक्षईहटावधावकोंपूरै शीतस्वभावकरइनरोगनचूरैं अर्कमुलठीकेशवधावै कालेकरैको-
मलमनभावै वातरक्तपित्ततीनहरंता सुरकोसाफश्रुतमाहिधरंता अर्ककमीलावहुदस्तलगावै प्रमेह-
अनाहसवदूरकरावै अर्कअमलतासकोगुणजो अमलपित्तकोंदूरकरैसो वातसूलसवदूरसुकरै उदा-
वर्तरोगशरीरसोंहरै अर्ककिरायतात्रिखानिवारै कुष्टहरैज्वररोगपछारै व्रणकृमिदेहीरोगजुहोय एतेरोग
नसावैसोय कौडअर्कमहाशुभकारक प्रमेहरोगस्वासकासविडारक कृमविकारजोउदरमोंहोय कुष्टरो
गसवज्वरनकोखोय नागदौनअर्कसर्पविषाहिनिवारै लूतामूसाकोविषटारै रेहसनअर्कवातरक्तदलंता
उदररोगअरुसूलहरंता अर्कअतीमोंहोईसुहौला रक्तपितअतिसाराविरौला तेजवलअर्कस्वासकासनिवारै
कफहरैहृदयकोअग्नप्रसारै मालकंगुनीवमनकराइ वुद्धिवधाइअग्नीप्रज्वलाई कुढअरकरक्तवातविडारै-
खंगकुष्टकफवातानिवारै पुष्करमूलअर्कअरुचीकरै वक्षीशूलअरुस्वासाचितटरै चोकअर्कवहुदस्तलगाई
वमनअवरकंडुतिहजाइ ककडसिंगीअर्ककोइहगुण ऊर्धवातकोहरैजुतत्ताछिन हिचकोहरैअरुत्रि-
खानिवारै क्षयस्वररोगकोवधजुडारै कायफलअर्कपंचरोगनसाय स्वासअवरखांसीमिटजाय प्रमे-
हरोगकोचूरणकरै अवरमवेसीअरुचीसोहरै भडिंगीअर्ककफाहिकोहर्ता श्वासहरैनजलादूरकर्ता ज्व-
रविकारसवतनतेंटार वातरोगकोंकरैप्रहार पखान्भेदअर्ककोइहगुण जोनिरोगतिथटारैतत्तछिन
मूत्रकृच्छ्रकोदूरनिवारै पथरीरोगफुनशूलकोंटारै फुनधावेकेफूलोंकाअर्क त्रिषानिवारणकोगुणकर्क
अतीसारविषरोगहिहरता कृमरोगविसर्पदुःखसभटरता मजीठअर्कश्लेष्मरोगकोंहरै फुनाविषरोगकुष्ट
परिहरै रक्तअतीसारजोदेहीहोइ इतनेरोगनिवारैसोइ फुनकुसुंवफूल्योंकाअर्क सुंदरवदनकरावतदरक
रक्तहरैपित्तरोगनिवारै कफकोचूरकरनगुणधारै लाक्षयाअर्ककृमरोगनिवारन विसर्परोगदेही
सुविडारन उरक्षतफुनीकुष्टकोंहरै व्रणजुरोगदेहीसोंटरै हरिद्राअर्कप्रमेहहरंता
सोशतुचाकेरोगदलंता व्रणरोगजोदेहमेंहोय पांडूरोगनिवारतसोय वनहलदी
अर्कसुखकारन कुष्टवातअरुरक्तनिवारन कंडूरोगअनंतप्रकार करपूरहरिद्रानिवा-
रणहार दारहारिद्रलेपनमोंइहगुण नेत्रकर्णमुखरोगहरताछिन अर्करसौंतव्रणरोगनिवारै नेत्ररोगकोमूल-
उखारै वाकुचीअर्ककृमरोगकोंहरैं कवजीउदरमाहिनाहिंधरै पांडुरोगऔषदहितकार कफअर-
सोथनिवारणहार अर्कहेडवांखुर्कमिटावै दद्रीविषअरुवातहटावै अर्कभलखेकाज्वरटारै उदररो,
गकृमरोगनिवारै अर्कपतीसवहुअन्नपचावै अग्नप्रज्वलितदेहधरावै कफअरुपित्तकोंदूरकरैसो अती
सारकोंनाहिधरैसो लोध्रअर्कसीतलसुखकारक नेत्ररोगकोंअतिगुणदाइक कफापित्तकोंदूरकरतवह
कवजकरतदेहीमोंअतियह अर्कवृहतलोध्रनेत्रहितकारन उदररोगअतिसारनिवारन सोथरोगकोंटारै-
फुनइह गुणकारकजानोतुमअतितिह अर्कगुडूचीकवजीवहुकरै दीपनहैफुनखांसीहरै पांडुरो-
गअतिदूरनिवारै ज्वरकोहनैएतेगुणधारै अतिसुखपानपत्रोंकाअरक मुखदुर्गंधहरतसुखकरक उदग्मैल-
कोसाफकरतसो वातथकेमांदूरकरतसो विल्वअर्कपाचनवलकरता श्लेष्मरोगकायासेहरता हौला-
हैअरुगर्मकरावैं एतेगुणपरगटादिखलावै गम्भारीअर्ककोउष्णसुभाय भ्रमकोहरणत्रिखानाहिंचाय
सूलहरैअर्शरोगनिवारै विषअरुदाहनिश्चपरिहारै पाटलअर्कवमनकोहरे सोजात्रिदोषअरुचनिाहिंधरै
कायाकेकफदाहनिवारै लहूविकारएतेपरिहारै अग्निमंथकेअरककोइहगुण पांडुरोगकोंहरतजुतत
छिन कफअरुकृमरोगजोहोवे पीतेसोजशरीरस्वखोवे स्योनाकअरकगोलेकोंहरै अर्शरोगकृमरोग-

मुटरै एतेलक्षणताकेभाइ अग्निजगाइफुनरुचप्रगटाइ अर्कशालपर्णीज्वरनाशन अतीसारक्षतरोगनिवारन कृमीरोगकोवैद्यसंजीवन वमनहरैनिश्चेकरेइहगुण अरकपृष्ठपरणीकोइहगुण ज्वरनाशनद, मकेदुःखहरण अतीसारलोहूकोहरंता दाहरोगकोचूरकरंता कंडयारीवडीअर्कज्वरहरै फीकेमुखकों स्वादिष्टकरै मलनिवारफुनसूलविडारै अरोचकरोगसर्वपरिहारै कंडयारीछोटीअर्ककफहरै फुनइस्त्रीगर्भसुरक्षाधरै पाचनहैबहुतागुणकार कासरोगवमनकरैसुटार भखडेअर्कपथरीकोफाडै प्रमेहरोगकोमूलउखारै मूत्रकृच्छ्रकोंदूरकरतसो हृदेरोगफुनवाहहरतसो जीवंतीअर्कअतिसारहरंता नैनवचा इत्रिदोषदलंता पंचांगुलअर्कएतेगुणकरता उदरसिरपीडअरुशूलजुटरता मुदगपरणीअरकसोजा हरै काहलोमनकोमूलनधरै फुनसंग्रहणीदूरनसाइ अर्शरोगअतिसारनरहाइ माषपर्णीअरकबीर्य्यवधावेबातरोगफुनापित्तचुकावै ज्वरविकारसवदूरकराइ रक्तविकारनाशैसुखभाइ लालपरन्अर्कइहजान् अश्मरीगइतखंगकोहान स्वासरोगफुनकुष्ठनसाइ आमवातजढमूलसेजाइ मंदारअर्कव्रणकोरैनिवार बातरोगफुनकुष्टपरिहार कंडुखुरकअतिकायासेटारै एतेदोषविषरोगनिवारै अक्कअरकलिफरोगनिवारै गोलेरोगसेउदरनिस्तारै अर्शरोगश्लेष्मपरिहरै उदररोगकृमिदूरसुकरै. वज्रीअरककालेपजोकरे फुनव्रणइहैसोजनहिधरै उदरसोजकोंऔषदजान पेटरोगव्रणहरतामान सातलाअरककफपित्तविनास सोजअनाहउदावर्तहरतास लांगलीअर्ककफपित्तनिवारै अनाहउदावर्तसोजाफुनटारै दूधीविषलेपन सोंइहगुण बवासीरसोजाव्रणपीडाहन कनेरअरकएतेगुणकरै नेत्रकोपकुष्ठव्रणहरै चंडालकनेरखा नेमोवर्ज विषन्याईलेपनगुणदर्ज अरकधतूरलेपनगुणजान कृमिजीवादिविषादिकहान वासअर्कज्वर वमनविनाश प्रमेहकुष्टक्षयहरतप्रकाश पित्तपापडारक्तपित्तहरै तृषाश्रमकफज्वरकोंटरै निंबअर्कश्रमतृषा निवारै कासअरुचीज्वरवमनाविडारै द्रैकअरकगुणगुल्मविडार मूसेविषकोंकरतप्रहार पारिभद्रनिंववातकृमिहरै श्लेष्मसोजामेधवृद्धीइहटरै कचनारअर्कएतेगुणकार गंडमालागुदभ्रंशप्रहार कोंविदारअर्करक्तपित्तनिवारन प्रदररोगक्षयकासाविडारन सुहांजनअर्करुचीवहुधरै अग्नीप्रज्वलितकवजीं करै विद्रधीसोजाकृमिरोगनिवर्ता मिठेसुहांजनेअर्कगुणकर्ता चिटेमर्चअर्कविषहरै नासालेपनेत्रहितकरै विष्णुक्रांताअरककुष्टविडारन शूलसोंजव्रणविषहिनिवारन वषाअर्कगुणशूलविनासन सोजाआमवातजढकाटन निरगुंडीअर्ककृमिकुष्टनिवारै व्रणअरुचीहरसुछतनधारै इंद्रजवअर्कसीतलकफहरै अग्निवधायआमकुष्टपरटरै करंजुअर्ककफगुल्माविनाशन व्रणकृमिअर्शविषरोगनिवारन घृतकरंजअरकसभमैलभेदाइ वातमवेसीकृमिकुष्टचुकाइ करंजीअर्कवमनकृमिनास वाताशकुष्टमेहहरतास चिटीगुंजाजढकोअर्क कफक्षतवातपित्तज्वरहर्क गुंजाअर्कश्वासकोहरता भ्रमज्वरमुखशोषसोटरता कोंचवीजअर्कदृढवीजवाधवै मांसवधायदेहीमोभावे अश्वन्याईइस्त्रीसमभोग पुरुषकार देहीवरजोग मांसरोहिणीअर्कगुणकार शुक्रवधायत्रिदोषनिवार चिलेअर्कधातदृढकरै फलतांकोमृत्युयोगनाहिधरै टंकारीअर्कदीपनअतिभाय श्लेष्मसोजउदररोगामिटाय वैतअर्कदाहव्रणहरै सोजयोनिदुःखमवेसीटरै जलवैंतअर्ककवजीकोकारक शीतलमारुतकोपकोकारक ईजलअर्कविषयेतेहरै स्थावरजंगमप्रसिद्धश्रुतिधरै अंकोलअर्कशूलविषहर्ता आमवातसोजकवजीनहिधर्ता धमनीअर्ककवजी बहुकरै रक्तपित्तवातरक्तउरक्षतहरै खरैटीअर्कयामोहितकार हरतश्रेष्ठकरमूत्रातिसार धमनीवडीअर्कइहकारै मूत्रकृच्छ्रकोदूरनिवारै जोमारुतअधऊर्धचलावै सुगमकरैमारगइहभावे ॥ गंगेरनअरकएतेगुणकारक

मूर्छामोहहरणगुणधारक लक्ष्मणाअरकएतेगुणचाय वंध्यापुत्रदेताहितभाय स्वर्णवलीसिरपीडमिटावै
त्रिदोषहरैस्त्रीदूधप्रगटावै कपासबीजअरकगुणधरै करणपानेसेरोगहिहरै वंसअंकुरअरककफपि-
त्तहर कुष्टरक्तव्रणसोजापरिहर नडअर्कवस्तीयोनिकीपीड दाहपित्तविसरपिनिषपीड श्वेतनिसोतरे-
चनअतिवरै उदररोगपित्तसोजाहरै शरपुंखाअरकपल्लीहकोटार विषव्रणगोलाकरतप्रहार जवासा-
अर्कमदभ्रांतिविनाशन खांसीकुष्टरक्तपित्तसुहारन मुंडीअरकअत्यंतबलकरे गुल्ममोहवातव्याधहिहरै
पुटकंडाअर्कवमनकोहरै मेदवृद्धीकफवातसोटरै अपामार्गलालकोअरक धातस्तंभनकरैसुकर्क ताल-
मखानअरकहितकार रेचनसेशीघ्रसोजाकोंटार हस्तीझंघारअरकगुणकारन भजेतुटेसभअंगमिलावन
कुवारगंदलग्रंथीकोहरै अग्निदग्धव्रणविस्फोटहिटरै पुनर्नवाश्वेतअरकअतिकारन नेत्ररोगयहसर्वनिवारन
पुनरनवालालअरकरक्तपित्तहरै अतिकवजीदेहीमोकरै प्रसारणीअरकवातहतकार शुक्रवधायसंधीमि
लधार सु कारणहितकरसोजानो अरकप्रकाशमोतत्वसुजानो सारिवाअरकअग्निमंदानिवारन अति-
करआमखांसीविषहारन भांगराअर्कवालकालेकरता तुचालग्लकरसिरपीडाहिहरता सनपुष्पीअरकएते
गुणकारक पित्तअरकफकोदेहींसोंटारक त्रायंतीअरकशूलाविषनास विलेपीसान्निपातहतजास मूर-
वाअरकहृदरोगनिवारै मोहकंडुकुष्टज्वरटारै कायाकोठीअर्कहृदरोग वमनहरैनेत्रनहितजोग काकना-
साअर्कवमनपरिहार सोजमवेसीसितकुष्टनिवार काकजंघाअरकज्वरहिविनासन कंडूविषअरकृमि-
निवारन नागपुष्पीअरकशूलकोंहरै योनिदोषवमनकृमिटरै मेषशृंगीश्वासकासनिवारन व्रणकफने-
त्रपीडासभटारन हंसपदीअरकविषहरता खुरकरक्तव्रणकोंहतकरता सोमवल्लीअर्कत्रिदोषनिवारै
इस्त्रीदुग्धकुचअधिकसमारै सेवनतेइहकुवतहिजान चिटेवालकालेकरठान अकाशवेलअरकबहुशीत्तल
पित्तकफआमटारतनिश्चल तरडअरकअत्यंतगुणकार शुक्रवधायवायूपरिहार वृक्षारिणविषकोंहरलेय
भूतप्रेतआवेशव्रणहरेय वटपत्रीअर्कगर्भअतिजान योनीदोषमूत्रदोषकरहान हिंगुपत्रीअरकदेहमलटार
मवेसीगोलाकफवायूप्रहार वंसपत्रीअरकपाचनअतिजान गरमसुभावहृदवस्तीदुषहान मछीकोअरक
शीतलकाविजंवर कुष्टपित्तकफरक्तहरनकर सर्पाक्षीअरकव्रणकोंचाडत सर्पवृश्चिकदंशजखमप्र
हारत संखपुष्पीअरकविषहिनिवारै स्मृतिकांतीवलअग्निसुधारै अर्कपुष्पीकृमिश्लेष्मनिवारै पित्तवि-
कारप्रमेहकुष्टविडारै लाजावंतीअर्क अतीसारहर जोनिविकाररक्तपित्तटर अलंवुशाअरकएतेगुणकरता
कृमिपितकफसभदूरसुकरता दुधीअरककफरोगनिवार शुक्रवधायस्तंभनकरतार भूमआमलीअरककफ
हरै कासतृषापांडूक्षईनधरै ब्राह्मीअरकबुद्धिवधाय खटमासनमोकवीवनाय ब्राह्ममंडूकीअर्कगुणयेह
पांडूशोथविषज्वरहिहरेह द्रोणपुष्पीअरकज्वरस्वासविनासन कासकामलासोजकृमिठारन सूर्यमुखी
अरकफोडेकोंहरता जोनिपीडकृमिपांडुनिवरता वंध्याककोंटअर्ककोइहगुण सर्पविषहिव्रणहरैजुत
तछिन मार्कांडीअरकदुर्गंधनिवारै विषगुल्मोदररोगकोटारै देवदालीअरकशूलविनाशन गुल्मअर्श
अरुवातनिवारन धतूरेअरकग्राहीअरुसीतल अग्नप्रगटाइव्रणदाहहरनवल गोजिव्हाअर्कज्वरप्रमेहकोहरै
कासव्रणअतिसारहिकोंटरै नागपुष्पीअरकसरपाविषहिनिवारन संपूरणग्रहदोषाविडारन वीरतरुअर्कमू-
त्रघातपरिहरै जोनिदोषअस्मरीवातसवटरै छिकनीअरकअग्नीकुजगाय रुचिकरअर्शकुष्टकृमजाय ककुंद
अरकज्वररक्तनिवारन मुखसोखताकफरोगविडारन सुदर्शनअरकउष्णकरजान सोथरक्तकफवातहतमा
९६ ९ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांअर्काऽधिकारकथनंनामचतःषष्टितमोऽधिकारः ६

॥ अथान्यप्रकारऔषधनामवर्णनम् ॥ हिंदीनामअर्वीफारसी ॥

॥ अथअकारादिस्वरादीनाम ॥ दोहा ॥ अकारादिक्रमऔषधीदोसउोइकीजांत हिंदीअरवीफारसी, नामतींनविधमांन गुणवर्ननआगेकिआलिखानिघंटुजोय तहांदेषसंसामिटेयहांनामत्रैहोय ॥ चोपई ॥ इलाचीहिंदीनामकहावे अरवीनामकाकलागावे हीलनाममतफारसहोई तीनोनामइलाचीसोई १ हिंदीनामइंद्रजवोकहिए जुवांनकुंजसकफारसीलहिए लसानुल्असफीरअर्वीमांन तींनोनामइंद्रजवो; जांन २ हिंदीनामआंमलाहोई आमल्जनामअर्वीकहुसोई आमलनामफारसीकहिए तीनोना मआंमलालहिए ३ तुंमासोईद्रायनजांनो हिंजलअर्वीनामपछानो कुसाउल्नआमफारसीहोई नामतींनविधतुंमासोई ४ हिंदीएरननामकहावे एरंसंडअर्वीमतगावे वेदंजीरफारसीकहिए एरन, नामतीनविधलहिए ५ असगंधनामाहिंदीमतहोई वहमनसुपेदफारसीसोई वहमनुल्अवीजयअर्वीमांनो तींननामअसगंधपछांनो ६ हिंदीआद्रकनामकहावे जंजवीलतरफाररुगावे अर्वीजंजवी-लुल्रतवपछांन नामतींनविधआद्रकमांन ७ अजवाइनहिंदीनामकहावे युनानीआइननामदिखावे नानष्वाहमतफारसहोई तींननामअजवाइनसोई ८ षुरासांनीजुआंनप्रसिद्धकहावे अर्वीविजरल्वं-जदिखावे भुश्मवंजमतफारसगाय जाविधतींनोनामकहाय ९ अजमोदनामहिंदीमतहोई वह्लजु आइनकहिएसोई करफसअर्वीनामकहावे नामतींनअजमोदसुहावे १० हिंदीनामएलुआहोई प्रघटमुसब्बरकहिएसोई सिबरनामअर्वीमतकहिए मुसबरनामतींनविधलहिए ११ हिंदीउंटकटा-ईकहिए वादंजानदश्तीमतफारसलहिए वादंजानबरींमतअर्वीहोई कटांईनामतींनविधसोई १२ उतफलनाममलंगाकहिए अर्वीवादरंजवोयःलहिए वालंगूमतफारसजांनो मलंगानामतीनविधमांनो १३ अषरोटनामाहिंदीमतहोई जौजनानअर्वीकिहुसोई गिर्दगांनमतफारसतैसें अखरोटनामतींनो विधऐसें १४ ईसवगोलहिंदमतहोई वजरकतूनाअर्वीसोई असपगोलमतफारसजांनो सिकम, गिंदःसोईपछांनो १५ आमलीनामप्रसिद्धकहावे तिमरहिंदिमतअर्वीगावे पुर्माहिंदीफाररुकहिए आमलीनामतींनविधलहिए १६ अगुरनामाहिंदीप्रघटाय ऊदनामअर्वीमतगाय ऊदषांममतफारस-कहिए जाविधअगुरनामत्रेलहिए १७ हिंदीअभ्रकनामकहावे तलकनाममतअर्वीगावे अजवंक-नामफारसीहोई अभ्रकनामतींनविधसोई १८ अलसीनामहिंदमतहोई कत्ताननाममतफारससोई अर्वीवजरुल्कत्तानकहावे अलसीनामतीनविधपावे १९ हिंदीनामउटंकनकहिए अंजरःनामफार-सीलहिए अर्वीहबुलजलमकहाय उटंकननामतींनविधपाय २० अमृतनामप्रघटजलजांनो आव-नाममतफारसमांनो अर्वीआमानामकहावे पाणीप्रघटनामत्रेपावे २१ ईसवंदहिंदीमतकहिए सपं-दसोषतनीफारसलहिए अर्वीनामनआगेहोई ताकरनामलिखेहैदोई २२ उसीरनामाहदीमतहोई खस्ससुफेदफारसीसोई प्रघटनामपन्हीजढजांनो नामतींनविनअर्वीमांनो २३ पिप्पलीनामप्रघट-मघजांनो अर्वीफिफलुल्तवीलपछांनो फिलफिलद्राजफारसीकहिए मघकेनामतींनविधलहिए २४ हिंदोपिलपिलमोयःजानो अर्वीपिऊपिलमूरपछांनो फारसीवेषदारफिलफिलकहिए नामतींनविधऐसेंल-हिए २५ वाविडंगहिंदीमतहोई विडंगकावलीफारससोई २६ हिंदीनामवकाइनकहिए अजाद्रखतमतफारसलहिए २७ हिंदीपित्तपापडामांन फारसीनामसहतराजान

शहतरज्जअरवीमतकहिए तीनोनामपपाडालहिए २८ वोलनामहिंदीमतहोईं अर्वीमुररमक्कीहैसोईं २९ हिंदीवहादरमोथाकाहिए सादहिंदीमतफारसलहिए ३० हिंदीकरेआंवचंकहावे अगरतुरकीमतफारसगावे ३१ वांसनामसोवंसकहाय नयनामामतफारसगाय ३२ हिंदीवेंडनभठासोईं वादंजानफारसीहोईं ३३ हिंदीनामपूतनाकहिए नयनाऽनामफारसमतलहिए ३४ भलावानामहिंदमतजांनों वालादरअर्वीनामपछांनो ३५ हिंदीपितरजनामकहावे दराजजाहिंदीफारसगावे ३६ हिंदीनामफडकडीकहिए सूरगारअर्वीमतलहिए जाजजागमतफारसहोईं तीनोनामफडकडीसोईं ३७ विहनामाहिंदीमतजांनों हमनुलअरवीनामपछांनो ३८ हिंदीपिठानामकहावे मजदवानामफारसीगावे ३९ वसीरनामहिंदीमतहोईं कुमादकत्तालफारसीसोईं ४० हिंदीपाजवृक्षहैसोईं सुगंधितपत्रजाहुकेहोईं पवरजदसवजामणीकहावे सोभीपाजनामप्रघटावे ४१ वसयरनामहिंदीमतकाहिए हिंदीनिमकफारसीलहिए ४२ हिंदीपालकनामकहावे अर्वीअस्फानाषदिखावे ४३ हिंदीनामविजौराकहिए तुरंजअर्वमतफारसलहिए ४४ हिंदीवांसःनामकहावे रैहानसहराईफारसगावे ४५ प्रघटजांगलीगंडाजांनो प्याजजांगलीफारसमानो असकीलनामअरवीमतहोईं नामतींनविधमांनोसोईं ४६ फेनचरहिंदीनामप्रमान पादवेहडांषुवपछांन फितरनामअरवीमतजांनो नामतींनविधऐसेमांनो ४७ नामभंवलीप्रगटकहावे कोरवअरवीफारसगावे अंजदांनरूमीकहुसोईं नामतींनविधऐसेहोईं ४८ हिंदीपांननामप्रघटावे तंवोलनाममतफारसगावे ४९ वरोजःनामप्रसिद्धकहाय कुंदरनामफारसीगाय ५० प्याजनामगंडाकहुसोईं वसलनामअरवीमतहोईं ५१ पित्तलनामप्रसिद्धकहावे वरंजमसनूईंफारसगावे ५२ हिंदीबालानामकहाय खस्सरयाहमतफारसगाय ५३ हिंदीपसराकाकरकहिए वसराकनाममतफारसलहिए ५४ हिंदीवंगकलीहैसोईं अरजीतनाममतफारसहोईं ५५ हिंदीपारानामकहावे सीमावनाममतफारसगावे ५६ हिंदीवतरीनामकहाय जरंवनामअरवीमतगाय वेषतुंतीयानाफारसकहिए वतरीनामतीनविधलहिए ५७ तालीसपत्रहिंदीमतहोईं प्रगटनामजानतसभकोईं ५८ प्योसीखीहलीहिंदीकहिए फलःनाममतअरवीलहिए वलःनाममतफारसगावे प्रघटतींनविधनामकहावे ५९ पसीरीतुलसीहिंदीमांन शाहसपर्गमफारसजांन ६० भूमकेशहिंदीमतहोईं ममर्दग्याहफारसीसोईं ६१ फलोटननामवलोटनकाहिए लावतवरवर्रिफारसलहिए ६२ वालराकसाहिंदीमतहोईं पीलगोसमतफारससोईं ६३ तंतडीकसोतित्रीजांन समाकनामअरवीमतमांन ६४ तज्जनामहिंदीमतजांनो अरवीकिरफःनामपछांनो ६५ हिंदीतेंदुनामकहावे जऽरूरनामअरवीमतगावे ६६ तांम्रनामाहिंदीमतहोईं मिस्सफारसीकाहिएसोईं ६७ हिंदीतकछाछसोजांनो दोगफारसीनामपछांनो ६८ तेलनामहिंदीप्रघटावे रोगनहवूवफारसीगावे ६९

हिंदीथोहरनामकहाय जकूमनामअरवीमतगाय हवुलयतूऽफारसीकहिए थोहरनामतींनविधलहिए ७० थोथानीलाथोथाजांन तूतिआसवजफारसीमांन ७१ तौषरिवंसलोचनकहुसोईं तवासीरमतफारसहोईं ॥ ७२ ॥ टंकननामसुहागाजांन दारअशकफःफारसमांन ॥ ७३ ॥ हिंदीतवरीतूंवीकहिए कदूतलषफारसीलहिए ॥ ७४ ॥ अध्या ॥ ४ ॥ चौथानामजकारादी चौपई जीखारहिंदीमतहोईं फारसवूरःइमंनीसोईं ॥ ७५ ॥ हिंदीजीरानामकहावे जरिःनामफारसीगावे ॥ ७६ ॥ हिंदीनामचासकूहोईं चसमीजफारसीकहिएसोईं ॥ ७७ ॥ हिंदीचनःनामकहावे आहकनामफा-

रसीगावे ॥ ७८ ॥ हिंदीचाउलतंडुलसोई वरंजनाममतफारसहोई ॥ ७९ ॥ हिंदीजैफलनाम-कहावे जौजवोयःमतफारसगावे ॥ ८० ॥ हिंदीजलपत्रीजोहोई विसवासःमतफारससोई ॥ ८१ ॥ चंबानामचंबेलीजांन फारसजासमीनगलतांन ८२ हिंदीझाऊनामकहावे गझ्ननाममतफारसगावे तरफाअरवीनामपछांन नामतींनविधऐसेंजांन ८३ हिंदीचित्रकचित्रासोई शीतरजनामफारसीहोई उकावनामसोअरवीकहिए चित्रकनामतींनविधलहिए ८४ चावकनामहिंदीमतजान हमाजअर-वमतफारसमांन ८५ चनानामछोलाकहुसोई नुषदनाममतफारसहोई ८६ चोलनाममरुआकहु-सोई रौनासफारसीमरवःहोई ८७ छडछडगुर्डीहिंदीकहिए सुवलुतविफारसलिहिए ८८ छली-रानामहिंदमतगावे उसनःअरवीसवलंजकहावे ८९ जमालगोटाजयपालकहावे हबुस्सलातीन-अरवीगावे हबुल्मलूकनामभीकहिए फारसमाहूदानालहिए वेदंजीरखताईजांन जयपालनामइछे-ईपरमांन ९० हिंदीझीगःनामपछांनो अरवीअरविआंनकरमांनो ९१ दूधनामहिंदीमतहोई लव-ननामअरवीमतसोई शीरनाममतफारसजांन तीनोंनामदूधकेमांन ९२ दधीदहींसोमठाजांनो जुग-रातनाममतफारसमांनो ९३ दारहलदहिंदीमतहोई दारचोंवामतफारससोई ९४ धतूरहिंदीक-षाकपछांनो जौजमासलअरवीमतमांनो ९५ हिंदीदोंनःनामकहावे कयसूंमनामअरवीमतगावे ९६ हिंदीधनिआंनामपछांन किसनीजनाममतफारसमांन ९७ धमाहधमांसाहिंदीहोई बादेआ-वुर्दफारसीसोई ९८ हिंदीदाखनामप्रवटावे इनवनामअरवीमतगावे अंगूरफारसीनामपछांन दाख-तींनाविधनामप्रमांन ९९ हिंदीदाडिमनामकहावे अनारदानामतफारसगावें १०० रालनामहिंदी-मतहोई अरवीनामकोरकहुसोई १०१ हिंदीनामकसुंभाजांनो मास्फरसहराईफारसमांनो १०२ रोइनहिंदीरोषनकहिए मोहरागाउफारसीलहिए १०३ हिंदीरतनसोहीराजांन अलमासफारसीना-मपछांन १०४ हिंदीराईअहुरपछांनो अरवीखरदलनामवखांनो सपंदानागिर्दमतफारहोई राईना-मतींनविधसोई १०५ हिंदीरोटीफुलकाकहिए षुवजनाममतअरवीलहिए नानफारसीनामकहावे-रोटीनामतींनविधपावे १०६ हिंदीराजहंसकरकहिए परस्थाउसांनमतफारसलहिए १०७ रोहंस-नामहिंदीमतहोई अरवीअजखरकहिएसोई १०८ रसौंतनामहिंदीमतमांन हुजजनामअरवीपर-मांन ॥ १०९ ॥ हिंदरुपानामकहावे सीमनामअरवीमतगावे नुकरःनामफारसींहोई प्रघटनामचंदहिसोई ११० सुंठीनामहिंदमतकहिए जजवीलअरवीमतलहिए- ॥ १११ ॥ सोआसौफकटूसोजांनो वालनसिगरमतअरवीमांनो शिवतवालानपुरद फारसकहिए तीनोंनामसौफकटुलहिए ११२ मिठिसौफहिंदमतमांन वालानअकवरअरविमांन रा-जियानजसोईप्रवटावे वालानवजुरगफारसीगावे वादिआंनकरकाहिएसोई नामभेदतींनोमतहोई ११३ सर्षपसरसोंनामपछांन सरसफनामफारसीजांन ११४ हिंदिसोंनानामकहावे तिल्लाअर्धीजिह-वादेखावे फारसमतजरनामकहाय सुवर्णतींनाविधनामादिखाय ११५ हिंदीनामसिलारसहोई मोई-यःरतवःअरविसोई मोईयःयावसःसोईकहावे तीनोनामसिलारसपावे ११६ सोनमर्खीहिंदीमतहोई मर्कतीसाजिहवीअरवीसोई फारसमगसजर्रीकरकहिए ऐसेंनामतींनविधलहिए ११७ हिंदिनामसुपा-रीहोई फूफलनामफारसीसोई ११८ सज्जीसज्जीखारकहावे अशषारनाममतफारसगावे ११९ स-तावरीनामहिंदमतमांनो अरववुजीदानपछांनो १२० हिंदीनामसुहागाकहिए दारशकनामतफारस-

लहिए १२१ दालचिकनाहिंदीमतहोई समलफारअरवीकहुसोई दारूयमगंमूसफारसकहिए ती-
नोनामजाहिविधलहिए १२२ हिंदीसिप्पसीपकहुसोई अदफनामअरवीमतहोई १२३ हिंदीसैंधा-
लूनकहावे निमकतबजंदफारसगावे १२४ हिंदीसाकरकूताकहिए अकतमकतमतफारसलहिए १२५
समुदरफलाहिंदीमतहोई हवुलनीलअरवीकहुसोई कुर्तमाहिंदीफारसकहिए नामतींनविधऐसेलहिए १२६
समुद्रझगाहिंदीमतहोई कफदरिआमतफारससोई अरवीजवदुलवहरकहावे तीनोनामयथारथपावे १२७
हिंदीहालमनामपछांनो जवरुलरशादअरवीमतमांनो अहलीयमकरकहिएसोई सपंदांनदराजफार-
सीहोई असालयूंनकरसोईकहावे तीनोनामयथारथपावे १२८ पुटकंडानामहिंदमतहोई षारवाजगून-
फारसीसोई १२९ संगवसरीसोखपरियाजांनो रूहतूतियाफारसमांनो १३० गंनानामहिंदमतहोई न-
यशकरमतफारससोई १३१ केशरनामहिंदमतकहिए जाफरांनमतफारसलहिए १३२ कस्तूरीनामहिंद-
मतजांनो मुसकनाममतफारसमांनो मिसकनामसोअरवीकहिए कस्तूरीनामतींनविधलहिए १३३
हिंदीनामकपूरकहावे काफूरनाममतफारसगावे १३४ षोपानामनरेलकहाय नारकेलमतफारसगाय
१३५ षरवूजानामदसांगुलकहिए षरपुजमतफारसकालहिए १३६ करंगुलअमलतासकहावे करमा-
लाहिंदीमतगावे ष्यारचंवरमतफारसजांनो ष्यारसंवरकरसोईपछांनो १३७ किरायतानामहिंदमतक-
हिए कसनुजरीरःफारसलहिए ॥ १३८ ॥ कुठकुष्टहिंदीमतहोई कुषतनाममतफारससोई ॥ १३९
हिंदीनामकुलंजनजांनो षुलंजानमतफारसमांनो ॥ १४० ॥ हिंदीनामगोखरूकहिए षारषश्कमतफार-
सलहिए हसकनाममतअरवीहोई तींनोनामगोषरूसोई १४१ कंवीलासोपरकंदपछांनो अनामीदौ-
दांनीकरजांनो कंवीलानाममतफारसहोई ऐसेनामकंवीलासोई १४२ हिंदीकदलीकेलाजांनो मौज-
नाममतफारसमांनो १४३ हिंदीनामखजूरकहावे खुरमातिमरफारसिगावे १४४ प्रसिद्धनामगुडकहिए
सोई कंदस्याहफारसीहोई १४५ रत्तकगुंजाघुंगचीकहिए अयतुदीकअरवमतलहिए अरूसकनाम-
फारसीजांनो गुंजानामतींनविधमानो १४६ कमलकौलहिंदीमतहोई नीलोफरमतफारससोई १४७
कणकनामसोगेहूंजांन अरवीहिंरनामापरमांन गंदमनामफारसीकहिए तींनोनामकणककेलहिए
१४८ गनयूलनामहिंदीमतहोई गंदमषुशवोफारसीसोई १४९ कपूरकचरीहिंदीम-
तमांनो जरंवादअरवीमतजांनो ॥ १५० ॥ काचलूणहिंदीप्रगटावे अरवीजायदुलकवरेजकहावे ॥
१५१ ॥ कांजीनामहिंदमतहोई सिरकाहिंदीफारससोई ॥ १५२ ॥ कंटूननामहिंदीमतमानो असा-
रूनीवसफाइजफारसमांनो ॥ १५३ ॥ गेरूनामहिंदमतकहिए गिलसुर्षनाममतफारसलहिए अरवी-
तीमलहमरकहावे गेरीनामतींनविधपावे ॥ १५४ ॥ षडीमिटीहिंदीमतकहिए तींनकयमूलिआअर-
बीलहिए १५५ हिंदीगुगलनामकहावे मुकलनामअरवीमतगावे ॥ १५६ ॥ गंधकगंधकछालीजांन
गोगिर्दसुतरीहिंदीमतमांन अरवीकिवरीतअसफरकहसोई नामभेदगंधकेकहोई ॥ १५६ ॥ गंधकआ-
लेसारकहावे किवरिअहमरअरवीगावे ॥ १५७ ॥ कुंदरनामवरोजाकहिए कुंदरमतफारसकालहिए
॥ १५८ ॥ करपासकपाहहिंदमतहोई दरषतपंवामतफारससोई ॥ १५९ ॥ ककडीतरहिंदीमतहोय
ष्यारनाममतफारससोय १६० ॥ खीरानामहिंदमतकहिए किसमवादरंगफारसलहिए ॥ १६१ ॥
गूंदनामहिंदीमतहोई सिमगनाममतफारसोई ॥ १६२ ॥ हिंदीगाजरनामकहावे रदकनामफारसीगावे
॥ १६३ ॥ गुल्लरनामहिंदमतहोई अंजीरदशतीमतफारससोई ॥ १६४ ॥ हिंदीनामकलौंजीकहिए-

स्याहदानामतकारसलहिए ॥ १६५ ॥ काहजुआंनाहिंदमतहोई गाजुआंनमतफारससोई ॥ १६६ ॥ हिंदीनामकटूसकाहिए असननामनतफारसीलहिए १६७ हिंदीनामकहेलाजान सलीषानामफारसीमांन ॥ १६८ ॥ हिंदीकिदलोहमलजांनो रीमअहनमतफारसमांनो ॥ १६९ ॥ हिंदीनामकतीराकहिए कतरःनामफारसीलहिए॥ १७० ॥ हिंदीगुर्लमुंगसोजांनो मिर्जाननाममतफारसमांनो ॥ १७१ खापरीयःनामखापरीजांन तूतियाहिमंजीफारसमांन ॥ १७२ हिंदीकुलथीनामकहावे अरवीहब्बुलकलतदिखावे ॥ १७३ ॥ पोहलीवीजकसुंभाजांन अरवीकावरसनामपछांन तुपकममास्फरफारसकहिए तींनोनामयथारथलहिए ॥ १७४ ॥ हिंदीनामगुलावपछांनो गुलमुर्यनाममतफारसमांनो वर्दनामअ' रवीमतहोई तींनोनामजथारथसोई ॥ १७५ ॥ हिंदीखलनामाकरकहिए नामकुंजारःफारसलहिए ॥ १७६ ॥ हिंदीगोघृतनामपछांनो रोगनसतीरफारसीमानो ॥ १७७ ॥ सुंठजांगलीखजमकहाय जंजवीलसहराईफारसगाय ॥ १७८ ॥ हिदीलौंगलवंगपछांनो अरवीनामकर्नफलजानो मचकनाममत फारसहोई तीनोनामयथारथसोई ॥ १७९ ॥ हिंदीलसुनथोमसोजांन सौमनामअरवीमतमांन सीरनाममतफारसकहिए तीनोनामयथारथलहिए ॥ १८० ॥ हिंदीलोहानामकहावे हदीदनाममतअर्वि गावे आहननामफारसीजांन तींनोनामयथारथमांन ॥ १८१ ॥ हिंदीलवणलूणकहुसोई निसकनाममतफारसहोई मिलहनामअरवीमतकहिए तींनोनामयथारथलहिए ॥ १८२ ॥ लूणककुलफाकहूकहावे वकलतुलहमकाअरवीगावे षुर्फाफारसनामपछांन तींनोनामयथारथजांन ॥ १८३ ॥ हिंदीनाम' कसुंभाहोई अघनुलवंरअर्वमतसोई ॥ १८४ ॥ हिंदीमरवःमरुआजांन मर्जंगोशफारशीमांन ॥ १८५ हिंदीमानकनामकहावे याकूतनामअरवीमतगावे ॥ १८६ ॥ हिंदीमालकंगुनीजांन मलतीनामफार सीमांन ॥ १८७ ॥ हिंदीमयनफलरेठासोई जौजुलकयअरवीमतहोई ॥ १८८ ॥ मायफल, सोमाजुफलजांन माजूनामफारसीमांन ॥ १८९ ॥ मुलठीनामजेष्टीमधुकहिए असलुलसूसअर्वमतलहिए ॥ १९० ॥ हिंदीमूलकमूलीसोई तुर्बनाममतफारसहोई ॥ १९१ ॥ हिंदीमिर्थीनामकहावे हुलवःनामफारसीगावे ॥ १९२ ॥ मोमनामसित्थाकहुसोई समयंनामअरवीमतहोई ॥ १९३ ॥ मर्चनामहिंदीमतकहिए फिलफिलगिर्दफारसीलहिए ॥ १९४ ॥ मर्चलालाहिंदीमतहोई फिलफिलदराजफारसीसोई ॥ १९५ ॥ हिंदीमसरमसूरकहावे अदसनाममतफारसगावे ॥ १९६ ॥ हिंदीनाममजीठकहाय लुःफानामफारसीगाय ॥ १९७ ॥ वकमनामाहिंदीमतहोईलवी जनाममतफारससोंई ॥ १९८ ॥ पतंगनामहिंदीमितमांन अरवफिडुलसवागीनपछांन ॥ १९९ मोठनामहिंदीमतहोंइ वकलनाममतफारससोंइ ॥ २०० ॥ माषउडदाहिंदीमतकहिए कोतवफारस, फूतवलाहिए ॥ २०१ ॥ हिंदीनागरमोथाजांन सादकूफीमतफारसमांन ॥ २०२ ॥ नागकेशरहिंदीमतहोई नानमुसकमतफारससोई ॥ २०३ ॥ हिंदीनामनिवंसीकहिए जदवारनामअरवीमतलहिए २०४ ॥ हिंदीनामनरेलकहावे नारकेलमतफारसगावे ॥ २०५ ॥ नखनामाहिंदीमतहोई अजफारतीवअर्वमतसोई ॥ २०६ ॥ नौसाकरहिंदीमतहोई नौसादरमतफारससोई ॥ २०७ ॥ हिंदीसिक्कानागकहावे असरवनामफारसीगावे ॥ २०८ ॥ नसोतहिंदमतत्रिवीकहाय तुर्वदनामफारसीगाय २०९ हिंदीहलदहारिद्रासोई जर्दचोवमतफारसहोई ॥ २१० ॥ हथजोडीवूटीप्रघटावे पंजःमरियमफारसगावे ॥ २११ ॥ हिंसकसोहिनकूनपछांन माहीजोहरःफारसमान माहीजोहरजअरवीकहिए तींनोनाम

यथारथलहिए २१२ हुलहुलनामरसौंतकहावे हुजजमकामतफारसगावे २१३ हिंदीहिंगूनामकहाय हलतीतनामअरवीमतगाय अंगोजामतफारसकहिए तीनोनामयथारथलहिए २१४ हीरादक्षणहिंदीहोई षूनस्याउसांनफारसीसोई अरवीदंमुलषवयनजांन तीनोनामयथारथजान २१५ हिंदीहरडहरीडकहोव हलेलःनामफारसीगावे अहलेलजअरवीम..होई अभयानामतीनविधसोई २१६ हरतालनामहिंदीमत जांनो जरनीषनाममतफारसमांनो असारीकूनअरवमतहोई हरतालनामतीनोमतसोई २१७

॥ दोहा ॥ मखजननामकितावमतनामयथाविधभेद समझपरीक्षाचित्तधरमिटैनेकविधखेद हिंदीअ. रवीफारसीयूनानीतुरार्कीस्तांन नामभेदसभहींकहाऔरनेकविधमान नामपरीक्षाप्रघटज्योंगुणऔगुणाविस्तार सृष्टीचारप्रकारहैसोसमभेदसह्मार रिछनामगुण ॥ चौपै ॥ रिछनामहिंदीमतजांनो दुब नामसोअरवीमांनो खिर्शनामिमतफारसगायो तुरकीउबुनामकहायो भल्लूनामसास्तरीजांन आगेइसकीलखोपछांन चारपाद- तनभारीजांनो विनसूरतवहुछच्छपछांनो मानुषदेखआपडरपावे हैवलवांनमारनेधावे लकडीलेकरपाछेधा- वत पत्थरमारतसब्दसुनावत एकदोइपरदाओविचारे अधकदेषनरभागनधारे अगनीकाडरमानतजीको मानुषपकडनचावतनीको लेकरलाठीगलमेंडारी टेढीवांकपाददोचारी तरहतरहकीनकलदिखावे मिउसभलोकतमासेधावे मांसरुधिरसोलेसलजांनो अवसुभावगुणप्रघटपछांनो निहायतगर्मतरीवहुहोई रिछपित्तागुणसुनिएसोई नाडांपर्तउदरगतजांनो नाडीरोधदोषहरमानो गडाउदरगतदूरनिकारे खा- लसरिछपित्तागुणधारे मिरगीरोगहोतहैजाको छेरत्तीमधूसंगदेताको उदरपीडसरदीकीहोई तापरसेव- दूरदुखसोई मर्चसंगवामधूमिलावे वासिकंजवीमिलखुलावे पीडाउदरकलेजेजांनो जलंधररोगआदह- रमांनो सवादोमासेदेवेकोई चारपाएकीपीडाखोई मखीरमिलाविनधूपसुकवे सौंफअर्कसंगनेत्रनपा वे नजरतेजफोलाहरजान वालपलकपरपैदामांन जेकरपित्तामधूमिलावे मचंपावमुखभीतरलावे पांचवारमुखभीतरलाय यक्ष्मदूरकरसुखउपजाय रिछपित्ताजहांदेहपरलावे निश्चैतहांवालप्रघटावे रिछ पित्तागुणऐसेंहोई पनीरमायागुणसुनिएसोई छोटीउमररिछजवजांनो ताकेउदरउत्पत्तीमांनो पीवत- दूधउदरजमजावे मारनिकालसोईगुणलावे सोपनीरमायाकरकहिए चुस्तानामाहींदिमतलहिए सेवन करैदेहसुखपावें वलवीरजवहुपुष्टिदिखावे साढ्चारमासेजवखाय निश्चैमिरगीरोगहटाय अपनेवालदू- रकरकोई ऊपरलायनउपजेंसोई अतिफोडाफूटननहिंआवे तापरलायशीघ्रफुटजावे अवचरवीगुण- सुनोप्रवीन गर्मपुष्कदरजेहैतीन जोजाकोतनमर्दनकरे निश्चैरोगनेकविधहरे पुरातनजोडपीडजोहोई सुस्तदेहदुखहरहैसोई स्थानछोडहडीतनजानो वाटूटीदुखदूरपछांनो स्वेतकुष्टमलदनकरजावे सिं. मवालचरदद्रिहटावे छातीऊपरमरदनकरे निश्चैकफखांसीकोहरै वालकजन्मलेतहैजवहीं मरदनकरैशी घ्रतनतवहीं सदानिरोगतासतनजांनो रोगनेकतनएकनमांनो रोमद्वारतनखुलेरखावें मर्दनकरअरधं- गनसावे जैतूंनतेलचरवीसमपावे अनारपेटमेंवंदकरावे आटाकणकसेंडकरलाय अग्निवीचधरलेहु- पकाय ताहिनिकालराखिएसोई मरदनकरैनेकदुखखोई भगंदरववासीरहटजावे गंजआदिदुखक्षुद्रह- टावे रिछखालवहुपुष्कउचारे जापरवैठेरोगनिवारे वाजपीडअधरंगविचार इत्यादीरोगदूरमनधार पताल्लूलेसममाजूपावे गोलीवांधसुकायरखावे विषमदस्तसंग्रहणीहोई सेवनकरैहरदुखसोई जोकोवि- टकालेपलगावे सोजादूरसहजसुखपावे कंठरोधगललेपलगाय सुंदरसुरवाणीखुलजाय मात्रासेंपेचस-

हरहोई रिछरोमगुणअवसुनसोई िछरोंमलेआगजलावे विचूआदिजीवभगजावे रविदिनसज्जीआंखमें गाय घरकेभीतरसोलटकाय देखतपशूचारपदवारे भागजातनहिगेहसह्मारे रविदिनआंखनिकालेदोई त्रिलोहमढायमंत्रकरसोई त्रितीयचतुरथिकतापपछानो यंत्रधारदुखदूरसुमांनो ॥ इति ॥

॥ अथकुर्कटनामगुणकथनम् ॥

॥ दोहा ॥ कुर्कटनामसुभावगुणमखजनकेअनुसार प्रघटसुनांऊसभनकोलीजोउरमेंधार ॥ चौपै ॥ हिंदीकुर्कटनामकहावे मुरगानामफारसीगावे अरवीनामयुनानीदोई दिजाजनामकरकहिएसोई प्रसिद्धजांनवरदोविधजांन सहरीएकजांगलीमांन सहरीप्रथमदरजेकेअंत गरमीकरमानोहरिसंत खुषकीतरीमांहिसमजांन जांगलीगर्मपुष्कपरमांन पंछीजातगमंसभजानो सारसविनाभेदमनआंनो पंछीमासरुधिरउपजावे सभमेंकुर्कटअधिकलखावे कुर्कटमासगालकरखाय सखतखायतनदोषदिखाय बलवीरजकरवुद्धिवधावे सोराकवजीदूरहटावे धुंनीकीपीडाहटजावत सुंदरतनकररक्तवधावत कुर्कटवृद्धसोइमंगवावे चीरनीरमेंसोगडकावे विश्वाइजमेलमांसजोखाय पित्ततापताकोहटजाय जलनउदरकीदूरपछांनो तनमोटाकरपाचनमांनो वातविकारदूरसोकरे दीपनजलनपेटकीहरे तनमोटाकरमांसपछांन आगेंगुणसोरेकामांन कुर्कटसोरारातवनावे विश्वाइजलूंणसौंफसंगपावे रातसमैवाहिरलटकाय प्रभातपांनकरदस्तलगाय तापतृतीयचतुरथिकजावे कंपवातअरुश्वासहटावे अफाराजोडपीडहरहोई उदरपीडआंद्रोकीखोई उदरअफारादूरहटावे विषकारकसभरोगनसावे जेकरसोराएसाहोई आगेविधीलिखीसुनसोई सौंफकसुंभावीजमंगाय कडमपायकरमांसवनाय सोरालेकरलूंणमिलावे विश्वाइजफुनिसौंफरलावे रातसमैवाहिरलटकाय प्रभातपांनकरअतिगुणदाय कफकारकवहुरोगनसावे औरनेकविधपुष्टिदिखावे कंठरोधपरमांसखुलाय निश्चैरोगकंठकोजाय कृशतनकोसुंदरतनकरहै गरमीकेदुखवहुविधहरहै शिरकोमिंझखायनरकोई वुद्धीवीरजवृद्धीदोई सजराघृतमिलायजोखाय खंगदूरवलवृद्धीपाय खायकलेजारुधिरवधावे चरवीमलतनसुस्तीजावे चरवीगर्मकरशीसलिपाय मालेखौलिआनिश्चैजाय गंजआदिक्षुद्ररुजटारे तनफूटनअरुपुशाकिविडारे औरविधीआगेइकहोई कुर्कटपासरखावैकोई कसुंभावीजखुलावेजवहीं कुर्कटवृद्धीपावेतवहीं ताकोमांसामिंझरसजोई निश्चैअतिगुणदायकहोई सीघ्रकालकाकुष्टहटावे तनकापरमाहितूमनभावे ऋतवसंतकुर्कटलेकोई मारउदरखालीकरसोई भरेलूणराखलटकाय ग्रीषमऋतकीधूपलगाय मांसअस्थियुतचूर्णवनावे प्रातदूधसंगसेवनभावे कुवतकामअधिककरजानो अतिलज्जिततनरुधिरपछांनो जेकोरुधि सुकायखावे नसुआरकरैनकशीरहटावे कुर्कटपकडेफंगपुटावे फंगसाथरुधिरजोआवे सोइरुधिरनेत्रनमेंपाय छौड़धुंदफोलाहटजाय अस्थीलेविभूतकरकोई मोंममेलभगभीतरसोई मर्दनकरसंकोचदिखाय नूतनयोनीकरमनभाय कुर्कटउदरकंकरीहोई मारनिकालराखिएसोई सेवनकरैअश्मरीजावे निश्चैजोगासिद्धमनभावे मासेचारविठजोखाय कुलंजपीडानिश्चैहटजाय सिकांमिलसेविएसोई जहरदूरकरानिश्चैहोइहलकसर्पविषजवहींजानो कुर्कटमारसीघ्रपुरुमांनो ऊपरगर्मागमेंवंधाय ठंढाहोएतोऔरमंगाय मारचरफुनिवाधेसोई तीनवारविधऐसीहोई तातकालविषदूरहटावे सिरसांमहोएसिरमाहिवंधावे सर्पदंशपरमतनवनाय कुर्कटवृद्धपकडमंगवाय ताकीगुदाामसभसांधे दंशस्थानपरजीवतवांधे कुर्कटगुदादंसपरराखे गुदाद्वारकुर्कटाविषचाखे सकलदंशाविषजाावेधहरहै गुदाद्वारकुर्कटाविषचरहै छाछपनीर-

दूधवाहोई इनकेसाथनसेवेकोई जउोत्र्यावसंगकवहुंनखावे खावैविषसमांनदरसावे कुलंजपीड-पैदाकरहोई ववासीरनकरसकरसोई तौफुनिगर्मदवाईखावे अ्रगूरसरावदाखमनभावे प्रतिदिनकुर्क-टसेवैकोई गर्मसुभावताहुकाहोई सोसिकंजवीसेवनभावे निश्चैसकलदोषहटजावे ॥ इति ॥

॥ अ्रथतित्तरनामगुण ॥

॥ दोहा ॥ तित्तरनामसुभावगुणमखजनकोमतमांन प्रघटसुनांऊसभनकोसमझैपुरुषसुजांन दुरराज नामतींनोकहेंफारसअ्रवंयुनान तित्तरनामप्रसिद्धहैआगेलखोपछान ॥ चौपै ॥ सुंदरचारभेदकाजांनो एकवडारंगखाकीमांनो थोडाकालाकृष्णलकीर नामताहुकातित्तरक्षीर दूसरछोटाकालाजांन सुपे दलकोरांधूडामांन सोतित्तरकालाकरकहिए आगेभेदतीसरालहिए उससेंछोटाचिट्ठारंग लकीरांखा किशोभितअ्रंग नामकोरिअ्रातित्तरजांनो आगेचौथाभेदपछांनो ॥ दोहा ॥ चौथाछोटासभनतें खाकीरंगपछांन कालिचिट्टीलीकांअ्रधिकचुंजपरमांन भटतित्तरजाकोकेंहअ्रंगुलतींनविचार औरभेद कोअ्रंगुलीसोतोचारोचार चौपई उडारीअ्रधिकऔरतेंजांनो मांससखतचिरपाचकमांनो औरभेदपा छेजोतींन उनकाभेदसुनोपरवीन उडारीकमअ्रंगुलीहैचार थोडागर्मशुभावविचार दर्जेप्रथमषुष्कसभ-जांनो मांसरुधिरकल्ठकामांनो वीरजअ्रकलमिंझवधजावे जादगीरीसोअ्रधिकरखावे सरदीतरी वाननरजोई इनकोअ्रातिवलदायकहोई जेकरगरमीपुशकीजांने तौताकोदुखदायकमांने तित्तरसेव दोषजोधावे तौखटेआईखायहटावे तित्तररुधिरनैत्रमेपाय छौडधुंदफोलाकटजाय तित्तरपित्तानेत्रन पावे अथवाविठपायदुखजावे छौडधुंदफोलाकटजाय करैलेपदुखासिंमहटाय आदीकाणंकुष्ठहट जावे सोसभरोगलेपकरजावे खलडीऊपरचिन्हविचार करैलेपदुखदूरनिवार तित्तरकीचरवीमंगवा वे समकुचलेकातेलमिलावे कर्नवीचपावैजवकोई दुर्जयकर्नपीडदुखखोई इतितित्तरनामगुणकथनम्

इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांऔषधीनामकथनंनामपंचषाष्ठितमो ऽधिकारः ॥ ६५ ॥

॥ श्री ॥

॥ दोहा ॥ सप्तद्वीपनवखंडमेंभारतखंडअनूप तामहिपुरजंवूलसैसभदेसनकोभूप जोसूरजकेवंशमेंजंवूपतजमुवाल सातभूपवर्नणकरोंभाषावचनरसाल ॥ कवित्त हरिदेवजंवूपतगजेसिंहआगेसुतआगेध्रुवदेवताकोसूरतसिंहसाजहै आगेश्रीजराउरसिंहश्रीकिशोरसिंहताकोआगेश्रीगुलावसिंहपदवीमहाराजहै अवश्रीरणवीरसिंहगुलावसिंहजूकीअंशयुगयुगलोंकरेराजजाहूसोंकाजहै धन्यश्रीकिशोरसिंहऔगुलावसिंहधन्यधन्यरणवीरसिंहाहिंदूपतलाजहै ॥ कवित्त ॥ सारेराजवारेसंगसाजकेसमाजखरेवाजतघनवाजेवीचिवाजतनगारेहै आगेहैवहारमौजवर्ततजोराजनीतधारेपीतवस्त्रशस्त्रभूषणसह्मारेहै होतहैहुलासजोविलासदेखरागरंग वैठेसंगसोभामौजदेषतअपारेहै कहैकवीनीलकंठश्रीमनरणवीरसिंहटेढीमूछवारेपैंकरोरराजवारेहै ॥ दोहा ॥ जोजैसाजिसपुरुषकोंकष्टवनेजवआय कष्टदूरसोकरतहैनीतजाहिमनभाय ॥ सवैआ ॥ सुंदरचारुविचारधरैमनमीतनकोंअतिप्रीतदिखांमें जामहिंवुद्धिपराक्रमतेजसुसत्रुनकीकरछारउडांमे मानतवेदपुराननभेदसुदेवसिआवरसेगुणजामे कंठकहैकुलभूषणजोअवसोरणवीरहरीमनभामे दोहा ॥ संवतसशिदृगनवसशी १९३१ छप्योग्रंथशुभआस चिकित्साछंदप्रवंधसोंश्रीरणवीरप्रकास ॥ कवित्त ॥ भावप्रकासचक्रंवंगसैंनचक्रदत्तयोगशतकवैद्यसारसारंगधरमानिए ज्वरतिमरभास्करयोगचिंतामणीश्रीवृंदहारीतकल्पसागरचिकित्सासारजानिए पथ्याधिकारवीरसिंहात्रिलोकमांनपांडूचिकित्साचिकित्सासंग्रहपहचानिए अष्टांगहृदैकिचित्साकालिकानंदमालिकाहैआतंकदर्पणरसमानसमतमानिए ॥ दोहा ॥ इत्यादीमतसारलेभाषारचीसह्मार चूकपरेतौवैद्यवरसमझेवुद्धिउदार जंवूपुरवासीभएविद्वज्जनसिरमौर कमलनैनपंडितमहाजासमदूजनऔर तिन्हकेदेवीदत्तसुतजिन्हकोश्रीभवनाथ नीलकंठतिन्हकोभयोसोनितनावतमाथ पढ्योनसास्तरमेंकोइसतसंगतउरधार आज्ञाश्रीमहाराजकीपायोभाषासार भाषासाखासास्त्रकीश्रुतिकीस्मृतिज्योंकोय सास्त्रसंसकृतकठिनहैभाषासुगमीहोय ॥ श्लोक ॥ जावतसूर्यसशीशेससससरिता धीसोधराधारिणा यावत्क्षीरसमीरवान्हिनभता शक्तिस्त्वहंधीगिरा तावत्श्रीरघुवंशगजातिलक कीर्तिश्वतेभूतले श्रीकालीपरमेश्वरीचत्रिकुटा संवधयत्वाशिषः दोहा इतिश्रीकोआदलेश्रीरणवीरप्रकाश चिकित्साछंदप्रवंधसोंसंपूरणशुभआस ॥ शुभम् भूयात्सर्वजगताम्